रांची, बुधवार
15.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 223, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रुपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

आरबीआई ने बैंक बोर्ड के संचालन मानदंडों में संशोधन किया

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बैंक निदेशक मंडल के सामने रखे जाने वाले मामलों में अंतिम संशोधनों की घोषणा की है। आरबीआई के नये नियम इस साल एक अक्टूबर से लागू होंगे। इसका मकसद बैंकों में कामकाज को आसान बनाना है। आरबीआई ने मंगलवार को जारी एक अधिसूचना में बताया कि नए नियम इस साल एक अक्टूबर से लागू होंगे। आरबीआई ने कहा कि नियमों का नया सेट सिद्धांतों पर आधारित है। इसका मकसद बैंक निदेशक मंडल (बोर्ड) को यह स्वतंत्रता देना है कि वे हर बैंक की खास प्राथमिकताओं के आधार पर अपना एजेंडा तय कर सकें। हालांकि, आरबीआई ने यह भी साफ किया कि जोखिम, नियमों का पालन, वित्तीय प्रदर्शन और ग्राहकों की सुरक्षा जैसे अहम मामलों पर बोर्ड की निगरानी बनी रहेगी। केंद्रीय बैंक के बदले हुए नए नियमों के मुताबिक बैंक बोर्ड बैठकों में लिए गए फैसलों को लागू करने का तरीका खुद तय कर सकता है। केंद्रीय बैंक ने कार्रवाई रिपोर्ट व्यवस्था को जारी रखने के सुझाव को स्वीकार नहीं किया।

योगी आदित्यनाथ ने की गृह मंत्री अमित शाह से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कर्तव्य भवन में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। दोनों के बीच बैठक करीब 50 मिनट तक चली। माना जा रहा है कि इस दौरान राज्य के कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। योगी आदित्यनाथ देर शाम को भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से भी मुलाकात कर सकते हैं। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गृह मंत्री अमित शाह की मुलाकात ने एक बार फिर राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। इस मुलाकात के बाद उत्तर प्रदेश चुनाव को लेकर भाजपा संगठन में बड़े बदलावों की चर्चा भी तेज हो गई है। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में उत्तर प्रदेश के चुनावी समर के लिए बड़ी योजना पर चर्चा की गई है। विपक्षी दलों ने हाल ही में राममंदिर चढ़ावा चोरी मामले को बड़ा चुनावी मुद्दा बनाना शुरू कर दिया है। इसको लेकर पार्टी की रणनीति बनाई गई है। समाजवादी पार्टी के पीडीए(पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) कार्ड को काटने के लिए भी कई चेहरों को उतारने की तैयारी है। इसके साथ राज्य में अयोध्या समेत कई क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों को समय से पहले पूरा करने और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर जीरो टॉलरेंस की नीति को और आक्रामक बनाया रहा है।

नई तीन भाषा नीति पर केंद्र और सीबीएसई को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की नयी तीन भाषा नीति को चुनौती देने वाली दो नयी याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और सीबीएसई को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 29 जुलाई को करने का आदेश दिया।

इसके पहले भी कोर्ट ने 18 जून को फ्रेंड्स ऑफ पीपल फॉर एक्टिव डेमोक्रेसी नामक एनजीओ की ऐसी ही याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार और सीबीएसई को नोटिस जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने 27 मई को छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और सीबीएसई को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया।

याचिकाओं में कहा गया है कि सीबीएसई की नई तीन भाषा नीति में नौंवी कक्षा से दो और भाषाओं को पढ़ना अनिवार्य बनाया गया है। इन तीन भाषाओं में दो भारतीय भाषाओं का अध्ययन जरुरी है। याचिका में कहा गया है कि अचानक कक्षा नौ के छात्रों को दो अतिरिक्त भाषाओं का अध्ययन अनिवार्य करना उनकी दसवीं बोर्ड की तैयारी प्रभावित कर सकता है। वे अचानक दो भाषाएं कैसे सीख जाएंगे और दसवीं में उनकी परीक्षा देंगे। इससे छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। ये नीति एक जुलाई से प्रभावी होगी।

याचिकाओं में कहा गया है कि सीबीएसई ने सभी हितधारकों से उचित परामर्श किए बिना ही रातोंरात बदलाव कर दिया। तीन भाषाओं में अगर कोई छात्र विदेशी भाषा यानी फ्रेंच, जर्मन या दूसरी विदेशी भाषा पढ़ना चाहता है तो उसे तीसरी भाषा के रुप में ही इसे चुनना होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने 24 घंटे अदालतें चलाने की मांग पर सभी उच्च न्यायालय को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने लोगों के अधिकार और निजी स्वतंत्रता से जुड़े मामलों पर देशभर की अदालतों में चौबीसों घंटे विचार करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए देशभर के सभी उच्च न्यायालयों को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने नोटिस जारी किया। याचिका अधिवक्ता महेराविश रीन ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि अक्सर नागरिकों को रात में गिरफ्तार किया जाता है या सुबह-सुबह डेमोलेशन कर दिया जाता है। कार्रवाई वीकेंड में की जाती है ताकि उस दौरान संवैधानिक कोर्ट बंद रहें। याचिका में कहा गया है कि ऐसी स्थिति में जब कोर्ट बंद होते हैं और नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता छीनी जा रही होती है तो एक नागरिक असहाय हो जाता है इसलिए कोर्ट में काम के घंटे और सीमित रुप से वेकेशन बेंच गठित करना जरुरी है।

उद्योग मंत्री संजय यादव ने 'भारत टेक्स 2026' में झारखंड पैविलियन का किया उद्घाटन

स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध होने से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी:संजय

बिभा संवाददाता

रांची। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'भारत टेक्स 2026' में मंगलवार को झारखंड के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने झारखंड पैवेलियन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि झारखंड के पारंपरिक हस्तकरघा और वस्त्र उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाना सरकार की प्राथमिकता है।

उद्योग मंत्री ने कहा कि झारखंड की समृद्ध हस्तकरघा और वस्त्र विरासत को वैश्विक मंच पर स्थापित कर रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएंगे, ताकि राज्य के युवाओं को रोजगार के लिए पलायन न करना पड़े। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार उपलब्ध होने से राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और विकास को नई गति प्राप्त होगी।

संजय प्रसाद यादव ने कहा कि 'भारत टेक्स 2026' झारखंड के पारंपरिक वस्त्र उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने, बुनकरों एवं कारीगरों को नए व्यावसायिक अवसर उपलब्ध कराने तथा राज्य के वस्त्र उद्योग को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

मंत्री ने कहा कि 'भारत टेक्स 2026' वस्त्र एवं परिधान उद्योग की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के लिए व्यापार, निवेश, नवाचार, नीतिगत संवाद और रणनीतिक साझेदारी का एक प्रमुख वैश्विक मंच बन चुका है। यह आयोजन भारत के वस्त्र एवं फैशन उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ सतत विकास, तकनीकी नवाचार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को भी नई दिशा प्रदान कर रहा है।

सूचना एवं जनसंपर्क निदेशालय की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, झारखंड पैवेलियन में राज्य के छह जीआई टैग प्राप्त हस्तकरघा उत्पादों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके माध्यम से झारखंड की समृद्ध वस्त्र परंपरा, पारंपरिक शिल्पकला और बुनकरों की प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के समक्ष प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शनी में तसर सिल्क, कुचाई सिल्क, भगैया साड़ी एवं फैब्रिक, टुमका चादर, भोया साड़ी एवं फैब्रिक तथा पंछी साड़ी एवं फैब्रिक प्रमुख आकर्षण रहे। आयोजन में देश-विदेश के निमार्ता, निर्यातक, वैश्विक खरीदार, निवेशक, नीति-निमार्ता, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल, स्टार्टअप, प्रौद्योगिकी प्रदाता तथा हस्तशिल्प एवं हस्तकरघा क्षेत्र से जुड़े बड़ी संख्या में कारीगर और उद्यमी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम में उद्योग विभाग के निदेशक विशाल सागर, अपर सचिव प्रीति सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने मन्नान मल्लिक को दी श्रद्धांजलि, कहा— राज्य ने अनुभवी जननेता को खो दिया

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मन्नान मल्लिक के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन अपनी धर्मपत्नी एवं गांडेय विधायक कल्पना सोरेन के साथ मंगलवार को झारखंड विधानसभा पहुंचे, जहां उन्होंने दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने मरांग बुरु से दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोक संतप्त परिजनों, समर्थकों और शुभचिंतकों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मन्नान मल्लिक लंबे समय तक जनसेवा और सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहे। उन्होंने झारखंड, विशेषकर धनबाद की जनता की समस्याओं और आवाज को मजबूती से उठाने का कार्य किया। उनके निधन से राज्य ने एक अनुभवी जनप्रतिनिधि और सामाजिक सरोकारों से जुड़े नेता को खो दिया है। उन्होंने कहा कि यह अपूरणीय क्षति है और उनकी कमी सदैव महसूस की जाएगी।

श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मुख्यमंत्री और विधायक कल्पना सोरेन ने दिवंगत मन्नान मल्लिक के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी तथा इस दुःख की घड़ी में हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उल्लेखनीय है कि झारखंड के पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। मंगलवार सुबह रांची के एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके निधन पर राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है तथा विभिन्न दलों के नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को याद किया।

भारत-ब्रिटेन के बीच वृहद आर्थिक और व्यापार समझौता आज से होगा लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और ब्रिटेन के बीच वृहद आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) 15 जुलाई से प्रभावी हो जाएगा। कई दौर की बातचीत के बाद दोनों देशों ने पिछले साल 25 जुलाई को समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस ऐतिहासिक समझौते के अंतर्गत भारतीय निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में 99 फीसदी उत्पादों पर शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई वाली सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है।

आर्थिक मामलों के जानकारों के मुताबिक भारत और ब्रिटेन के बीच हुआ यह व्यापार समझौता हाल के वर्षों के सबसे अहम व्यापारिक समझौतों में से एक माना जा रहा है। इसके लागू होने से भारत के लगभग 99 फीसदी निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत-ब्रिटेन सीईटीए लागू होने से परिधान, वस्त्र, जूते-चप्पल, कालीन, प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद, अनाज, सब्जियां, फल, मसाले, मछली, मांस तथा इनके प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे क्षेत्र अब ब्रिटेन के बाजार में पूरी तरह शुल्क मुक्त पहुंच सकेंगे। अबतक इन उत्पादों पर ब्रिटेन में चार से 16 फीसदी तक आयात शुल्क लगाया जाता है। समझोते के मुताबिक भारत, ब्रिटेन से आयात होने वाले चांदी पर लगने वाले शुल्क को अगले 10 साल में चरणबद्ध तरीके से शून्य कर देगा। ब्रिटेन से भारत आने वाले प्रमुख आयातित उत्पादों में चांदी भी शामिल है।

एफटीए में भारत ने ब्रिटेन में बनी पूरी तरह तैयार कारों और ट्रक पर आयात शुल्क में बड़ी कटौती करने पर सहमति जताई है। इस शुल्क को 110 फीसदी से धीरे-धीरे घटाकर 10 फीसदी कर दिया जाएगा। किसी भी एफटीए में ऐसा पहली बार हुआ है, जब भारत ने वाहन के क्षेत्र में इस तरह का निर्णय लिया है।

लातेहार में 20 लाख का इनामी माओवादी रविंद्र गंझू गिरफ्तार, एके-56 समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद

बिभा संवाददाता

लातेहार। लातेहार पुलिस ने प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के रीजनल कमेटी सदस्य और 20 लाख रुपये के इनामी माओवादी रविंद्र गंझू को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से एक एके-56 राइफल, एक पिस्टल, एक अन्य राइफल, 239 कारतूस तथा अन्य नक्सली सामग्री बरामद की गई है। रविंद्र गंझू लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र स्थित हेसला बांझीटोला गांव का निवासी है।

मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में पुलिस अधीक्षक (एसपी) कुमार गौरव ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि रविंद्र गंझू अपने घर आया हुआ है। सूचना के आधार पर कोबरा-209 बटालियन के उप कमांडेंट दीपक कुमार के नेतृत्व में पुलिस और सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम का गठन किया गया। टीम ने उसके घर की घेराबंदी कर छापेमारी की और बिना किसी नुकसान के उसे गिरफ्तार कर लिया।

एसपी ने बताया कि रविंद्र गंझू पिछले 16 वर्षों से माओवादी संगठन में सक्रिय था और संगठन का महत्वपूर्ण सदस्य माना जाता था। उस पर 18 पुलिसकर्मियों की हत्या का आरोप है। इसके अलावा लातेहार, पलामू, लोहरदगा, गुमला और रांची समेत विभिन्न जिलों के थानों में नक्सली हिंसा, हत्या, विस्फोट और हथियार लूट से जुड़े 154 से अधिक मामले दर्ज हैं।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान रविंद्र से कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। उसके आधार पर संगठन के अन्य सदस्यों और गतिविधियों के संबंध में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

एसपी कुमार गौरव ने कहा कि सुरक्षा बलों के लगातार अभियान के कारण माओवादी संगठन काफी कमजोर हो चुका है। उन्होंने क्षेत्र में सक्रिय बचे हुए उग्रवादियों से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौटने की अपील की और कहा कि सरकार की पुनर्वास नीति का लाभ उठाने का यह उचित समय है।

प्रेस वार्ता में मौजूद सीआरपीएफ के डीआईजी पंकज कुमार ने कहा कि क्षेत्र में सक्रिय बचे हुए नक्सलियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि उग्रवादियों के पास आत्मसमर्पण का अवसर है, अन्यथा कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

होर्मुज पर अमेरिकी नियंत्रण के बाद अब नाकाबंदी की तैयारी, भारतीय नागरिक की मौत पर नई दिल्ली ने ईरान के उप राजदूत को किया तलब

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में नियंत्रण का दावा करते हुए कहा कि अब वहां नाकाबंदी शुरू की जाएगी। अमेरिकी मध्य कमान (सेंटकॉम) ने घोषणा कि ईरान में हमलों का तीसरा चरण पूरा कर लिया गया। ईरान ने बंदर अब्बास बंदरगाह शहर, किश, केशम और अबू मूसा द्वीपों पर धमाकों की पुष्टि की है। ट्रंप ने कांग्रेस को बताया कि ईरान में सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू हो गई है। तेहरान ने अमेरिका के क्षेत्रीय सहयोगियों पर हमले किए और कहा कि उसने दो टैंकरों पर हमला कर उन्हें बेकार कर दिया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कहा कि ईरानी मिसाइलों ने ओमान के समुद्री इलाके में उसके टैंकरों को निशाना बनाया। हमले में एक क्रू मेंबर की मौत हो गई। हताहत नाविक की पहचान भारतीय नागरिक की मौत हो गई। उधर, होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने देश के नाविक की मौत पर भारत ने ईरान के उप राजदूत (डिप्टी चीफ ऑफ मिशन) को तलब किया।

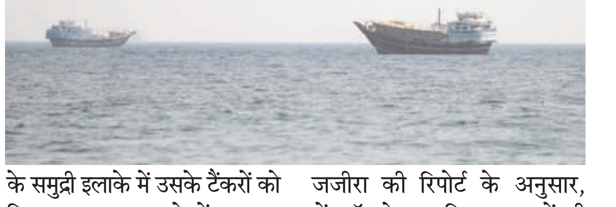

सीएनन, सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, सेंटकॉम ने कहा कि यह हमलों की तीसरी रात रही। अमेरिकी सेना ने ईरान के कई इलाकों में हमले किए। हमलों में ईरान के तटीय रक्षा सिस्टम के साथ-साथ मिसाइल और ड्रोन साइटों को भी निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया ने बंदर अब्बास बंदरगाह शहर और किश, केशम और अबू मूसा द्वीपों पर धमाकों की खबर दी है। ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ युद्धविराम टूट गया है। ट्रंप ने कांग्रेस को बताया कि ईरान में सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू हो गई है। सेंटकॉम ने कहा कि मंगलवार को शाम चार बजे (पूर्वी समय) ईरानी बंदरगाहों की नौसैनिक नाकाबंदी फिर से शुरू हो जाएगी।

अमेरिका-ईरान के सैन्य टकराव से क्षेत्रीय तनाव बढ़ गया है। सऊदी अरब और यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के बीच ताजा हमले हुए हैं। ट्रंप ने न्यूजमैक्स को दिए साक्षात्कार कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका का नियंत्रण है। ईरान इस जलमार्ग पर नियंत्रण करने की कोशिश कर रहा है और उन जहाजों पर हमले कर रहा है जो उसकी बात नहीं मानते। राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा था कि अमेरिका होर्मुज जलडमरूमध्य का गार्जियन एंजेल (रक्षक) बनेगा और वहां से गुजरने के लिए पैसे लेगा। लेकिन ईरान ने खुद टोल वसूलने की संभावना से इनकार नहीं किया है और इस साल की शुरूआत में कई शिपिंग कंपनियों ने ईरान को टोल दिया था।

ट्रंप ने यह भी दोहराया कि वह ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकाबंदी फिर से शुरू करने की योजना को अंजाम देना बाकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका सिर्फ ईरान और उसके साथ व्यापार करने वाले देशों के जहाजों के गुजरने पर पाबंदी लगाएगा। इस बीच यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स ने कहा है कि ओमान के लिमाह इलाके के दक्षिण-पूर्व से गुजरते समय एक टैंकर पर मिसाइल से हमला होने की खबर है। अधिकारी इस घटना की जांच कर रहे हैं।

टैंकर ट्रैकर्स के अनुसार ईरान ने पिछले 26 दिनों में आठ करोड़ बैरल तेल भेजा है। इनकी कीमत अभी छह अरब डॉलर है। संस्था ने कहा कि ईरान लाखों बैरल तेल भेजे जाने का इंतजार कर रहे हैं। ट्रैकिंग ग्रुप ने कहा, अब जबकि अमेरिकी नौसेना की नाकाबंदी तय समय से एक महीने से भी पहले फिर से लागू की जा रही है, ऐसा लगता है कि ईरान अब लगभग तीन करोड़ बैरल कच्चा तेल नहीं भेज पाएगा।

ट्रंप ने वापस लिया होर्मुज पर 20 प्रतिशत टैक्स का फैसला, बोले- निवेश ज्यादा जरूरी

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाने के अपने विवादास्पद फैसले को महज 24 घंटे के भीतर वापस ले लिया। कई देशों की आलोचना और पश्चिम एशिया के नेताओं के साथ बातचीत के बाद ट्रंप ने घोषणा की कि अब टैक्स की बजाय खाड़ी देशों से अमेरिका में बड़े पैमाने पर निवेश कराया जाएगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर कहा कि मध्य-पूर्व के नेताओं से सकारात्मक चर्चा के बाद यह फैसला लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि खाड़ी देशों के निवेश से अमेरिका में लाखों नए रोजगार पैदा होंगे और दोनों पक्षों को आर्थिक लाभ मिलेगा।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों से किसी भी देश या संस्था को शुल्क नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि किसी को भी इस रास्ते से गुजरने के लिए टैक्स लेने का अधिकार होना चाहिए।

हालांकि ट्रंप ने यह भी माना कि मौजूदा व्यवस्था पूरी तरह संतुलित नहीं है। उनके मुताबिक, मुझे टैक्स लेने का विचार पसंद नहीं है, लेकिन यह भी उचित नहीं कि पूरी दुनिया के लिए इस अहम जलमार्ग की सुरक्षा का पूरा बोझ केवल अमेरिका उठाए। ट्रंप ने सोमवार को घोषणा की थी कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले व्यावसायिक जहाजों के कार्गो पर 20 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा। उनका तर्क था कि अमेरिका इस रणनीतिक समुद्री मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करता है, इसलिए इसके बदले शुल्क लिया जाना चाहिए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए, गलत घोषणा दंडनीय अपराध : के. रवि कुमार

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने कहा कि मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) केवल पात्र भारतीय नागरिकों के लिए है। किसी भी गैर-भारतीय नागरिक को इस प्रक्रिया में भाग नहीं लेना चाहिए, क्योंकि गलत घोषणा करना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत दंडनीय अपराध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी गैर-भारतीय को इन्यूमरेशन फॉर्म प्राप्त होता है तो वह उसे बिना भरे और बिना हस्ताक्षर किए उचित कारण बताते हुए संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) को वापस कर दे।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मंगलवार को लोहरदगा के विभिन्न मतदान केंद्रों पर आयोजित बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक और चुनाव पाठशाला को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने बीएलओ, बीएलए-2 और चुनाव पाठशाला के सदस्यों से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी प्राप्त की और बीएलओ को उनके कार्यों के लिए प्रोत्साहित भी किया।

उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत राज्य के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठक और चुनाव पाठशाला आयोजित की जा रही है। इन बैठकों में बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों की अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और हटाए गए (एएसडीडी) सूची पढ़कर सुनाते हैं।

के. रवि कुमार ने बताया कि 22 जुलाई को बीएलओ एवं बीएलए-2 की तीसरी और अंतिम बैठक आयोजित होगी, जिसकी कार्यवाही और फोटो बीएलओ ऐप के माध्यम से अपलोड की जाएगी। इसी बैठक में एएसडीडी सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा। इसके बाद पांच अगस्त को मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन के साथ एएसडीडी सूची भी प्रकाशित की जाएगी।

के. रवि कुमार ने निर्देश दिया कि वर्तमान मतदाता सूची में शामिल किसी भी पात्र भारतीय नागरिक का नाम प्रारूप मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने बीएलओ और बीएलए-2 से एएसडीडी सूची तैयार करते समय पूरी सावधानी और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि कोई भी गैर-भारतीय नागरिक, चाहे वह भारत में कानूनी रूप से रह रहा हो या अवैध रूप से, मतदाता सूची में शामिल होने का पात्र नहीं है। ऐसे व्यक्ति को इन्यूमरेशन फॉर्म पर हस्ताक्षर नहीं करने चाहिए। यदि कोई व्यक्ति झूठी घोषणा करते हुए फॉर्म पर हस्ताक्षर करता है, तो उसके विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा-31 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

लोहरदगा दौरे के दौरान मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने मतदान केंद्र संख्या 259, 260, 261, 272, 273 और 274 पर आयोजित बीएलओ एवं बीएलए-2 की बैठकों और चुनाव पाठशालाओं का निरीक्षण भी किया तथा वहां चल रही पुनरीक्षण प्रक्रिया का जायजा लिया।

इस अवसर पर उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीणा, आईटीडीए की निदेशक सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अमित कुमार, अतिरिक्त एईआरओ मुक्ति किंडो, संबंधित बूथों के बीएलओ, बीएलए-2, बीएलओ सुपरवाइजर, वालंटियर तथा स्थानीय गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय बासुडीह सिल्ली में स्कूली बच्चों के साथ मारपीट का मामला, सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय बासुडीह सिल्ली में स्कूली बच्चों के साथ कथित रूप से अनावश्यक मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) एवं अभिभावकों ने मंगलवार को प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सिल्ली को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में आरोप लगाया है कि विद्यालय के सहायक प्रधानाध्यापक शैलेंद्र कुमार द्वारा बच्चों को बार-बार बिना किसी उचित कारण के शारीरिक दंड दिया जाता है। इससे बच्चों में भय का माहौल बना हुआ है तथा उनकी पढ़ाई और विद्यालय में उपस्थिति भी प्रभावित हो रही है। अभिभावकों का कहना है कि कई बच्चे डर के कारण नियमित रूप से विद्यालय नहीं जा रहे हैं, जिससे उनके भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।ज्ञापन के माध्यम से अभिभावकों एवं एसएमसी सदस्यों ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही विद्यालय में बच्चों के लिए सुरक्षित एवं भयमुक्त शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस मौके पर राजकिशोर महतो, रामप्रसाद महतो, रतनलाल महतो, गीता देवी, धनंजय कुमार, सुनीता देवी, बसंती देवी आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

एसआईआर फॉर्म भरवाने में कांग्रेस की टीम कर रही हैं सहयोग

जमशेदपुर(बिभा) : एसआईआर 2026 अभियान के तहत आज पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव राकेश साहू की टीम ने बूथ स्तर पर मतदाताओं को जागरूक करने एवं फॉर्म भरवाने में सक्रिय सहयोग किया। बड़ी संख्या में लोगों से संपर्क कर उन्हें खोजा गया और फॉर्म दिया गए। अनेक मतदाताओं ने मौके पर ही फॉर्म जमा किए। इस दौरान कई ऐसी महिलाएं भी थीं जिन्हें फॉर्म भरना नहीं आता था, उनकी राकेश साहू ने पूरी मदद कर फॉर्म भरवाया। सरकार द्वारा नियुक्त बीएलओ अपना कार्य कर रहे थे, वहीं कांग्रेस की टीम ने लोगों को फोन कर बुलाने, फॉर्म भरने में सहायता करने और एसआईआर की प्रक्रिया को समझाने का कार्य किया। जानकारी दी गई कि रोजाना सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक कांग्रेस टीम मतदान केंद्र पर उपस्थित रहेगी और लोगों की मदद करेगी। कल भी इसी प्रकार का कार्य जारी रहेगा। कांग्रेस टीम ने मतदाताओं से अपील की कि मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के लिए सभी पात्र लोगों का नाम अवश्य जुड़वाएं।

बेड़ो पुलिस ने आरोपी समेत वारंटी को किया गिरफ्तार, भेजे गए न्यायिक हिरासत

बेड़ो(बिभा): अपराध एवं वारंटियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बेड़ो थाना पुलिस ने महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए थाना कांड संख्या 76/2026 के प्राथमिकी अभियुक्त विजय मुंडा (32 वर्ष), पिता शनिचर मुंडा, निवासी ग्राम मधुपुर, घाघरा, थाना बेड़ो, जिला रांची को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसी क्रम में न्यायालय से निर्गत डीडब्ल्यू वारंट के आलोक में जीतवाहन धान (35 वर्ष), पिता रंथू धान, निवासी ग्राम नगड़ी मुंडाटोली, पूणापानी, थाना बेड़ो, जिला रांची को भी विधिवत गिरफ्तार किया गया। न्यायालय में पेशी के उपरांत उसे भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बेड़ो थाना प्रभारी कफिल अहमद ने उक्त कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि क्षेत्र में अपराधियों एवं वारंटियों के विरुद्ध पुलिस का अभियान लगातार जारी है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए नियमित रूप से विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

बागबेड़ा में पाइपलाइन कार्य के बाद छोड़े गए गड्ढे को भरने एवं संवेदक पर कार्रवाई की मांग

जमशेदपुर(बिभा) : बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी पंचायत अंतर्गत कुंवर सिंह मैदान रोड नंबर-3 स्थित मुख्य सड़क पर पाइपलाइन कार्य के लिए खोदे गए गड्ढे को अविलंब भरवाने तथा लापरवाही बरतने वाले संवेदक के विरुद्ध ब्लैकलिस्ट एवं कानूनी कार्रवाई की मांग को लेकर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने पीएचईडी विभाग के कार्यपालक अभियंता सुमित कुमार को मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में बताया गया कि डी एम एफटी मद से लगभग 4 लाख रुपये की लागत से करीब 50 घरों में जलापूर्ति सुनिश्चित करने हेतु पाइपलाइन इंटर कनेक्शन का कार्य कराया गया था, लेकिन कार्य पूर्ण होने के बावजूद मुख्य सड़क पर खोदा गया गड्ढा नहीं भरा गया, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है और आवागमन प्रभावित हो रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर पीएचईडी विभाग के कनीय अभियंता आशुतोष ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संवेदक को अविलंब गड्ढा भरने का निर्देश दिया। संवेदक ने स्लैब लगाकर गड्ढे को सुरक्षित करने तथा शीघ्र ही उसे पूरी तरह भरने का आश्वासन दिया है। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता के साथ मिथिलेश कुमार सिंह, सुरेश प्रसाद रानू, अभिषेक उपाध्याय एवं राजा उपस्थित थे।

डीएमएफटी फंड में 3,700 करोड़ जमा होने के बावजूद चाईबासा में खदान इलाकों की तस्वीर नहीं बदलना दुर्भाग्यपूर्ण : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

चाईबासा : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने चाईबासा जिले में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) फंड के सदुपयोग नहीं होने को लेकर घोर नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इस जिले सहित पूरे राज्य में इस फंड का सही ढंग से उपयोग नहीं किया जा रहा है। कहा कि जब नेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने डीएमएफटी फंड बनाया ताकि खदान इलाकों में लोगों की जो कठिनाइयां है, उसका समाधान हो सके। परंतु राज्य सरकार इस फंड का सदुपयोग करने में पूरी तरह फिसड्डी साबित हुई है। श्री मरांडी दो दिवसीय पश्चिमी सिंहभूम के दौरे पर हैं। इस दौरे के दूसरे दिन सारंडा मंडल अंतर्गत बरायबुरु में उन्होंने उक्त बातें कहीं। यहां उन्होंने आयोजित जनसभा को संबोधित किया। साथ ही इस दौरान सुदूर ग्रामीण क्षेत्र में रह रहे लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं और स्थानीय मुद्दों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

श्री मरांडी ने कहा कि चाईबासा और सारंडा के जंगलों से निकलने वाला लौह अयस्क देश के औद्योगिक विकास को गति देता है। खनन प्रभावित क्षेत्रों के समग्र विकास के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी के नेतृत्व में उटऋछ फंड की व्यवस्था की गई। इस फंड के तहत पिछले 10 वर्षों में चाईबासा को लगभग ?3,700 करोड़ प्राप्त हुए। यह फंड खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं के लिए खर्च होना चाहिए, लेकिन इसके उपयोग में पारदर्शिता और प्रभावशीलता की भारी कमी दिखाई दे रही है।

श्री मरांडी ने कहा कि 3700 करोड़ की राशि कम नहीं होती। यानी प्रति साल 300 करोड़ से अधिक की राशि चाईबासा जिले में डीएमएफटी फंड में जमा हुए। इस कारण लग रहा था कि इतनी बड़ी राशि जब जमा हुई है तो खदान इलाके में पांच-सात किलोमीटर की परिधि तक की जो समस्याएं हैं वह काफी हद तक दूर हो गई होगी। लेकिन दो दिनों से उन्हें इस इलाके में घूमने के दौरान कुछ बदलाव नजर नहीं आया। इस क्षेत्र में इस पैसा का अगर सदुपयोग किया जाता तो आज यह स्थिति नहीं होती और सारी व्यवस्था चकाचक होती लेकिन सरकार को इसकी कोई चिंता ही नहीं है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इतनी बड़ी राशि मिलने के बावजूद भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के कारण क्षेत्र में अपेक्षित विकास आज भी दिखाई नहीं देता।

श्री मरांडी ने कहा कि ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि इस समस्याओं को लेकर वे जिला प्रशासन से बात करेंगे और राज्य सरकार को भी तमाम बातों से अवगत कराएंगे। साथ ही विधानसभा में भी इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाएंगे। इस इलाके के लोगों के हक के लिए, उनकी तकलीफों को दूर करने के लिए उनसे जो भी सहयोग हो पाएगा, इस दिशा में बढ़कर मदद करेंगे।

साथ ही श्री मरांडी ने कहा कि खदान इलाकों में 25 साल पहले भी वे आए थे और तब भी उन्होंने कई इलाकों का दौरा किया था। उस समय इस इलाकों की जो समस्या थी, खासकर पेयजल की समस्या, जो आयरन युक्त लाल पानी पीने को लोग मजबूर थे, दुखद बात है कि 25 साल बाद आज भी कमोबेश वैसी ही समस्या बरकरार है। राज्य सरकार अक्सर फंड का रोना रोकर इन इलाकों की बुनियादी सुविधाओं को दुरुस्त करने की दिशा में ध्यान नहीं देती थी इसलिए प्रधानमंत्री ने डीएमएफटी फंड की व्यवस्था की।

मानगो नगर निगम बोर्ड की 3 महीने से नहीं हुई बैठक, सरयू राय ने उठाए सवाल

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: विधायक सरयू राय ने मानगो नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए अपर नगर आयुक्त को पत्र लिखकर निगम बोर्ड की बैठक शीघ्र बुलाने की मांग की है। पत्र में सरयू राय ने लिखा है कि नगर निगम अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किया जा रहा है। मानगो नगर निगम बोर्ड की पहली बैठक 16 अप्रैल 2026 को हुई थी, जिसकी सूचना उन्हें पदेन सदस्य के रूप में दी गई थी। लेकिन इसके बाद तीन महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद बोर्ड की दूसरी बैठक नहीं बुलाई गई है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया है कि नगरपालिका अधिनियम के अनुसार निगम बोर्ड की बैठक प्रत्येक माह कम-से-कम एक बार आयोजित किया जाना अनिवार्य है। इसके बावजूद लगातार बैठक नहीं होना नियमों की अनदेखी है। उन्होंने कहा कि इससे नगर निगम के महत्वपूर्ण प्रशासनिक और विकास संबंधी निर्णय प्रभावित हो रहे हैं। सरयू राय ने यह भी कहा कि 16 अप्रैल को हुई पहली बोर्ड बैठक की कार्यवाही (मिनट्स) की प्रति भी अब तक उन्हें उपलब्ध नहीं कराई गई है, जबकि वे बोर्ड के पदेन सदस्य हैं।

विधायक ने अपर नगर आयुक्त से कहा है कि पिछली बैठक की कार्यवाही की प्रति उन्हें शीघ्र उपलब्ध कराई जाए तथा मानगो नगर निगम बोर्ड की अगली बैठक तत्काल आहूत की जाए, ताकि जनहित और विकास से जुड़े लंबित मामलों पर नियमानुसार निर्णय लिए जा सकें।

लाइट हाउस का फ्लैट किराये में लगानेवाले 232 लाभुकों को निगम का नोटिस

रांची(बिभा)। रांची नगर निगम ने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत धुर्वा स्थित लाइट हाउस प्रोजेक्ट में आवंटित फ्लैटों को अवैध रूप से किराये पर देने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए मंगलवार को 232 लाभुकों को नोटिस जारी किया है। इसके साथ ही निगम ने लाभुकों को 24 घंटे के भीतर स्वयं फ्लैट में निवास करने का साक्ष्य प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। प्राथमिक जांच में पाया गया कि कई आवंटित लाभुक स्वयं फ्लैट में नहीं रह रहे हैं और उन्हें किराये पर देकर योजना के उद्देश्य को प्रभावित कर रहे हैं। नगर निगम के अनुसार यह प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का स्पष्ट उल्लंघन है, जिसके तहत आवंटित आवास को किराये पर देना पूरी तरह प्रतिबंधित है। निगम ने चेतावनी दी है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर संतोषजनक जवाब या आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत नहीं करने वाले लाभुकों के आवास का आवंटन निरस्त करने की कार्रवाई तत्काल शुरू की जाएगी।

बेड़ो व नरकोपी थाना में जन शिकायत समाधान शिविर आज

बिभा संवाददाता

बेड़ो: आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से 15 जुलाई 2026 (बुधवार) को बेड़ो एवं नरकोपी थाना परिसर में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

बेड़ो थाना परिसर में शिविर का आयोजन सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक होगा। इसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी कफिल अहमद करेंगे। वहीं, नरकोपी थाना परिसर में दोपहर 2:00 बजे से जन शिकायत समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू करेंगे।

शिविर में जमीन विवाद, पारिवारिक कलह, मारपीट, चोरी सहित पुलिस से संबंधित विभिन्न शिकायतों की सुनवाई की जाएगी। प्राप्त आवेदनों का मौके पर ही समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। जिन मामलों में जांच आवश्यक होगी, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र कुमार टुडू ने क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शिविर में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि पुलिस का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष समाधान करना है, ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से थाना और न्यायालय के चक्कर न लगाने पड़ें। दोनों पक्षों की उपस्थिति में आपसी सहमति एवं कानून के दायरे में रहकर विवादों का समाधान किया जाएगा।

इसी प्रकार बेड़ो थाना प्रभारी कफिल अहमद ने भी लोगों से अपील की है कि वे अपनी शिकायतों से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय पर शिविर में पहुंचें, ताकि उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान किया जा सके।

बाल्डविन फार्म एरिया हाई स्कूल में सीबीएसई बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर: बाल्डविन फार्म एरिया हाई स्कूल, कदमा में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 के एआईएसएसई कक्षा दस एवं एआई एस एस सीई कक्षा 12 के सफल विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों का उत्सव गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वागत गीत, गणमान्य अतिथियों के पुष्पगुच्छ द्वारा स्वागत, दीप प्रज्वलन तथा मनमोहक प्रार्थना नृत्य के साथ हुआ, जिसने पूरे वातावरण को प्रेरणादायी एवं उत्सवमय बना दिया।

समारोह की शोभा बाल्डविन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के निदेशक (प्रशासन) एवं बाल्डविन अकादमी सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, बाल्डविन अकादमी सोसायटी के सचिव प्रभास कुमार, निदेशक (अकादमिक) एवं राष्ट्रीय

पुरस्कार से सम्मानित डॉ. अशोक सिंह, गवर्निंग बॉडी के सदस्य सुनील पासचल, अजय कुमार, विद्यालय की प्राचार्या डॉ. शुभश्री सरकार तथा विद्यालय के प्रशासक सचिन कुमार की और अन्य लोग उपस्थित थे

समारोह में उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रमुख सम्मानित विद्यार्थियों में अफराह इमाम, जिन्होंने एआईएसएससीई 2026 में 96.6% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया; सौर्यश प्रमाणिक, जिन्होंने एआईएसएसई 2026 में 95.4% अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया; तथा श्रृष्टि प्रकाश, जिन्होंने जीवविज्ञान विषय में 100 में 100 अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि अर्जित की। इसके अतिरिक्त विद्यालय के टॉपर्स, स्ट्रीम टॉपर्स, विषयवार टॉपर्स तथा कक्षा 10 एवं 12 के कमेंडेबल परफॉर्मेंस अवार्ड प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया।इस अवसर पर डॉ. राजीव रंजन सिन्हा ने विद्यार्थियों को उनकी शानदार सफलता पर बधाई देते हुए शिक्षकों एवं अभिभावकों के अथक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विद्यार्थियों को ईमानदारी, अनुशासन एवं दृढ़ संकल्प के साथ निरंतर सफलता की ओर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया।

निदेशक (अकादमिक) डॉ. अशोक सिंह ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यालय के उत्कृष्ट बोर्ड परीक्षा परिणामों की प्रशंसा करते हुए विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, निरंतर प्रयास एवं आजीवन सीखने की भावना के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने का संदेश दिया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर परिवार कल्याण पखवाड़ा का शुभारंभ, उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मी हुए सम्मानित

बिभा संवाददाता

रांची : विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सोमवार को 'परिवार कल्याण पखवाड़ा' का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष निर्मला भगत, प्रखंड प्रमुख संगीता देवी, उप-प्रमुख रियाजुल अंसारी एवंप्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुजीत कुमार कश्यप द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।

आयोजित कार्यक्रम सह सम्मान समारोह में उपस्थित लोगों को परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण तथा सरकार द्वारा दी जा रही अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

समारोह के दौरान वर्ष 2025-2026 में परिवार नियोजन के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही अस्पताल के विभिन्न कक्षों एवं विभागों में अपनी बेहतर सेवाएं देने वाले कर्मियों को भी मुख्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सम्मानित होने वाले कर्मियों की सूची

लक्ष्मी देवी, प्रिया देवी, वीणा देवी, सरिता उराँव, कांति देवी, सीमा कच्छप और अनुराधा कुमारी, डॉ. पुरुषोत्तम कुमार (बाह्य रोगी विभाग), डॉ. प्रीति श्रीवास्तव (शल्य कार्य एवं बाह्य रोगी विभाग) तथा डॉ. प्रीति (बाल सुरक्षा कार्यक्रम)। प्रकाश गोप (लेखा कार्य), अमित कुमार व अविनाश कुमार सुवर्ण (मलेरिया प्रबंधन), सुसरेन मिंज व संधीर उराँव (डाटा संधारण) और अरुण कुमार (भंडार कक्ष)। सुनीता कुमारी (दवा वितरण), अल्पना (परिवार नियोजन व ओटी/प्रसव कक्ष), अनिल कुमार मंडल (प्रयोगशाला), राजीव रंजन (टी.बी. विभाग), मनीषा सोनाली एक्का (एन.सी.डी.), सुशीला कुमारी (शीत श्रृंखला कक्ष), अर्चना तिर्की (टीकाकरण कक्ष), अंजनी कुमारी मिंज (प्रसव कक्ष) और सरोज देवी (हाउसकीपिंग एवं सफाई)।

कार्यक्रम का समापन एक शोक सभा के साथ हुआ। कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी एवं डॉ. शशि दिनकर मिंज के असामयिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखा और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित अतिथियों के अलावा डॉ. निधि, यशवंत कुमार, प्रभात रंजन, अरविंद कुमार, अजीत, प्रवीण, बतिया देवी सहित बड़ी संख्या में सहिया एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

यूआरसी कंपनी के भारी वाहनों से उड़ने वाली धूल पर नियमित पानी का छिड़काव कराने की मांग

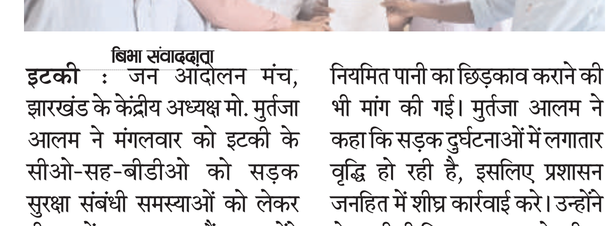

बिभा संवाददाता

इटकी : जन आंदोलन मंच, झारखंड के केंद्रीय अध्यक्ष मो. मुर्तजा आलम ने मंगलवार को इटकी के सीओ-सह-बीडीओ को सड़क सुरक्षा संबंधी समस्याओं को लेकर तीन पृष्ठों का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने इटकी मोड़ से ब्राम्बे होते हुए रानीखटंगा तक विद्यालयों एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्पीड ब्रेकर निर्माण, भारी वाहनों की गति 15 किमी प्रति घंटा निर्धारित करने तथा प्रमुख मार्गों पर स्ट्रीट लाइट लगाने की मांग की। ज्ञापन में यूआरसी कंपनी के भारी वाहनों से उड़ने वाली धूल पर नियमित पानी का छिड़काव कराने की भी मांग की गई। मुर्तजा आलम ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, इसलिए प्रशासन जनहित में शीघ्र कार्रवाई करे। उन्होंने चेतावनी दी कि एक सप्ताह के भीतर कार्रवाई नहीं होने पर जन आंदोलन मंच स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से चरणबद्ध आंदोलन करेगा। इस मौके पर मंजर अंसारी, अहमद अंसारी, पप्पू हाशमी, प्रभात, शाहिद आलम, मोहसिन, मुमताज, तौकीर आलम सहित कई कार्यकर्ता एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

पूर्व मंत्री मन्नान मलिक को कांग्रेस मुख्यालय में दी गई श्रद्धांजलि, नेताओं ने बताया जनसेवा को समर्पित

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मलिक के पार्थिव शरीर को मंगलवार को झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्यालय लाया गया, जहां ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय सहित कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पार्टी की ओर से उनके पार्थिव शरीर पर कांग्रेस का झंडा ओढ़ाकर सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी गई।

श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि मन्नान मलिक का निधन कांग्रेस परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि मलिक ने अपना पूरा सार्वजनिक जीवन जनसेवा, सामाजिक सद्भाव और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति समर्पित किया। वे सादगीपूर्ण, मिलनसार और संघर्षशील जननेता थे, जिन्होंने हमेशा समाज के कमजोर और वंचित वर्गों की आवाज बुलंद की। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि मन्नान मलिक के निधन से पार्टी ने एक अनुभवी, समर्पित और कर्मठ नेता को खो दिया है। उनका सार्वजनिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि मन्नान मलिक का जीवन सादगी, सेवा और जनहित के प्रति समर्पण का प्रतीक था। उनके निधन से झारखंड की राजनीति ने एक अनुभवी और लोकप्रिय जननेता को खो दिया है।

इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि देने वालों में रविंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रामा खलखो, महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, राजीव रंजन प्रसाद, सोनल शांति, उज्ज्वल तिवारी, अख्तर अली, मदन महतो, नीतू देवी सहित अनेक नेता और कार्यकर्ता शामिल रहे।

कांग्रेस मुख्यालय में श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद मन्नान मलिक के पार्थिव शरीर को विधानसभा ले जाया गया। इसके पश्चात कांके रोड स्थित उनके आवास 'शौरभ कुंज अपार्टमेंट' में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया, जहां पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, कांके विधायक सुरेश कुमार बैठा, सतीश पॉल मुंजनी, राजीव रंजन प्रसाद, अख्तर अली, राजेश सिन्हा सन्नी सहित अनेक नेताओं और कार्यकताओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को दीपिका पांडेय सिंह ने दी श्रद्धांजलि

रांची। मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने पूर्व मंत्री सह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक के निधन पर गहरा शोक व्यक्त हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मंगलवार को मंवह रांची स्थित पल्स हॉस्पिटल पहुंचीं, जहां उन्होंने दिवंगत नेता के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए और शोकाकुल परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि मन्नान मल्लिक केवल वरिष्ठ राजनेता नहीं, बल्कि कांग्रेस परिवार के अभिभावक, मार्गदर्शक और जनसेवा के प्रति समर्पित व्यक्तित्व थे। श्रमिकों, गरीबों और समाज के अंतिम व्यक्ति के अधिकारों के लिए उनका आजीवन संघर्ष तथा कार्यकताओं के प्रति आत्मीय व्यवहार सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। उन्होंने कहा कि मन्नान मल्लिक ने हमेशा सही दिशा दिखाई और उनका निधन पूरे झारखंड के साथ-साथ उनके परिवार के लिए भी अपूरणीय क्षति है। इसके बाद मंत्री झारखंड विधानसभा परिसर पहुंचीं और पूर्व मंत्री को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भी दीपिका पांडेय सिंह ने भाग लिया, जहां नेताओं और कार्यकताओं ने मन्नान मल्लिक के लंबे सार्वजनिक जीवन, संगठन के प्रति समर्पण और कांग्रेस को मजबूत बनाने में उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें अंतिम विदाई दी।

राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडल को लेकर स्पीकर ने की बैठक

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए), झारखण्ड शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक मंगलवार को अध्यक्ष, झारखंड विधानसभा सह सभापति, राष्ट्रमंडल संसदीय संघ, झारखंड शाखा रबीन्द्र नाथ महतो की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में हुई।

बैठक में झारखंड से आगामी 69 वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडल के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष (स्पीकर) ने बताया कि 13 सितम्बर से 19 सितम्बर 2026 तक राष्ट्रमंडल संसदीय संघ का 69 वां सम्मेलन दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन में आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन का आधिकारिक विषय स्ट्रेंथिंग इंटरनेशनल लॉ एंड पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी इन अ चेंजिंग ग्लोकबल ऑर्डर, दि कॉमनवेल्थीस लीडरशिप निर्धारित किया गया है। इस विषय के अंतर्गत संसदीय लोकतंत्र, विधि के शासन, संवैधानिक मूल्यों और वैश्विक सहयोग से जुड़े विभिन्न समसामयिक विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

कार्यकारिणी समिति की बैठक में सदस्य मथुरा प्रसाद महतो, दशरथ गागराई, प्रकाश राम, डॉ नीरा यादव और ममता देवी मौजूद थीं। इसके अतिरिक्त झारखंड विधानसभा सचिवालय के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार सहित अन्य पदाधिकारी भी बैठक में उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

महापौर नें स्वर्णरेखा घाट का निरीक्षण किया

रांची(बिभा) : महापौर रोशनी खलखो नें नामकुम स्थित स्वर्णरेखा घाट का निरीक्षण किया एवं साफ सफाई व अन्य व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित निगम के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिया। महापौर नें कहा कि नगर निगम द्वारा इस सावन शिवभक्तों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। नामकुम स्थित स्वर्णरेखा नदी से जल उठाकर पहाड़ी बाबा में जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ख्याल रखते हुए निगम के अधिकारियों को घाटों की सफाई,पर्याप्त रोशनी और चेंजिंग रूम एवं पूरे पद यात्रा मार्ग की सजावट की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने आम जनता से आग्रह भी किया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो और स्वच्छता बनी रहे इस दिशा में आम जनता भी अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर वार्ड पार्षद पवन तिर्की, अशोक गोप, धर्मेंद्र सिंह, धनंजय वर्मा, जुगनू साहू, गोपाल लोहिया, राकेश सिंह, शिव राम दास, नवीन सोनी, नगर निगम के पदाधिकारीगण सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

झारखंड आंदोलनकारी दामू बानरा का निधन, सुदेश ने जताया शोक

रांची(बिभा)। चाईबासा के वरिष्ठ झारखंड आंदोलनकारी दामू बानरा का निधन हो गया। उनके निधन पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यपक्ष सुदेश महतो ने शोक जताया है। सुदेश महतो ने मंगलवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि दामू बानरा ने कोल्हान क्षेत्र में झारखंड आंदोलन को उग्र तेवर दिया था। वे आजसू के महासचिव भी रहे। दामू बानरा ने अपने पूरे जीवन में झारखंड आंदोलन और आजसू की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया। विशेष रूप से कोल्हान क्षेत्र के युवाओं को बौद्धिक रूप से जागरूक, संगठित और प्रेरित करने में उनकी भूमिका सदैव स्मरणीय है। उन्होंने कहा कि बानरा एक दूरदर्शी चिंतक, कुशल मार्गदर्शक और समर्पित जननेता थे, जिन्होंने अपने विचारों और कर्मों से अनेक युवाओं को समाज और राज्य के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सुदेश ने कहा कि उनका निधन आजसू परिवार, झारखंड आंदोलन और पूरे कोल्हान क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। उनका संघर्ष, सिद्धांत और समाज के प्रति समर्पण को सदैव सम्मान और श्रद्धा के साथ याद किया जाएगा। पार्टी के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो, केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर और हसन अंसारी, मुख्य प्रवक्ता डॉ देवशरण भगत, महासचिव राजेंद्र मेहता, सहित पार्टी के अन्य नेताओं ने भी दामू बानरा के निधन पर शोक जताया है।

सीसीएल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का आयोजन 17 को

रांची(बिभा) : सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, राँची में शुक्रवार, दिनांक 17 जुलाई को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिपोंट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये। सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

मिस यूनिवर्सल इंडिया ने किया फ्यूजन फेयर का उद्घाटन

रांची(बिभा)। राजधानी रांची के कैपिटल हिल होटल में मंगलवार से दो दिवसीय लाइफस्टाइल एवं फैशन प्रदर्शनी फ्यूजन फेयर 2026 का शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन मिस यूनिवर्सल इंडिया 2025 सिमरन ने फीता काटकर किया। प्रिया बुधिया और शिल्पा जैन की ओर से आयोजित इस फ्यूजन फेयर का यह 18 वां संस्करण है, जिसमें देशभर से 35 से अधिक प्रदर्शक भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर सिमरन ने कहा कि फ्यूजन फेयर रचनात्मकता, उद्यमिता और महिला नेतृत्व वाले व्यवसायों को बढ़ावा देने का प्रभावी मंच है।

फुटपाथ दुकानदारों का नगर निगम कार्यालय पर प्रदर्शन, अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में सड़कों पर उतरे

बिभा संवाददाता

रांची। नगर निगम की विजिलेंस टीम की ओर से फुटपाथ दुकानदारों के खिलाफ चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में मंगलवार को बड़ी संख्या में दुकानदार सड़कों पर उतर आए। दुकानदारों ने नगर निगम कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया और अभियान पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। इस दौरान नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

प्रदर्शनकारी दुकानदारों का कहना था कि नगर निगम की लगातार कार्रवाई से हजारों परिवारों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। वे फुटपाथ पर दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं और बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी इसी आय से चलता है। ऐसे में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के दुकानें हटाना उनके साथ अन्याय है।

दुकानदारों ने आरोप लगाया कि नगर निगम बिना लिखित नोटिस दिए केवल मौखिक आदेश के आधार पर दुकानें हटवा रहा है, जबकि नियमों के अनुसार किसी भी कार्रवाई से पहले 30 दिन का नोटिस दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सभी प्रभावित दुकानदारों को नियमानुसार नोटिस जारी करने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाए।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि पिछले नौ वर्षों से फुटपाथ दुकानदारों का सर्वे नहीं कराया गया है, जबकि पिछले पांच वर्षों से टाउन वेंडिंग कमेटी (टीवीसी) का चुनाव भी लंबित है। उनका कहना है कि प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा छोटे दुकानदारों को भुगतना पड़ रहा है। दुकानदारों ने नगर निगम पर उच्च न्यायालय के निदेशों की भावना के विपरीत कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए अतिक्रमण हटाओ अभियान पर रोक लगाने, लंबित सर्वे शीघ्र पूरा कराने तथा टाउन वेंडिंग कमेटी का चुनाव कराने की मांग की।

इधर, फुटपाथ दुकानदारों के प्रदर्शन और जेपीएससी अभ्यर्थियों के धरने के कारण मंगलवार को रांची की यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित रही। कचहरी चौक सहित शहर के कई प्रमुख मार्गों पर घंटों तक लंबा जाम लगा रहा। कचहरी रोड, रेडियम रोड, जेल रोड, रातू रोड, अल्बर्ट एक्का चौक और लालपुर से कचहरी चौक तक वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं।

यातायात बाधित होने से कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं और आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्कूलों की छुट्टी के समय कई स्कूल बसें भी जाम में फंस गईं। स्थिति को सामान्य करने के लिए ट्रैफिक पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सुचारु हो सका।

सदर अस्पताल रांची ने रचा इतिहास, धनबाद के मरीज की हुई जटिल 'थोरैसिक डिकॉर्टिकेशन' सर्जरी

बिभा संवाददाता

रांची: राजधानी के सदर अस्पताल ने चिकित्सा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने धनबाद से आए एक मरीज की अत्यंत जटिल थोरैसिक डिकॉर्टिकेशन सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है।क्रॉनिक एम्पायमा से पीड़ित था मरीजमरीज लंबे समय से 'क्रॉनिक एम्पायमा' नामक गंभीर बीमारी से जूझ रहा था। उसके सीने में गाढ़ा मवाद और थक्के जम गए थे, जिससे उसे सांस लेने में भारी तकलीफ हो रही थी। मरीज की स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने डिकॉर्टिकेशन सर्जरी करने का फैसला लिया। ऑपरेशन टेबल पर ही मरीज की स्थिति में तेजी से सुधार देखा गया और यह जटिल ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। इस दौरान मरीज की डायग्नोस्टिक थोराकोस्कोपी और ब्रोंकोस्कोपी भी की गई।

मरीज को कार्डियक कोमोरबिडिटीज (दिल की बीमारियों) के कारण रांची के कुछ प्राइवेट अस्पतालों ने सर्जरी करने से मना कर दिया था। बड़े शहरों के प्राइवेट अस्पतालों में इस सर्जरी का खर्च लगभग 6-8 लाख रुपये आता है, लेकिन इस मरीज की यह सर्जरी पूरी तरह मुफ्त (फ्री) की गई। सदर अस्पताल के ओंकोसर्जन डॉ. अभिनव के नेतृत्व में किया गया। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी में डॉ. अखिलेश डॉ. सौविक (पल्मोनोलॉजिस्ट) डॉ. दीपक डॉ. आंचल डॉ. विकास (एनेस्थीसिया विशेषज्ञ)वरिष्ठ अधिकारियों का मिला मार्गदर्शन अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, इस ऐतिहासिक सर्जरी की सफलता सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. बिमलेश और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रभात के कुशल मार्गदर्शन और सहयोग के कारण ही संभव हो सकी है। इस कामयाबी से सदर अस्पताल ने राज्य में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के स्तर को एक नए शिखर पर पहुंचा दिया है।

झारखंड पुलिसकर्मियों के हित में बड़ी पहलः वेतन विसंगति, एमएसीपी, भत्ता संशोधन और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने पुलिसकर्मियों के लंबे समय से लंबित सेवा संबंधी मुद्दों के समाधान को लेकर राज्य सरकार के समक्ष जोरदार तरीके से अपनी मांगें रखी हैं। एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राजस्व पर्षद-सह-अध्यक्ष, भत्ता संशोधन समीक्षा उच्च स्तरीय समिति, वेतन विसंगति समिति तथा सेवा शर्तों में एकरूपता एवं एमएसीपी संबंधी मामलों के निराकरण समिति से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

एसोसिएशन ने ज्ञापन में कहा कि राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों, अधीनस्थ पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा चतुर्थवर्गीय कर्मियों को मिलने वाले विभिन्न भत्तों की वर्तमान व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर उसे समयानुकूल बनाया जाए। साथ ही झारखंड पुलिस के आरक्षी एवं हवलदार संवर्ग के कर्मियों को द्वितीय एमएसीपी के तहत ग्रेड पे 4200 का लाभ दिए जाने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

प्रतिनिधिमंडल ने समिति के समक्ष यह भी स्पष्ट किया कि इन मांगों का सीधा संबंध पुलिसकर्मियों के मनोबल, कार्यक्षमता और सेवा सुरक्षा से है। यदि इन पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाता है तो इससे राज्य के हजारों पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा तथा पुलिस बल की कार्यकुशलता भी मजबूत होगी।

इसके अतिरिक्त झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के दायरे का विस्तार करने की भी मांग की है। एसोसिएशन ने कार्यकारी निदेशक, झारखंड स्टेट आरोग्य सोसाइटी , नामकुम, रांची को पत्र लिखकर नेपाल से सटे दार्जिलिंग एवं सिलीगुड़ी क्षेत्र के अस्पतालों को भी राज्यकर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना के अंतर्गत सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया है, ताकि गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए पुलिसकर्मियों एवं उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन ने उम्मीद जताई है कि सरकार और संबंधित समितियां पुलिसकर्मियों की इन महत्वपूर्ण मांगों पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेंगी, जिससे पुलिस बल का मनोबल बढ़ेगा और राज्य की कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

डीसी-एसएसपी ने रथयात्रा की तैयारियों का लिया जायजा, सुरक्षा व श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर दिए निर्देश

बिभा संवाददाता

रांची। जगन्नाथपुर रथयात्रा एवं मेले के सफल आयोजन को लेकर मंगलवार को रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन ने अधिकारियों के साथ रथयात्रा मार्ग एवं मौसीबाड़ी परिसर का संयुक्त निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने रथयात्रा मार्ग को पूरी तरह समतल एवं साफ रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सड़क पर गड्ढे, कंकड़ या किसी प्रकार की बाधा नहीं रहनी चाहिए, ताकि रथयात्रा और श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम हो सके। साथ ही मार्ग से अतिक्रमण हटाने और आयोजन के दौरान पूरे रास्ते को अतिक्रमण मुक्त रखने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने बिजली विभाग को रथयात्रा मार्ग के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों को सुरक्षित करने या आवश्यकतानुसार हटाने का निर्देश दिया। वहीं, श्रद्धालुओं से मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने की अपील की। मौसीबाड़ी परिसर में टेंट, पेयजल, शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।

दूसरी ओर, एसएसपी राकेश रंजन ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए सभी वॉच टावरों को सक्रिय रखने और प्रत्येक वॉच टावर पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रथयात्रा मार्ग और मेला क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी तथा सड़क के डिवाइडर पर किसी भी प्रकार की दुकान लगाने की अनुमति नहीं होगी।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक (नगर) पारस राणा, सदर एसडीओ कुमार रजत, एडीएम (विधि-व्यवस्था) धनंजय, डीएसपी हटिया नीरज कुमार, संबंधित थाना प्रभारी और मंदिर समिति के पदाधिकारी भी मौजूद थे। प्रशासन ने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ रथयात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने का निर्देश दिया।

रांची नगर निगम में 'नमस्ते दिवस' का आयोजनः सफाई मित्रों को मिली पीपीई किट, स्वास्थ्य जांच शिविर से मिली राहत

बिभा संवाददाता

रांचीः सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय (भारत सरकार) की नमस्ते योजना के तहत आज रांची नगर निगम के कॉन्फ्रेंस हॉल में 'नमस्ते दिवस' का गरिमापूर्ण आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सफाई कर्मियों की सुरक्षा, सम्मान, स्वास्थ्य और उनकी आजीविका को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से उपस्थित अपर प्रशासक संजय कुमार द्वारा सफाई मित्रों के बीच व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण किट का वितरण किया गया।

सफाई मित्रों को दिए गए इस विशेष किट में सेफ्टी शूज, हेलमेट, रेनकोट, सेफ्टी ग्लव्स, सेफ्टी जैकेट, बैग, एप्रन तथा एन95 मास्क शामिल थे।

अपर प्रशासक ने सफाई मित्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि इन सुरक्षा उपकरणों का नियमित उपयोग उन्हें कार्यस्थल पर होने वाले संभावित जोखिमों और बीमारियों से बचाएगा। उन्होंने सफाई कर्मियों की सुरक्षा को निगम की प्राथमिकता बताया।

सफाई मित्रों के बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए कार्यक्रम स्थल पर एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया गया। शिविर में आए चिकित्सकों ने सफाई कर्मियों का सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श के साथ-साथ दवाइयां भी सुझाईं।

नमस्ते योजना का मूल उद्देश्य हमारे सफाई कर्मियों को सुरक्षित कार्य वातावरण, गरिमापूर्ण जीवन और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना है। शहर को स्वच्छ और स्वस्थ रखने में इनका योगदान अमूल्य है, और रांची नगर निगम इनके सम्मान और कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कार्यक्रम का समापन सफाई मित्रों की सुरक्षा, गरिमा और सम्मान को और मजबूत करने तथा नमस्ते योजना को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करने के संकल्प के साथ हुआ।

इस विशेष मौके पर सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ. किरण कुमारी सहित स्वास्थ्य शाखा एवं स्वच्छता शाखा के कई अधिकारी और कर्मी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

रिम्स में योग लैब का शुभारंभ, थायरॉइड विकारों पर योग के प्रभाव पर शोध

बिभा संवाददाता

रांची। राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) रांची के न्यू अकादमिक ब्लॉक के पांचवें तल्ले पर स्थित योग लैब का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। डॉ पियूष ने प्रतिभागियों को योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया।

साथ ही दैनिक जीवन में स्वास्थ्य संवर्धन करने के लिए योग को प्रयोग में लाने के महत्वपूर्ण टिप्स दिए। मौके पर योग और प्राणायाम का थायरॉइड विकारों पर प्रभाव विषय पर एक बहुकेंद्रीय शोध अध्ययन का शुभारंभ किया गया। डॉ पियूष ने बताया कि यह अध्ययन रिम्स के साथ-साथ झारखंड के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी संचालित किया जा रहा है। अध्ययन के अंतर्गत प्रतिभागी अगले दो माह तक नियमित रूप से योग और प्राणायाम का अभ्यास करेंगे, इसके पश्चात थायरॉइड ग्रंथि और इससे संबंधित स्वास्थ्य मानकों पर पड़ने वाले प्रभावों का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया जाएगा।

इस अवसर पर रिम्स के निदेशक डीके सिन्हा ने कहा कि योग केवल एक जीवनशैली नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित स्वास्थ्य संवर्धन का प्रभावी माध्यम है। फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो डॉ मैरी पुष्पा बाड़ा ने कहा कि इस प्रकार के शोध से थायरॉइड विकारों के प्रबंधन में योग की भूमिका के संबंध में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक साक्ष्य प्राप्त होंगे, जो भविष्य में रोगियों के समग्र उपचार में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।

इस अवसर पर रिम्स के निदेशक प्रोफेसर डॉ डीके सिन्हा, डीन प्रो डॉ राजीव मिश्रा, फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रो डॉ मैरी पुष्पा बाड़ा, बायोकेमिस्ट्री विभागाध्यक्ष प्रो डॉ संतोष कुमार, प्रो इंचार्ज स्टूडेंट सेक्शन प्रो डॉ बेला रोज एक्का, सब डीन प्रो डॉ लखन माझी सहित अन्य मौजूद थे।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में चिन्मय मिशन की ऐतिहासिक उपलब्धि

एक साथ ऑनलाइन मंत्रोच्चार करने वाले सर्वाधिक लोगों का विश्व रिकॉर्ड दर्ज

बिभा संवाददाता

बोकारो। चिन्मय मिशन ने एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम करते हुए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त किया है। मिशन ने एक ही समय पर सबसे अधिक लोगों द्वारा ऑनलाइन मंत्रोच्चार का विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, जिसमें चिन्मय विद्यालय, बोकारो का उल्लेखनीय योगदान रहा।

गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा जारी आधिकारिक पुष्टि के अनुसार, 9 मई 2026 को आयोजित इस आध्यात्मिक आयोजन में एक साथ ऑनलाइन मंत्रोच्चार करने वाले लोगों की सबसे अधिक संख्या दर्ज की गई, जिससे चिन्मय मिशन ने नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया।

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप-प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार तथा उप-प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा ने विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उल्लेखनीय है कि परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में चिन्मय मिशन द्वारा विश्वव्यापी ह्यचिन्मय गीता समर्पणम्ह्ल का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर विश्व भर से चिन्मय परिवार के सदस्य ऑनलाइन माध्यम से जुड़े और श्रीमद्भगवद्गीता के 15वें अध्याय ह्यपुरुषोत्तम योगह्ल का सामूहिक पाठ किया। इसी आध्यात्मिक अभियान को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक रूप से विश्व रिकॉर्ड के रूप में मान्यता प्रदान की। इस ऐतिहासिक प्रयास में चिन्मय विद्यालय, बोकारो के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस उपलब्धि के बाद चिन्मय विद्यालय, बोकारो में हर्ष और गर्व का वातावरण है। इस अवसर पर स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती ने कहा कि यह उपलब्धि भगवान श्रीकृष्ण की असीम कृपा, पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के दिव्य आशीर्वाद तथा विश्वभर में कार्यरत चिन्मय मिशन के सभी स्वामियों, ब्रह्मचारियों एवं साधकों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने इस आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले चिन्मय विद्यालय, बोकारो एवं चिन्मय मिशन बोकारो के सभी सदस्यों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

गौरतलब है कि चिन्मय मिशन अपने 75वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में ह्यचिन्मय अमृत महोत्सवह्ल मना रहा है। इसी श्रृंखला में मई माह में चिन्मय विद्यालय, बोकारो में भव्य हनुमान चालीसा यज्ञ का आयोजन किया गया था, जिसमें 500 से अधिक श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से यज्ञ में सहभागिता की तथा 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके अतिरिक्त, हाल ही में चिन्मय अमृत यात्रा के बोकारो आगमन पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसके माध्यम से पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के आदर्शों एवं भारतीय आध्यात्मिक संस्कृति के संदेश का व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया।

कसमार में दिल दहला देने वाली घटना, सात वर्षीय मासूम के साथ अप्राकृतिक यौनाचार, मामला दर्ज

बिभा संवाददाता

बोकारो : कसमार थाना क्षेत्र से महज एक किलोमीटर की दूरी पर मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक गाँव में सात वर्षीय मासूम बालक के साथ दो लड़कों द्वारा अप्राकृतिक यौनाचार (कुकर्म) किए जाने की लिखित शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है।

पीड़ित बच्चे की माँ द्वारा पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले उसका बेटा गाँव में आम चुनने गया था। इसी दौरान गाँव के ही दो लड़कों ने उसे पकड़ लिया और एक सुनसान जगह पर ले जाकर रस्सी से बाँध दिया। इसके बाद आरोपियों ने मासूम के साथ क्रूरतापूर्वक अप्राकृतिक यौनाचार किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

स्कूल जाने से मना करने पर खुला मामला

घटना के बाद से मासूम बुरी तरह डरा हुआ था और उसके गुप्तांग में तेज दर्द था, जिसके कारण उसने लोक-लाज और खौफ से घर में कुछ नहीं बताया। जब उसने स्थानीय मकतब (स्कूल) जाने से साफ मना कर दिया, तो माँ ने कड़ाई से पूछताछ की। तब सहमे हुए बच्चे ने रोते हुए अपनी माँ को पूरी आपबीती सुनाई।

शिक्षकों पर भी लापरवाही का आरोप

पीड़िता की माँ का आरोप है कि घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने मकतब (स्कूल) के शिक्षकों से भी इसकी शिकायत की थी, लेकिन स्कूल प्रबंधन या शिक्षकों की ओर से इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया और न ही कोई कार्रवाई की गई।

अंततः न्याय की गुहार लगाते हुए माँ ने कसमार थाने में दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ लिखित आवेदन देकर सख्त कार्रवाई की माँग की है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए पोक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जाँच में जुट गई है।

संक्षिप्त खबरें

रोटरी क्लब चास को किया गया सम्मानित

बोकारो(बिभा)। रोटरी फाउंडेशन में उदार अनुदान देने पर धनबाद में आयोजित एक समारोह में रोटरी इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष एम. मुरूगनदंम द्वारा रोटरी क्लब चास को सम्मानित किया गया ।रोटरी फाउंडेशन के मानवीय एवं सेवा कार्यों को सशक्त बनाने हेतु उल्लेखनीय आर्थिक सहयोग प्रदान करने पर रोटरी क्लब चास को रोटरी इंटरनेशनल के उपाध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कहा गया कि रोटरी फाउंडेशन को प्राप्त प्रत्येक योगदान विश्वभर में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, रोग निवारण तथा शांति स्थापना जैसे सेवा कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रोटरी क्लब चास जैसे सहयोगी क्लब ,समाज सेवा की भावना को नई दिशा प्रदान करते हैं और अन्य लोगों को भी मानवता की सेवा के लिए प्रेरित करते हैं ।सम्मान ग्रहण करते हुए अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि रोटरी फाउंडेशन में योगदान देना समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का एक सार्थक माध्यम है। उन्होंने सभी रोटेरियनों से अपनी क्षमता के अनुसार रोटरी फाउंडेशन में योगदान देने का आह्वान किया, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सेवा कार्यों का लाभ पहुँचाया जा सके। इस मौके पर सहायक जिला पाल पूजा बैद और संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद भी उपस्थित थे ।रोटरी क्लब चास के सदस्यों ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे पूरे क्लब के लिए गौरव का क्षण बताया ।

राज्य फुटबॉल खिलाड़ी राहुल राज का सड़क दुर्घटना में निधन

बोकारो(बिभा)। बोकारो जिला फुटबॉल एसोसिएशन का राज्य फुटबॉल खिलाड़ी राहुल राज का नई दिल्ली में देहरादून जाने के क्रम में रविवार को रात 8 बजे सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। वह लगातार पांच बार बोकारो जिला की फुटबॉल टीम से अंतर जिला फुटबॉल प्रतियागिता में हिस्सा लेकर बोकारो जिला की फुटबॉल टीम को उपविजेता बनाने के साथ तीन बार सेमीफाईनल तक पहुचाने में सफल रहा। वह बोकारो जिला फुटबॉल एसोसिएशन से संबद्ध व्वायज फुटबॉल क्लब की ओर से लेफ्ट बैक पोजिशन से खेलता था। वह सदा हंसमुख खिलाड़ी कभी भी अपनी टीम को जीत दिलाने में पीछे नहीं रहता था। वह काफी मिलनसार फुटबॉल खिलाड़ी था व बोकारो जिला टीम को जीत दिलाने में हमेशा अग्रसर रहता था। उसके पिता कमलेश कुमार भी बोकारो जिला के राष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी रह चुके हैं। राहुल राज के निधन पर जिला फुटबॉल संघ के पदाधिकारी समेत अन्य सीनियर फुटबॉल खिलाड़ी स्तब्ध हैं। उसके शव के पहुंचते ही उसके परिवार के सदस्य में मां समेत उसकी बहन का रो रोकर बुरा हाल था। राहुल राज का शव बोकारो पहुंचने पर उसके आदर्श कोओपरेटिव स्थित आवास में उसे देखने को लेकर काफी संख्या में फुटबॉल खिलाड़ी व अन्य सदस्य पहुंचकर उसे अंतिम विदाई दी। उसके शव को चास स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। श्मशान घाट पर जिला फुटबॉल संघ के पदाधिकारी सचिव महेंद्र प्रसाद समेत अन्य पूर्व अंतराष्ट्रीय फुटबॉल खिलाड़ी संजय पारते, अजय सिंह, सुशील कुमार, शिवानंद गंझू,धनंजय कुमार, आर बी ओझा,अमजद अंसारी, अरमान शाह,कबड्डी संघ के बिपीन कुमार सिंह, संतोष कुमार व अन्य फुटबॉल खिलाड़ी शामिल रहे।

जीजीपीएस बोकारो में इंटरैक्ट क्लब का पदग्रहण एवं सदस्यता ग्रहण समारोह सम्पन्न

बोकारो(बिभा)। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), सेक्टर-5/बी, बोकारो में रोटरी क्लब ऑफ चास के तत्वावधान में इंटरैक्ट क्लब के पदग्रहण एवं सदस्यता ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, सेवा-भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानवीय मूल्यों का विकास करना था। समारोह में इंटरैक्ट क्लब के नवपदाधिकारियों एवं सदस्यों को औपचारिक रूप से दायित्व सौंपे गए। कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों के स्वागत एवं अभिनंदन से हुआ। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, सहायक प्रांतपाल (जोन-7) पूजा वैद, पूर्व अध्यक्ष एवं सामुदायिक सेवा समिति (सी.ओ.पी.एस.) की निदेशक उषा कुमार, पूर्व अध्यक्ष एवं सामुदायिक सेवा समिति (सी.ओ.पी.एस.) के निदेशक कुमार अमरदीप तथा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष (जोन-7) श्वेता रस्तोगी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के प्राचार्य अभिषेक कुमार ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि ऐसे संवेदनशील, उत्तरदायी एवं चरित्रवान नागरिकों का निर्माण करना है, जो समाज के प्रति अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। इंटरैक्ट क्लब विद्यार्थियों में नेतृत्व, अनुशासन, सहयोग, करुणा और सेवा-भाव का विकास करने का प्रभावी मंच है। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी 'स्वयं से ऊपर सेवा' के आदर्श को जीवन में आत्मसात कर समाज में सकारात्मक परिवर्तन के प्रेरक बनेंगे। इसके उपरांत श्रीमती श्वेता रस्तोगी ने इंटरैक्ट क्लब के उद्देश्य, कार्यप्रणाली एवं विभिन्न सामाजिक गतिविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराया तथा उन्हें सेवा एवं नेतृत्व के पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

रिटायर्ड जीएसटी अधिकारी के घर सीबीआई की छापेमारी, 5.49 लाख नकद, 27 लाख के आभूषण बरामद

बिभा संवाददाता

बोकारो। चीरा चास थाना क्षेत्र स्थित कैलाश हाउसिंग कॉलोनी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की टीम ने मंगलवार सुबह एक रिटायर्ड जीएसटी अधिकारी के आवास पर छापेमारी की। यह कार्रवाई आवास संख्या-53 में रहने वाले शक्ति सिंह के घर पर की जा रही है। शक्ति सिंह बिहार में जीएसटी विभाग में पदस्थापित थे और लगभग दो वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त हुए हैं।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, धनबाद और पटना से आई सात सदस्यीय सीबीआई टीम सुबह लगभग 7 बजे कार्रवाई के लिए पहुंची। प्रारंभ में टीम को घर के भीतर प्रवेश करने में कुछ कठिनाई हुई। पड़ोसी नंदन मिश्रा ने बताया कि अधिकारियों को पहले अंदर नहीं जाने दिया गया। इसके बाद सीबीआई अधिकारियों ने अपना पहचान पत्र और न्यायालय से जारी अधिकृत दस्तावेज दिखाए, जिसके बाद उन्हें घर में प्रवेश मिला। सूत्रों के मुताबिक, टीम घर के प्रत्येक कमरे की गहन तलाशी ले रही है। नकदी, आभूषण और अन्य संपत्तियों का आकलन किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, अब तक लगभग 5.49 रुपए लाख नकद और करीब 27 लाख रुपए मूल्य के आभूषण बरामद हुए हैं। इन आभूषणों में मांग टीका, अंगूठियां, कान की बालियां, लॉकेट और मोतियों की माला सहित अन्य कीमती सामान शामिल बताए जा रहे हैं।

हालांकि, सीबीआई के किसी भी अधिकारी ने आधिकारिक तौर पर छापेमारी के उद्देश्य या बरामदगी की पुष्टि नहीं की है। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने मीडिया से दूरी बनाए रखी और कोई बयान देने से इनकार किया।

इलाके में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुटी रही और पूरे दिन कार्रवाई को लेकर विभिन्न चर्चाएं होती रहीं। सीबीआई की ओर से आधिकारिक जानकारी मिलने के बाद ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मोटा अनाज उपजाएं किसान: बिनोद

बिभा संवाददाता

बोकारो। जरीडीह प्रखंड तांतरी पंचायत भवन में मंगलवार को मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। काफी संख्या में आए किसानों को संबोधित करते ब्लॉक के बीटीएम बिनोद कुमार जायसवाल ने कहा कि किसान सबसे पहले मिट्टी की जांच खुद करें कि किस मिट्टी में कौन सी फसल तैयार हो सकती है। जैविक खाद से खेती कैसे होगी। पानी की व्यवस्था कितनी है , यह सब पहले तय करें। फसल का देर से आना भी एक कारण होता है। खेती करने में दिक्कत हो तो ब्लॉक से संपर्क करें तो जानकार आपके घर आकर जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि किसान मोटा अनाज उपजाने पर ज्यादा जोर दें। मौके पर पंसस माधुरी मिश्रा व सत्यनारायण सिंह , दीपक मिश्रा, लाला महली, बिराज मिश्रा, सरजू ठाकुर , दयानंद मिश्रा, टेकलाल सिंह , बासदेव केवट , डी शिवपूजन मिश्रा समेत दर्जनों किसान मौजूद रहे।

बाट बिनोर में मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर विशेष शिविर आयोजित, बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण

बिभा संवाददाता

बोकारो : प्रखंड के बाट बिनोर पंचायत स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय, बाट बिनोर परिसर में मंगलवार को मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान बूथ संख्या 111, 112 एवं 113 पर मतदाता सूची के सत्यापन, मैपिंग एवं पुनरीक्षण कार्य को गति देने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण मतदाता पहुंचे।

शिविर में मतदाताओं ने अपने नामों का सत्यापन कराया तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ पुनरीक्षण प्रक्रिया में भाग लिया। अधिकारियों एवं बीएलओ द्वारा मतदाताओं को अभियान की जानकारी देते हुए सभी पात्र नागरिकों से समय पर सत्यापन कराने की अपील की गई।

समाजसेवी परमेश्वर दास वैष्णव ने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में एसआईआर अभियान में भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र मतदाता इस प्रक्रिया से वंचित न रहे । उन्होंने युवाओं से भी सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील करते हुए कहा कि समय पर मैपिंग एवं सत्यापन नहीं होने पर लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक विनोद कुमार दास, पंचायत सचिव मेराज अंसारी, प्रमिला महतो, छाया कुमारी, गंगाधर प्रमाणिक, नित्यानंद दुबे, रंजन महतो, भोला साव, परमेश्वर बाबाजी सहित सुपरवाइजर, शिक्षकगण, बीएलओ, बीएलए-2 एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इस्कॉन की श्री श्री जगन्नाथ रथ यात्रा 16 से शुरू

बोकारो। इस्कॉन द्वारा आयोजित श्री श्री जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर मंगलवार को टाउन हॉल में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता में बताया गया कि 16 जुलाई, गुरुवार को रथ यात्रा हवाई अड्डा से प्रारंभ होकर धर्मशाला मोड़ होते हुए नीलम अस्पताल के निकट स्थित मगध हॉल (मौसीबाड़ी गुंडिचा मंदिर) तक जाएगी। वहां प्रमुख बिहारी देवता श्री श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी नौ दिनों तक भक्तों को दर्शन और महाप्रसाद से लाभान्वित करेंगे। कार्यक्रम आयोजकों ने बताया कि मगध हॉल परिसर में प्रतिदिन संध्या समय हरिनाम संकीर्तन, महाआरती, भक्तिमय नृत्य, सांस्कृतिक नाटिका तथा महाप्रसाद (भंडारा) का भव्य आयोजन होगा। आयोजक पंक्ति में जगन्नाथ दास, गोपेश दास, परशुराम कुमार, प्रवीण दुबे, रानी झा, अजय मोदी एवं नीरज सिंह सहित अनेक समर्पित भक्तों का योगदान उल्लेखनीय बताया गया। इस्कॉन द्वारा साझा की गई जानकारी में कहा गया कि श्री श्री जगन्नाथ रथ यात्रा एक दिव्य एवं विशेष अवसर है। धार्मिक परंपरा के अनुरूप भगवान श्री कृष्ण के प्रकट स्वरूप को जगन्नाथदेव के रूप में पूजा जाता है और यह महोत्सव भक्तों के लिए अत्यंत पुण्य और मंगलकारी माना जाता है।

कोनार डैम जलाशय से निकली 42 और 26 किलो की विशाल ब्रिकेट मछलियां

बिभा संवाददाता

बोकारो। गोमिया प्रखंड के जरकुंडा स्थित कोनार डैम जलाशय से मंगलवार को मछुआरों के जाल में दो विशाल ब्रिकेट मछलियां फंसने से क्षेत्र में उत्साह का माहौल बन गया। इनमें एक मछली का वजन 42 किलोग्राम तथा दूसरी का 26 किलोग्राम बताया गया। दोनों मछलियों का आकार इतना बड़ा था कि उन्हें जलाशय से बाहर निकालने और उठाने के लिए कई लोगों की मदद लेनी पड़ी ।यह बड़ी सफलता जरकुंडा मत्स्यजीवी समिति के अध्यक्ष धीरज लहेरी एवं समिति के सदस्य अशोक महतो, महावीर महतो, जमुना महतो, तापेश्वर महतो और देवेंद्र महतो सहित अन्य मछुआरों को मिली। जैसे ही विशाल मछलियों के पकड़े जाने की खबर आसपास के गांवों में फैली, उन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और राहगीर जलाशय के किनारे पहुंचने लगे। लोगों ने मछलियों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं और इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

जरकुंडा मत्स्यजीवी समिति के अध्यक्ष धीरज लहेरी ने बताया कि कोनार डैम जलाशय में कई प्रजातियों की बड़ी-बड़ी मछलियां मौजूद हैं। हालांकि इतनी विशाल मछलियां बहुत कम ही जाल में फंसती हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह की बड़ी मछलियां मिलने से मछुआरों को अच्छी आमदनी होती है और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलती है।

समिति के सदस्यों ने बताया कि कोनार जलाशय वर्षों से क्षेत्र के मछुआरों की आजीविका का प्रमुख केंद्र रहा है। यहां बड़ी संख्या में मछुआरे केज कल्चर (पिंजरा विधि) के माध्यम से मत्स्य पालन करते हैं। नियमित रूप से मछली उत्पादन होने से न केवल स्थानीय बाजारों में ताजी मछलियों की आपूर्ति होती है, बल्कि कई परिवारों की रोजी-रोटी भी इसी व्यवसाय पर निर्भर है ।मछुआरों का कहना है कि यदि मत्स्य पालन को आधुनिक तकनीक, बेहतर सुविधाएं और सरकारी सहयोग मिलता रहे तो कोनार डैम जलाशय क्षेत्र में मत्स्य उत्पादन और रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। मंगलवार को पकड़ी गई 42 और 26 किलो की ब्रिकेट मछलियां इस बात का प्रमाण हैं कि कोनार जलाशय आज भी मत्स्य संपदा से समृद्ध है ।इस अनोखी उपलब्धि से मछुआरों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों ने भी इसे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताते हुए मछुआरों को बधाई दी।

रंगमंच से जन-जागरण तक: डीएवी सेक्टर-4 में नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, सेक्टरझ्4, बोकारो स्टील सिटी में विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, रचनात्मक अभिव्यक्ति एवं रंगमंचीय प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कक्षा 6 से 12 के विद्यार्थियों के लिए नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के चारों सदनों—दयानंद हाउस, विरजानंद हाउस, विवेकानंद हाउस एवं श्रद्धानंद हाउस—ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए समसामयिक सामाजिक विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। सभी प्रस्तुतियों ने दर्शकों एवं निर्णायक मंडल को गहराई से प्रभावित किया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रख्यात रंगकर्मी, स्क्रिप्ट राइटर, राष्ट्रीय स्तर पर तीन बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री तथा चार बार सर्वश्रेष्ठ लेखिका सम्मान से अलंकृत अर्पिता सिन्हा रहीं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं निर्णायक प्रख्यात रंगकर्मी, अभिनेता, शिक्षाविद् एवं समाजसेवी मोहम्मद महबूब आलम रहे। लगभग 30 वर्षों से रंगमंच के क्षेत्र में सक्रिय श्री आलम ने अनेक नाटकों, लघु फिल्मों एवं फीचर फिल्मों में अभिनय किया है। अपने संबोधन में अर्पिता सिन्हा ने कहा कि नुक्कड़ नाटक केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता, संवेदनशीलता और सकारात्मक परिवर्तन लाने का एक सशक्त मंच है।ऱ मोहम्मद महबूब आलम ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रंगमंच व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, संवाद-कौशल एवं सामाजिक चेतना का प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों के अभिनय, संवाद-अदायगी, विषय-वस्तु तथा टीम वर्क की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की

विद्यालय के प्राचार्य एस. के. मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल शैक्षणिक रूप से उत्कृष्ट बनाना ही नहीं, बल्कि उन्हें सामाजिक रूप से जागरूक एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं तथा उनमें नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का विकास करती हैं। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, निर्णायक मंडल, प्रतिभागियों, शिक्षकों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए सभी को बधाई दी।

विश्व युवा कौशल दिवस: ईएसएल स्टील युवाओं को दे रहा है कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई पहचान

बिभा संवाददाता

बोकारो: विश्व युवा कौशल दिवस (थीमः साझा भविष्य के लिए कौशल) के अवसर पर वेदांता आयरन एंड स्टील लिमिटेड की सहायक कंपनी ईएसएल स्टील लिमिटेड ने कौशल विकास, डिजिटल शिक्षा, उद्यमिता और खेलों के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी का कहना है कि इन पहलों ने अब तक 1 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में भूमिका निभाई है।

कंपनी ने बताया कि भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लक्ष्य के मद्देनजर कुशल युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है, इसलिए ईएसएल स्टील तकनीकी, व्यावसायिक और डिजिटल कौशल प्रदान कर नौकरियों के बेहतर अवसर सुनिश्चित कर रहा है। बोकारो में स्थापित वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल इसका मुख्य केंद्र है, जहां सोलर पीवी इंस्टॉलेशन और होम अप्लायंस रिपेयर जैसी मांग-आधारित ट्रेनिंग दी जा रही है। 2022 में शुरू हुई इस पहल से अब तक 700 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण मिल चुका है और इनमें से 400 से अधिक प्रशिक्षित युवा संगठित क्षेत्र में रोजगार पा चुके हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल शिक्षा बढ़ाने के लिए कंपनी ने प्रोजेक्ट अअर के तहत डिजिटल लर्निंग कैफे भी स्थापित किए हैं। इन केंद्रों के जरिये झारखंड के ग्रामीण छात्रों और युवाओं को तकनीक-आधारित शिक्षा प्रदान कर उनकी डिजिटल साक्षरता और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार दर्ज किया गया है।

ईएसएल स्टील के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक रवीश शर्मा ने कहा, ह्लईएसएल स्टील का मानना है कि लोगों के विकास में किया गया निवेश सबसे महत्वपूर्ण निवेश होता है। वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल, डिजिटल लर्निंग सेंटर और खेल विकास जैसी पहलों के माध्यम से हम युवाओं को आवश्यक कौशल, आत्मविश्वास और अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के जरिए युवाओं को सशक्त बनाना तथा समुदायों के समावेशी और सतत विकास में योगदान देना हमारी प्राथमिकता है।

खेलों के क्षेत्र में कंपनी की पहलें भी प्रमुख रही हैं। वेदांता ईएसएल तीरंदाजी अकादमी के माध्यम से अब तक 50 से अधिक युवा तीरंदाजों को प्रशिक्षण मिला है, जिनके खिलाड़ियों ने जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर मिलाकर 200 से अधिक पदक जीते हैं। ग्रामीण खेल कार्यक्रमों से आसपास के गांवों के 400 से अधिक युवाओं को लाभ पहुंचा है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में एसएफसीएसी की बैठक संपन्न, 47 नए बच्चों को मिलेगी 4000 मासिक सहायता

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में स्पॉन्सरशिप एंड फोस्टर केयर अप्रूवल कमेटी(एसएफसीएसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाल संरक्षण से संबंधित विभिन्न मामलों की समीक्षा करते हुए पात्र बच्चों को प्रायोजन एवं फोस्टर केयर योजना का लाभ उपलब्ध कराने पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी द्वारा समिति के सदस्यों को जानकारी दी गई कि मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत एकल माता के बच्चों, अनाथ बच्चों, गंभीर बीमारी से ग्रसित बच्चों सहित अन्य जरूरतमंद श्रेणी के बच्चों को 4000 प्रतिमाह की दर से आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता अधिकतम 3 वर्षों तक अथवा बच्चों के 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक दी जाती है।उन्होंने बताया कि वर्तमान में लातेहार जिला अंतर्गत कुल 332 बच्चे इस योजना से लाभान्वित हो रहे हैं। वहीं आज की बैठक में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा उपरांत समिति द्वारा कुल 47 नए आवेदनों का अनुमोदन / स्वीकृति प्रदान की गई।उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन बच्चों के कल्याण, संरक्षण एवं समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मिशन वात्सल्य के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर उनके भविष्य को सुरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि योजना का लाभ पात्र बच्चों तक समय पर सुनिश्चित किया जाए।बैठक में सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग श्रीमती मेरी मड़की, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी रीना कुमारी , बाल कल्याण समिति के प्रतिनिधि तथा समिति के अन्य संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

रोल प्रेक्षक और जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने मनिका प्रखंड के मतदान केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार; भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत रोल प्रेक्षक-सह-आयुक्त, पलामू प्रमंडल कुमुद सहाय एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त संदीप कुमार ने मनिका प्रखंड के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित मतदान केंद्रों पर बीएलओ की अध्यक्षता में आयोजित बीएलए-2 एवं चुनाव पाठशाला के सदस्यों की बैठक में भाग लिया तथा पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। इस अवसर पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन, पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, त्रुटियों के सुधार तथा शत-प्रतिशत सत्यापन सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

रोल प्रेक्षक-सह-आयुक्त ने बीएलओ, बीएलए-2 तथा चुनाव पाठशाला के सदस्यों को निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा किसी भी योग्य मतदाता का नाम छूटने न पाए, इसके लिए घर-घर सत्यापन एवं जागरूकता गतिविधियों को गंभीरता से संचालित किया जाए।उपायुक्त ने उपस्थित सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को पुनरीक्षण कार्य में पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं समयबद्धता बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ एवं सहभागी बनाने में सभी की सक्रिय भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, प्रखंड विकास पदाधिकारी मनिका उपस्थित थे।

जन समस्याओं को उपायुक्त ने गंभीरता से लिया, संबंधित अधिकारियों को दिए गए निर्देश

बिभा संवाददाता

रामगढ़: मंगलवार को समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में उपायुक्त, रामगढ़ ऋतुराज की अध्यक्षता में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से 18 लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे नागरिकों से संवेदनशीलता के साथ बारी-बारी मुलाकात की तथा उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता से सुना। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को पड़ कर त्वरित कार्रवाई के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए।

जनता दरबार में आवेदकों ने अपनी विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों को लेकर उपस्थित हुए।

उपायुक्त ने सभी आवेदनों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा मामलों के निष्पादन हेतु समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

जनता दरबार में मुख्य रूप से सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन योजनाओं से संबंधित समस्याएं, अबुआ आवास योजना एवं अबुआ आवास योजना से जुड़ी शिकायतें, भूमि विवाद, दाखिल-खारिज एवं दखल दिहानी के मामले, राशन कार्ड में नाम जोड़ने, सड़क निर्माण सहित अन्य जन समस्याएं सामने आईं। प्रप्त आवेदनों पर कार्रवाई करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच कर निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान हेतु अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

संक्षिप्त खबरें

लिटिल एंजेल्स में 'मैंगो डे' का उत्साह, नन्हे बच्चों ने खेल-खेल में मनाया फलों के राजा का उत्सव

हजारीबाग(बिभा) : लिटिल एंजेल्स स्कूल में नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए मैंगो डे का रंगारंग आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को फलों के राजा आम के महत्व से परिचित कराना और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करना था।इस अवसर पर विद्यालय परिसर आम की खुशबू और बच्चों की खिलखिलाहट से गूंज उठा। बच्चों ने आम से जुड़ी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। किसी ने आकर्षक चित्र बनाए तो किसी ने रंग-बिरंगे क्राफ्ट तैयार किए। बच्चों ने आम के बारे में रोचक जानकारियां भी साझा कीं और स्वादिष्ट आम का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने खेल और मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेकर दिन को यादगार बना दिया। विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों को आम के पोषण संबंधी गुणों और स्वास्थ्य के लिए इसके महत्व के बारे में सरल भाषा में जानकारी दी। विद्यालय प्राचार्या एकता होरा ने कहा कि इस तरह की गतिविधियां बच्चों के सर्वांगीण विकास के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता, आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता को बढ़ावा देती हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को आम से बने स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। पूरे आयोजन में बच्चों का उत्साह, रचनात्मकता और मुस्कान सभी के आकर्षण का केंद्र रही।

सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचवे दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की आस्था, भक्तिमय माहौल में हुए धार्मिक अनुष्ठान

हजारीबाग(बिभा): दिगंबर जैन मंदिर, बड़म बाजार में परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज एवं पूज्य मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय सिद्धचक्र महामंडल विधान के पांचवे दिन मंगलवार को श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास से हुआ। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित किया।मंदिर परिसर सुबह से ही भक्तिमय वातावरण से सराबोर रहा। मंत्रोच्चार, भक्ति गीतों एवं जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने पूजन, अर्घ्य समर्पण, शांतिधारा एवं अन्य धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया। इस अवसर पर पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान में अपार शक्ति समाहित है। यह विधान आत्मशुद्धि, आत्मकल्याण एवं कर्मों की निर्जरा का प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने कहा कि सच्ची श्रद्धा, विश्वास एवं भक्ति भाव से इस विधान में सहभागी बनने वाले श्रद्धालुओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं तथा आत्मिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

झारखंड की वरिष्ठ कला शिक्षिका भावना घोष को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

हजारीबाग(बिभा) : झारखंड के कला जगत के लिए गर्व का विषय है कि राज्य की वरिष्ठ चित्रकार एवं कला शिक्षिका भावना घोष को चंडीगढ़ छाया स्कूल ऑफ आर्ट द्वारा कला एवं कला शिक्षा के क्षेत्र में उनके आजीवन योगदान के लिए प्रतिष्ठित लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। भावना घोष वर्तमान में हजारीबाग के प्रतिष्ठित होली क्रॉस स्कूल में फाइन आर्ट्स शिक्षिका के रूप में अपनी सेवाएँ दे रही हैं। विद्यालय में कला शिक्षा देने के साथ-साथ वे अपने निवास पर भी वर्षों से विद्यार्थियों को चित्रकला का विशेष प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। उनके मार्गदर्शन में अनेक छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त कर जिले और राज्य का नाम रोशन किया है। श्रीमती भावना ने भारत के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ विदेशों में आयोजित अनेक कला प्रदर्शनियों में अपनी उत्कृष्ट कृतियों का प्रदर्शन किया है। उनकी कला साधना और शिक्षण कार्य ने उन्हें देशभर में एक विशिष्ट पहचान दिलाई है। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए देशभर से केवल 20 कलाकारों का चयन किया गया, जिनमें भावना घोष का चयन झारखंड के लिए गौरव की बात है।

भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद

हजारीबाग(बिभा): सूचना के आधार पर बरही पुलिस के द्वारा रसोईया धमना के पास से ट्रक में अवैध शराब को तस्करी हेतु बिहार ले जाने की प्राप्त सूचना के आलोक में अभिलंब कार्रवाई करते हुए ट्रक को पकड़ लिया गया ' पकड़ाए ट्रक से कुल 1190 पेटी अवैध शराब को जप्त किया गया साथ ही बिना नंबर का क्रेटा कार को भी जप्त किया गया!

विकास के दावों पर 'नगर नदी' का सवाल! पुल नहीं, जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर ग्रामीण

चकला पंचायत के कई टोले आज भी पुल के इंतजार में, बरसात में ठप हो जाता है आवागमन, स्कूली बच्चों से लेकर मरीजों तक सभी परेशान

बिभा संवाददाता

लातेहार: चंदवा प्रखंड की चकला पंचायत में विकास के दावों की हकीकत आज भी नगर नदी पर पुल नहीं बनने से साफ दिखाई देती है। चकला पूरण टोली से चोटरो कुसुम टोली, अराधे भुसार देवी मंडप, नवा टोली, अम्बा ताड़, अरंडिया ताड़ और भीखू टोली को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर स्थित मंगरदाह में बहने वाली नगर नदी पर पुल नहीं होने से हजारों ग्रामीण वर्षों से भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं।ग्रामीणों ने बताया कि पुराना टोली और कुसुम टोली के बीच बहने वाली नगर नदी इस क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या बन चुकी है। बरसात शुरू होते ही नदी उफान पर आ जाती है और दो से तीन दिनों तक आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। मजबूरी में लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं। कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा बरसात में ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई वर्षों से जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से गुहार लगाई जा रही है, लेकिन आज तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। ग्रामीणों के अनुसार, विधानसभा चुनाव के दौरान वर्तमान विधायक प्रकाश राम भी मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने नदी की स्थिति देखने के बाद ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि यहां हर हाल में पुल का निर्माण कराया जाएगा, लेकिन चुनाव बीतने के बाद यह वादा अब तक अधूरा है।बरसात के दिनों में सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को होती है। प्रतिदिन सैकड़ों छात्र-छात्राएं इसी रास्ते से चंदवा स्थित स्कूलों में पढ़ने जाते हैं। नदी में पानी बढ़ने पर बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है और कई दिनों तक उन्हें स्कूल नहीं जा पाता। अभिभावकों को हर समय बच्चों की सुरक्षा की चिंता सताती रहती है।

इतना ही नहीं, यदि किसी मरीज को अचानक अस्पताल ले जाना हो या किसी घर में शादी-विवाह जैसा कार्यक्रम हो, तो लोगों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। वाहन नदी पार नहीं कर पाते, जिससे कई बार लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है या फिर लंबा वैकल्पिक रास्ता अपनाना पड़ता है।ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नगर नदी पर अविलंब पुल का निर्माण कराया जाए, ताकि चकला पंचायत के हजारों लोगों को राहत मिल सके। उनका कहना है कि पुल बन जाने से वर्षों पुरानी समस्या समाप्त होगी और शिक्षा, स्वास्थ्य तथा आवागमन जैसी मूलभूत सुविधाएं सुचारु रूप से उपलब्ध हो सकेंगी। अब ग्रामीणों की निगाहें सरकार और जनप्रतिनिधियों पर टिकी हैं कि आखिर उनका यह वर्षों पुराना सपना कब पूरा होगा।मौके पर मनोज तुरी प्रभु तुरी सहजन तुरी बंधन मुंडा श्याम मुंडा रामू मुंडा रामदास मुंडा समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम का बड़ा हमला, तेतरियाखाड़ परियोजना में सीसीएल पर्दे के पीछे दोहरी चाल चल रही है

बिभा संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ : तेतरियाखाड़ परियोजना बंद होने से ट्रक मालिकों और श्रमिकों के सामने उत्पन्न संकट को लेकर राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने सीसीएल प्रबंधन पर तीखा हमला बोला है। ट्रक मालिकों से ज्ञापन प्राप्त करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि परियोजना बंद रहने से हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं और हजारों परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।राज्यसभा सांसद बैद्यनाथ राम ने कहा कि यह बात बिल्कुल सही है कि ट्रक मालिकों के सामने गंभीर स्थिति उत्पन्न हो गई है। लोग अपने वाहनों की बैंक किस्त तक नहीं चुका पा रहे हैं। हजारों युवा बेरोजगार हो गए हैं और उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि जब तेतरियाखाड़ कोलियरी शुरू हुई थी, तब जमीन मालिकों के साथ स्पष्ट समझौता हुआ था कि स्थानीय लोगों के ट्रकों का परिचालन कराया जाएगा। लेकिन आज यदि सीसीएल उस समझौते से पीछे हट रही है, तो यह बेहद चिंता का विषय है।सीसीएल प्रबंधन पर निशाना साधते हुए सांसद ने कहा कि कंपनी पर्दे के पीछे से दोहरी चाल चल रही है। स्थानीय लोगों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। बैद्यनाथ राम ने सीसीएल के महाप्रबंधक (जीएम) भूपेंद्र मिश्रा से आग्रह करते हुए कहा कि तेतरियाखाड़ परियोजना को जल्द से जल्द पुनः चालू किया जाए और स्थानीय ट्रकों का परिचालन पहले की तरह सुचारु रूप से शुरू कराया जाए, ताकि ट्रक मालिकों, चालकों, उपचालकों और श्रमिकों को दोबारा रोजगार मिल सके।

दारू प्रखंड में आयोजित जनसुनवाई में विधायक प्रदीप प्रसाद ने सुनीं आमजन की समस्याएं

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र के दारू प्रखंड में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में विधायक प्रदीप प्रसाद ने क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पहुंचे आमजन से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याओं एवं जनसरोकार से जुड़े विभिन्न विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर अपनी समस्याओं एवं सुझावों से विधायक को अवगत कराया।

जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ, भूमि संबंधी विवाद, पेयजल, सड़क, बिजली सहित अन्य नागरिक सुविधाओं से संबंधित अनेक आवेदन प्राप्त हुए। विधायक प्रदीप प्रसाद ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कई मामलों में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए तथा अनेक समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कराया। जिन मामलों में विभागीय प्रक्रिया अपेक्षित थी, उनके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्याओं को सुनना, उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करना तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि हजारीबाग विधानसभा के प्रत्येक नागरिक की सेवा, सम्मान और समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रतिबद्ध हैं तथा जनसुनवाई जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनता और जनप्रतिनिधि के बीच सीधा संवाद स्थापित हो रहा है।

छापेमारी से लौट रही चलकुशा पुलिस की बोलेरो ट्रेलर से टकराई, एक आरक्षी की मौत, चार गंभीर

बिभा संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिले के चलकुशा थाना की पुलिस टीम मंगलवार तड़के एक भीषण सड़क दुर्घटना का शिकार हो गई। घोरबंधा हत्याकांड के एक फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए मैथन गई पुलिस टीम जब कार्रवाई पूरी कर वापस लौट रही थी, तभी धनबाद के बरवाअड्डा थाना क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड पर जोड़ापीपल के समीप उनकी बोलेरो सड़क किनारे खड़े एक ट्रेलर से जा टकराई। हादसे में चलकुशा थाना में पदस्थापित आरक्षी राम लखन यादव (43) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत चार पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम मंगलवार तड़के करीब 3:30 बजे हजारीबाग लौट रही थी। इसी दौरान बोलेरो अनियंत्रित होकर ट्रेलर के पिछले हिस्से में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। आगे की सीट पर बैठे आरक्षी राम लखन यादव ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वे कोडरमा जिले के जयनगर थाना क्षेत्र के हीरोडीह गांव के निवासी थे और लगभग 20 दिन पूर्व ही चलकुशा थाना में पदस्थापित हुए थे।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों एवं बरवाअड्डा थाना पुलिस की सहायता से सभी घायलों को तत्काल धनबाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल आरक्षी नरेश यादव, ग्रीन कुमार पासवान, चालक गौरव कुमार सहित एक अन्य पुलिसकर्मी को बेहतर इलाज के लिए अशरफी अस्पताल रेफर किया गया। चिकित्सकों के अनुसार घायलों में दो पुलिसकर्मियों की हालत अत्यंत गंभीर बनी हुई है।

इस दुर्घटना से हजारीबाग पुलिस महकमे में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रारंभिक आशंका चालक को झपकी आने अथवा वाहन में तकनीकी खराबी की जताई जा रही है। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है। हजारीबाग के पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आरक्षी के परिजनों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा दुर्घटना के संबंध में आगे की कार्रवाई जारी है।

अनकही भावनाओं को मिला मंच, हजारीबाग में द पोएट्स' पंचायत का ओपन माइक संपन्न

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : द पोएट्स' पंचायत द्वारा आयोजित ओपन माइक का आयोजन हजारीबाग स्थित पेपर एंड साल्ट रेस्तरां में उत्साहपूर्ण एवं साहित्यिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।इस बार कार्यक्रम की थीम ?जो कह नहीं पाए... शायद आज कह पाए? रही, जिसने प्रतिभागियों और श्रोताओं को अपने मन की अनकही भावनाओं, अनुभवों और विचारों को शब्दों के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों से आए कवियों, शायरों, कहानीकारों, स्पोकन वर्ड आर्टिस्ट्स, स्टोरीटेलर्स, गीतकारों एवं साहित्य प्रेमियों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ दीं। प्रेम, परिवार, समाज, संघर्ष, रिश्तों, उम्मीद, हास्य और जीवन के विविध रंगों पर आधारित रचनाओं ने उपस्थित श्रोताओं को कभी भावुक किया तो कभी तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार गूँज उठा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आशिफ अकादमी के संस्थापक, सफर शायरी का के आयोजक तथा द गोल्डन आवर के एंकर आशिफ अंसारी उपस्थित रहे। उन्होंने द पोएट्स पंचायत की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे मंच नई प्रतिभाओं को अपनी रचनात्मक क्षमता प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करते हैं और साहित्य एवं संस्कृति के प्रति युवाओं को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कार्यक्रम में प्रगति कुमारी ने ?फिर एक नई सुबह शीर्षक से प्रेरणादायी कविता प्रस्तुत की। सुरभि कुमारी, शालिनी सिंह, हसन अल्फायद, अभिषेक रंजन एवं रज़िया बानो ने प्रेम के विभिन्न रंगों को अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन हर्षिका गुप्ता ने किया। अपनी सहज, आत्मीय एवं ऊर्जावान मंच संचालन शैली से उन्होंने पूरे आयोजन को एक सूत्र में बाँधे रखा तथा प्रत्येक प्रतिभागी का उत्साहवर्धन किया। सभी प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने भरपूर सराहा और प्रत्येक प्रस्तुति का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा सामूहिक छायांकन किया गया। द पोएट्स' पंचायत के संस्थापक हिमांशु कुमार ने कहा कि संस्था का उद्देश्य केवल ओपन माइक कार्यक्रम आयोजित करना नहीं, बल्कि झारखंड के उभरते रचनाकारों को एक सम्मानजनक एवं सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ वे आत्मविश्वास के साथ अपनी कला, विचारों और भावनाओं को अभिव्यक्त कर सकें।

भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रामगढ़ गुरुद्वारा में माथा टेका

बिभा संवाददाता

रामगढ़: भारत के रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब पहुंचे यहां इन्होंने माथा टेका और गुरु महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के महासचिव हरदीप सिंह होरा ने मंच संचालन किया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा की नेतृत्व में भारत के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के समीप 1984 में हुए दंगे हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी और कहा कि अब तक रामगढ़ के सिख समाज का 1984 दंगा में जो नुकसान हुआ था उसकी भरपाई अभी तक नहीं हो पाई है। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सभी बातों से अवगत हुए। रामगढ़ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के द्वारा रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को मोमेंटो एवं सरोपा देकर सम्मानित किया गया। साथ आए एडिशनल सेक्रेटरी दीप्ति मोहिल चावला, जे एस सत्यजीत मोहंती सिएसडी सतेंद्र सिंह एयर मार्शल एसके सिंह समेत सभी को सिरोपा देकर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, सचिव हरदीप सिंह, गुरु नानक स्कूल के चेयरमैन हरपाल सिंह अरोड़ा, कुलजीत सिंह कालरा जगजीत सिंह सोनी जोगिंदर सिंह जग्गी पप्पू जस्सल रविंदर सिंह छाबड़ा, सुरजीत सिंह छाबड़ा, यश छाबड़ा आदि ने मंत्री का स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

योगेन्द्र योगी

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।

दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।

इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान ह्यबिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशियाह्न मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं।

गार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।

गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्या–क्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिली?संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी-20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।

भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरान'मिशन सागर'और'ऑपरेशन दोस्त'के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई।

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।

गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने कानून बना दिया था।

विदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाधिकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पर्धा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है।

ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता। गार्जियन का यह लेख सिर्फ हताशा ही प्रकट करता है, इससे पहले भी इसी तरह के विदेशी अखबारों में लेखों के जरिए भारत की छवि और विकास की तरफ बढ़ते कदमों को रोकने का असफल प्रयास किया जाता रहा है।

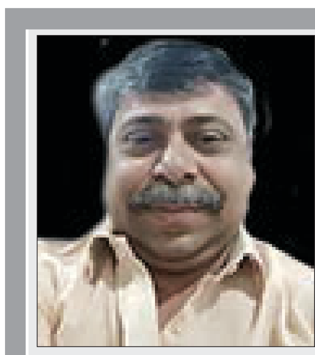

संपादकीय

सभ्यताओं के टकराव का युद्ध

पांच दिन, तीन रातें और कुल 310 विनाशक, विध्वंसक हमले...! क्या इन हमलों और बारूदी विस्फोटों के बाद किसी का अस्तित्व जिंदा रह सकता है? यकीनन ईरान अब भी तैनात, मोचार्बंद है और अमरीकी सेना के हमलों के पलटवार में खाड़ी देशों में सक्रिय अमरीका के सैन्य अड्डों को तबाह भी कर रहा है। यदि अमरीकी हमलों ने चाबहार, सिरिक, असालुयेह, यासूज, कोनारक, बुशहर आदि बंदरगाहों, सैन्य और परमाणु संयंत्र के करीबी ठिकानों पर विनाशक प्रहार करके बुनियादी ढांचे को बर्बाद किया है, तो खाड़ी देशों में अमरीका के 17 सैन्य बेस ईरान ने इस कदर तबाह किए हैं कि आने वाले कुछ वक्त तक वहां से ऑपरेशन करना मुनासिब नहीं होगा। अब यह युद्ध अनैतिकता, अहंकार, सभ्यताओं के टकराव और ईसाई बनाम शिया मुसलमान का युद्ध बनता जा रहा है। युद्ध थोपने के अमरीका-इजरायल के जो मंसूबे, मकसद थे, वे नाकाम होकर काफी पीछे छूट गए हैं और होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर युद्ध केंद्रित हो गया है। ईरान ने ओमान तट पर एक कार्गो जहाज पर हमला किया। पलटवार में अमरीकी हमलों ने ईरान में धुआं-धुआं कर दिया। ईरान खंडहर में तबदील होता जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरानी सभ्यता को ही मिटा देने पर आमादा हैं। वह ईरान को पाषाणकाल में धकेल देना चाहते थे, उन्होंने ऐसा बयान कई बार दोहराया था। अब ट्रंप का दावा है कि होर्मुज खुला है, जहाज-टैंकर आ-जा सकते हैं, लेकिन ईरान के आईआरजीसी ने ऐलान किया है कि होर्मुज फिलहाल बंद है। वैसे भी जो जहाज होर्मुज पार कर निकलना चाहते हैं, वे ईरानी अथॉरिटी से इजाजत लें। यदि होर्मुज के बजाय ओमान रूट से जहाज-टैंकर गुजरना चाहेंगे, तो उन पर मिसाइल-ड्रोन हमले किए जाएंगे।

बीते 15 दिनों में 70-80 जहाज चीन की ओर निकले हैं, उन पर हमले क्यों नहीं किए गए? बीती 10 जुलाई को 19 जहाज होर्मुज से निकले थे, जाहिर है कि उन्होंने 'ईरानी टोल' दिया होगा! बहरहाल जिस जहाज पर ईरान ने हमला किया था और अमरीका ने पलटवार में 140 हमले किए, उस जहाज पर साइप्रस देश का झंडा लगा था, लेकिन चालक दल में 11 भारतीय भी थे। ओमान ने लाइफ बोट के जरिए 10 भारतीयों सहित कुल 23 नाविकों को बचाया, लेकिन एक भारतीय नाविक लगातार लापता बताया जा रहा है। असीम समंदर में 'लापता' के मायने समझे जा सकते हैं। इससे पहले, जून माह में ही, अमरीकी सेना ने हमला कर 3 भारतीय नाविकों की 'हत्या' कर दी थी। हम इसे 'हत्या' ही मानते हैं, क्योंकि आज के विकसित, तकनीकी सम्पन्न परिवेश में तमाम डाटा उपलब्ध होता है कि किस जहाज पर क्या माल लदा है? उसका गन्तव्य क्या है? उसके नाविकों में किस देश के नागरिक हैं? सबसे महत्वपूर्ण यह है कि कार्गो जहाज को लगातार 'चेतावनी' दी जाती है और उसके जवाब की प्रतीक्षा की जाती है।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है।जीविका जीवन की अनिवार्यता है।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

आस्था, समरसता और भगवान जगन्नाथ के लोक मंगल का महापर्व

संजय सर्राफ

रथ यात्रा 16 जुलाई को

विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग एवं श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि सनातन धर्म के प्रमुख उत्सवों में भगवान श्री जगन्नाथ की रथ यात्रा का विशेष स्थान है। इस वर्ष रथ यात्रा 16 जुलाई दिन गुरुवार को आषाढ़ शुक्ल द्वितीया के दिन निकाली जाएगी। यह पर्व विशेष रूप से ओडिशा के पुरी में विश्वविख्यात है, जहाँ भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा भव्य रथों पर विराजमान होकर श्रीमंदिर से गुंडीचा मंदिर तक यात्रा करते हैं। इस दिव्य आयोजन में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु शामिल होकर प्रभु के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं।पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान श्रीकृष्ण की बहन सुभद्रा ने एक बार अपने दोनों भाइयों श्रीकृष्ण(जगन्नाथ) और बलराम के साथ नगर भ्रमण की इच्छा व्यक्त की। बहन की इच्छा पूर्ण करने के लिए दोनों भाइयों ने रथ पर आरूढ़ होकर यात्रा की। इसी घटना की स्मृति में प्रतिवर्ष रथ यात्रा निकाली जाती है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, यह यात्रा भगवान जगन्नाथ के अपनी मौसी के घर अर्थात गुंडीचा मंदिर जाने का प्रतीक है, जहाँ वे कुछ दिनों तक विश्राम करते हैं और फिर पुनः श्रीमंदिर लौटते हैं। रथ यात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और मानवता का महान संदेश भी देती है। इस दिन जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र की सभी सीमाएँ समाप्त हो जाती हैं। भगवान स्वयं मंदिर से बाहर निकलकर अपने भक्तों के बीच आते हैं, जिससे यह संदेश मिलता है कि ईश्वर सभी के हैं और उनके द्वार सभी के लिए समान रूप से खुले हैं।इस पर्व की सबसे बड़ी विशेषता तीन भव्य रथ हैं। भगवान जगन्नाथ का रथ नंदीघोष, बलभद्र का तालध्वज तथा माता सुभद्रा का दर्पदलन कहलाता है। इन विशाल रथों का निर्माण प्रत्येक वर्ष नई लकड़ियों से पारंपरिक विधि के अनुसार किया जाता है। श्रद्धालु रथ की रस्सी खींचकर स्वयं को धन्य मानते हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक रथ खींचने और भगवान के दर्शन करने से पुण्य की प्राप्ति होती है तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है।

रथ यात्रा का उद्देश्य केवल उत्सव मनाना नहीं, बल्कि लोककल्याण, सेवा, समानता, भक्ति और आध्यात्मिक जागरण का संदेश देना है। यह पर्व हमें अहंकार त्यागकर प्रेम, करुणा, सहयोग और सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।भगवान जगन्नाथ का अर्थ ही है-जगत के नाथ,अर्थात संपूर्ण विश्व के स्वामी। इसलिए यह उत्सव संपूर्ण मानवता के कल्याण और विश्वबंधुत्व का प्रतीक माना जाता है।आज रथ यात्रा केवल पुरी तक सीमित नहीं है, बल्कि भारत के अनेक राज्यों तथा विश्व के अनेक देशों में भी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जाती है। यह महापर्व भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, लोक आस्था और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा हमें यह संदेश देती है कि जब ईश्वर स्वयं अपने भक्तों के द्वार तक आते हैं, तब प्रत्येक व्यक्ति को भी प्रेम, सेवा और मानव कल्याण के मार्ग पर अग्रसर होकर समाज में सुख, शांति और सद्भाव स्थापित करने का संकल्प लेना चाहिए।

विश्व युवा कौशल दिवस- साझा भविष्य की सबसे मजबूत नींव है युवा कौशल क्रांति

योगेश कुमार गोयल

रोजगार नहीं, अवसर सृजन की शक्ति है कौशल...

तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण तथा स्थानीय व वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रासंगिक अन्य कौशलों के विकास के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 15 जुलाई को 'विश्व युवा कौशल दिवस' मनाया जाता है। चूंकि यह दिन विश्वभर के युवाओं को रोजगार, काम और एंटरप्रेन्योर बनने के लिए जरूरी स्किल्स से लैस बनाने के लिए समर्पित है, इसीलिए यह दिवस मनाए जाने का काफी महत्व है। दरअसल पूरी दुनिया आज कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनमें से कई चुनौतियां खासकर युवा वर्ग को बहुत प्रभावित करती हैं। यह दिवस युवाओं और 'तकनीकी, व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण' (टीवीईटी) संस्थानों, फर्मों, नियोक्ताओं, श्रमिक संगठनों, नीति निमार्ताओं तथा विकास भागीदारों के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। यह दिन लैंगिक असमानता को समाप्त करने तथा कमजोर लोगों तक संसाधनों की पहुंच सुनिश्चित करने को बढ़ावा देने के लिए भी खास माना जाता है।

विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पूरी दुनिया में 200 मिलियन से भी ज्यादा युवा या तो बेरोजगार हैं या उनके पास नौकरी तो है लेकिन वे गरीबी में जी रहे हैं। केवल 1997 और 2017 के बीच ही युवा आबादी में 139 मिलियन की वृद्धि हुई, वहीं युवा श्रम बल में 58.7 मिलियन की कमी आई। कोरोना काल के बाद तो युवा श्रम बल को लेकर स्थिति काफी बदतर हुई। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में पांच में से दो युवा श्रमिक प्रतिदिन 3.1 अमेरिकी डॉलर से भी कम पर जीवनयापन करते हैं और वैश्विक स्तर पर 4 में से 3 युवा कर्मचारी अनौपचारिक अर्थव्यवस्था में कार्यरत हैं, जो सभ्य काम नहीं है। वैश्विक स्तर पर अधिकांश युवा अभी भी स्थिर या संतोषजनक नौकरी पाने के लिए औसतन 13.8 महीने तक प्रतीक्षा करते हैं, जो शिक्षा से नौकरी में एक कठिन संक्रमण को दशार्ता है। चूंकि पूरी दुनिया में युवा बेरोजगारों बहुत बड़ी फौज है, इसलिए उनके लिए आने वाली चुनौतियों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करने के कौशल से लैस होना और भविष्य में होने वाली बाधाओं को झेलने के लिए लचीलापन होना आवश्यक है। वैश्विक स्तर पर बढ़ती युवा बेरोजगारी आज की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों के सामने विकसित और विकासशील देशों के लिए सबसे बड़ी समस्या है। इसीलिए विश्व युवा कौशल दिवस का मुख्य उद्देश्य बेरोजगारी और अल्प-रोजगार की चुनौतियों के संदर्भ में आज के युवाओं के लिए बेहतर सामाजिक-आर्थिक स्थिति प्राप्त करना है।

युवाओं को रोजगार, अच्छे कार्य और उद्यमिता के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने के रणनीतिक महत्व को स्वीकार करने और साथ ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने तथा सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए ही संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 15 जुलाई 2014 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाने की घोषणा की थी, तभी से यह दिवस 15 जुलाई को एक खास विषय के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष इस दिवस के लिए 'साझा भविष्य के लिए कौशल' विषय निर्धारित किया गया है, जो इस विचार को रेखांकित करता है कि भविष्य केवल तकनीकी दक्षता से नहीं बल्कि ऐसे संतुलित कौशलों से निर्मित होगा, जिनमें डिजिटल साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित तकनीक, सामाजिक-भावनात्मक समझ, सहयोग, नवाचार और जिम्मेदार नागरिकता का समावेश हो।

भारत में 2015 में इसी दिन यानी 15 जुलाई को ही कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना' (पीएमकेवीवाई) की शुरूआत की गई थी। इसके तहत युवाओं को मुफ्त में लघु अवधि का औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे रोजगार प्राप्त कर सकें। 14 से 35 वर्ष के युवा इस मिशन के तहत प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। प्रशिक्षण के लिए तीन महीने, छह महीने या एक वर्ष के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होता है। कोर्स पूरा करने के पश्चात प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो देशभर में मान्य है और इस कौशल प्रमाणपत्र के आधार पर आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। चूंकि युवा वर्ग समाज में अधिक न्यायसंगत, समान और प्रगतिशील अवसरों तथा समाधानों की मांग कर रहा है, इसलिए युवाओं के समक्ष आने वाली शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और लैंगिक समानता तक पहुंच जैसी बहुमुखी चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई है और इसके लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें अपने कार्य वातावरण में अधिक रोजगार योग्य तथा अधिक उत्पादक बनाने के लिए गंभीर पहल किए जाने की भी जरूरत है।

भारत में केंद्र सरकार की ऐसी ही महत्वपूर्ण पहल है 'कौशल भारत', जिसके जरिये सफल होने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करने के प्रयास किए जाते हैं। 'स्किलिंग इंडिया' के तहत 'कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय' भारतीयों में ऐसे कौशल विकसित करने की पहल और योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान बढ़ा सकें। दरअसल युवा राष्ट्र निर्माण और छवि निर्माण दोनों में ही सबसे बड़े हितधारक हैं, इसलिए उनके उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए युवाओं को कौशल प्रदान करने तथा देश और दुनिया को एक बड़ा कुशल कार्यबल प्रदान करने पर सरकार का फोकस है। युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं में 'नेशनल अप्रेन्टसशिप प्रोमोशन स्कीम', युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने, नवविचार को प्रोमोट करने, देश में स्टार्टअप कल्चर को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्टार्टअप इंडिया', बेरोजगार युवाओं और महिलाओं को नया कारोबार शुरू करने के लिए लोन उपलब्ध करवाने हेतु 'पीएम रोजगार योजना' इत्यादि विभिन्न योजनाएं भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक हिंसक संघर्ष शिक्षा और स्थिरता को बाधित करते हैं, ऑनलाइन वातावरण में नकारात्मकता को बढ़ावा देने वाला ध्रुवीकृत वातावरण और व्यापक आर्थिक असमानता अवसरों को सीमित करती है। ये मुद्दे न केवल व्यक्तिगत भविष्य बल्कि समाज की समग्र स्थिरता को भी खतरे में डालते हैं। शांति की संस्कृति को बढ़ावा देने, जिम्मेदार वैश्विक नागरिकों का पोषण करने और सभी के लिए अधिक न्यायपूर्ण, समावेशी और टिकाऊ भविष्य बनाने के लिए सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को आवश्यक कौशल से लैस करना महत्वपूर्ण है। विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं की क्षमता को पहचानने, उन्हें चुनौतियों का सामना करने तथा शांतिपूर्ण, समृद्ध और टिकाऊ भविष्य में योगदान देने के लिए कौशल और अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्धता पर जोर देता है। दरअसल तीव्र गति से विकसित होती प्रौद्योगिकी और नौकरी बाजार की निरंतर विकसित होती प्रकृति को देखते हुए युवाओं को अनुकूलनीय और बहुमुखी कौशल सैट के साथ सशक्त बनाना बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का कहना है कि न केवल आज बल्कि हर दिन शिक्षा को बदलने के लिए काम करते हुए यह सुनिश्चित करने के भी प्रयास होने चाहिएं कि युवाओं के पास वह सब कुछ हो, जो उनके लिए अधिक शांतिपूर्ण, टिकाऊ भविष्य को आकार देने और उनके कौशल को विकसित करने के लिए आवश्यक है। अब चूंकि विभिन्न उद्योगों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस तकनीकों का तेजी से उपयोग कार्य के परिदृश्य को बदल रहा है, इसलिए भविष्य की नौकरियों के लिए युवाओं को तैयार करने हेतु उन्हें आवश्यक एआई कौशल से लैस करना बेहद महत्वपूर्ण हो गया है।

बॉस हों पार्ट टाइमर तो ऐसे करें डील

जॉब के दौरान कई परिस्थितियों से दो चार होना पड़ता है। ऐसा हो सकता है कि कंपनी पार्ट टाइम बॉस को नियुक्त कर दे। ऐसी स्थिति में टीम की जिम्मेदारी बढ़ जाती है। बॉस के साथ तालमेल बैठाकर उन्हें फैसले लेने होते हैं...

जब आपके ऑफिस में पार्ट टाइम काम करने वाले बॉस हों और आप फुल टाइमर एम्प्लॉइ हों, तो स्थिति थोड़ी सी नाजुक हो जाती है। ऐसे में पूरी टीम को बॉस के साथ बराबर टच में रहना होता है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि टीम को फुल टाइमर बॉस की कमी महसूस होती है। टीम को कई मुद्दों पर बातचीत करने की जरूरत होती है। कई बार ऐसा होता है कि पार्ट टाइमर बॉस पूरा समय नहीं दे पाते हैं। आप अपनी कंपनी में ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, तो यहां पर दिए जाने वाले टिप्स कारगर साबित हो सकते हैं। आइए डालते हैं एक नजर –

मानसिकता सही रखें

एक्सपर्ट कहते हैं कि एक पार्ट टाइमर बॉस किसी संस्था में काम करता है, तो वहां पर काम करने वाले लोगों के मन में यह भावना विकसित हो सकती है कि वह पावर का दुरुपयोग तो नहीं कर रहे हैं। बॉस का पद जिम्मेदारी भरा पद होता है और कंपनी बॉस पर भी नजर रखती है। याद रखें कि इसके लिए कंपनी हमेशा ही अपने स्तर पर सही व्यक्ति का चुनाव करती है। ऐसे में यह है कि टीम भी सही मानसिकता के साथ बॉस को सहयोग दे और अपना काम करे। वह कॉरपोरेट जगत के वैल्यू को समझे।

कम्यूनिकेशन का होता है अहम रोल

जहां बॉस पार्ट टाइम काम करते हैं और उनके साथ काम करने वाले बाकी लोग फुल टाइम जॉब करते हैं, वहां पर कम्यूनिकेशन का रोल अहम हो जाता है। एक्सपर्ट मानते हैं कि ऐसी स्थिति में टीम को बॉस के साथ कम्यूनिकेशन लेवल हाई रखना पड़ता है। एक बार कम्यूनिकेशन करने का स्टाइल फिक्स हो जाता है, तो बाद में चीजों को बदल पाना आसान नहीं होता है। जब कम्यूनिकेशन सही रहेगा तो प्रॉब्लम का निपटारा भी पलक झपकते ही हो जाएगा। ऐसे में पार्ट टाइमर बॉस के संग भी टीम बेहतर रिजल्ट दे सकती है।

फैसला लेने की कला सीखें

आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां फुल टाइमर बॉस नहीं हैं, तो जरूरी है कि टीम का हर एक सदस्य खुद पर भरोसा दिखाए और फैसला लेने की कला सीखे। याद रखें कि जब बॉस फुल टाइमर नहीं होते हैं, तो सबसे ज्यादा दिक्कत फैसला लेने में ही होती है। वर्कप्लेस पर कई बार आपको पलक झपकते ही बड़े फैसले लेने होते हैं। दूसरा बड़ा मुद्दा यह होता है कि आप आज के कॉम्पिटिशन भरे माहौल में टीम में तेजी कैसे लाएं। जॉब एक्सपर्ट कहते हैं कि इससे निपटने के लिए कंपनियों को चाहिए कि वह फैसला लेने के अधिकार को बांट दे। इससे जहां टीम के सदस्यों में कॉन्फिडेंस पैदा होता है, वहीं समय के भीतर फैसला लेने से काम में तेजी भी आती है।

...तो आप भी हैं कामयाब लीडर

एक लीडर में अपनी बात को असरदार तरीके से दूसरों तक पहुंचाने का हुनर आना चाहिए। एक लीडर, अगर वह अपनी बात अपने साथ काम करने वालों को बेहतर तरीके से कम्यूनिकेट कर पाने में समर्थ है, तो इससे कामकाजी माहौल ऊर्जा से भर जाता है, लोग उत्साह से काम में जुटते हैं और उनकी रचनात्मकता काम में झलकने लगती है। एक दूरदर्शी सोच रखने वाला लीडर एक जुनूनी टीम बनाने में यकीन रखता है। यह टीम एक समान लक्ष्यों के लिए पूरे जोशोखरोश से काम करती है। अपना कारोबार फैलाती किसी भी कंपनी को एक मजबूत मैनेजमेंट के साथ–साथ ऐसी टीम की भी दरकार रहती है, जो साथ काम करने वाले लोगों के बीच आपसी एकता, यकीन और आदर की बुनियाद पर बनी हो। कामयाबी का राज है, कामकाज में साफ–सुथरापन। एक कामयाब लीडर इस बात की अहमियत जानता है और अच्छे कामकाज के लिए अपने एंप्लॉई के साथ एक बेहतर समझ विकसित करता है। इससे न सिर्फ कामकाज का बिना किसी रुकावट के निपटारा होता जाता है, बल्कि टीम के भीतर एक खुशनुमा कामकाजी माहौल भी बरकरार रहता है।

इन बातों का ध्यान रखें तो कदम चूमेगी कामयाबी

जब आप अपने लक्ष्य के प्रति स्पष्ट होते हैं, तो यह जान जाते हैं कि आप कौन हैं? आप क्या हैं? आपको क्या करना है और आप क्या चाहते हैं? अगर ये चीजें आपके दिमाग में साफ हैं, तो आपकी सफलता का पहला चरण सुनिश्चित हो जाता है।

बनें योग्य

कामयाब होने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि आप खुद को योग्य बनाएं। क्योंकि आप तब तक ऊपर नहीं चढ़ सकते, जब तककि आप में योग्यता नहीं हो। इसलिए पहले खुद को योग्य बनाना जरूरी होता है। इसके लिए लगातार प्रयत्न करना पड़ेगा। याद रखें कि कोशिश करने वालों की कभी भी हार नहीं होती है।

दबाव झेलने की क्षमता

जब जिम्मेदारी बढ़ेगी तो दबाव के साथ–साथ अवरोध भी उत्पन्न होगा। ऐसे में इस तरह की विपरीत परिस्थितियों को झेलने की क्षमता आपमें जरूर होनी चाहिए। वैसे जब आपको एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी हो तो रास्ते में दिक्कतें तो आएंगी ही। दिक्कतों का सामना करने से ही सफलता का दरवाजा खुलता है।

भरपूर एकाग्रता जरूरी

इसके बिना तो आप साइकल भी नहीं चला सकते। एकाग्रता एक ऐसी चीज है, जो हर जगह काम आती है। आप अपने काम में इसके द्वारा ही परफेक्शन लाते हैं। किसी भी काम को साधारण से असाधारण बनाने के लिए एकाग्रता की जरूरत होती है। इसके माध्यम से आप बड़े से बड़े लक्ष्य को भेद सकते हैं।

रचनात्मकता भी जरूरी

एक प्रफेशनल की सफलता में उसकी रचनात्मकता का काफी अहम योगदान होा है। इसलिए इस ओर ध्यान देना जरूरी है।

साहस बनाए रखें

कहते हैं रिस्क लेने के बाद ही आगे बढ़ने का रास्ता खुलता है। इसके लिए साहस सबसे जरूरी चीज है। किसी ने सही कहा है कि हिम्मत रखने वालों की कभी हार नहीं होती इसलिए जीतने के लिए साहस बहुत जरूरी है।

हार्डवेयर फील्ड में खूब हैं जॉब, मस्त सैलरी

आज शायद ही ऐसा कोई ऑफिस हो, जहां का कामकाज कंप्यूटर पर आधारित न हो। इसके अलावा, घर, स्कूल आदि जगहों पर भी सभी कामकाज कंप्यूटर पर ही किए जाते हैं। अगर ये सुचारू रूप से काम न करें, तो सारा कामकाज अचानक ठप हो सकता है। बैंकों और अन्य सरकारी कार्यालयों में नेटवर्क फेल होने की वजह से काम ठप रहने की खबरें आपने अक्सर पढ़ी होंगी, तब इस नेटवर्क को सही करने के लिए हार्डवेयर प्रफेशनल्स की ही मदद ली जाती है। नेटवर्किंग दरअसल कंप्यूटरों को आपस में जोड़कर ऐसा जाल बनाने का फील्ड है जिसमें कोई संस्थान काम कर सके। कुल मिलाकर, कंप्यूटर इंस्टॉलेशन से लेकर, इसकी मेंटेनेंस और रोजमर्रा के ऐडमिनिस्ट्रेशन तक का सारा जिम्मा कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट्स यानी हार्डवेयर इंजिनियर्स के जिम्मे होता है।

कोर्स

हार्डवेयर इंजिनियर बनने के लिए मुख्य रूप से दो बेसिक कोर्स करने पड़ते हैं। पहला, हार्डवेयर और दूसरा बेसिक नेटवर्किंग। हार्डवेयर रिलेटिड कोर्स से कंप्यूटर पार्ट्स के बारे में तमाम तकनीकी जानकारी मिलती है। एक हार्डवेयर इंजिनियर या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर बनने के लिए ये दोनों कोर्स करने बेहद जरूरी हैं। नेटवर्किंग में इससे आगे कोई एक्सपर्ट बनना हो, तो अपनी पसंद के हिसाब से कुछ और बेसिक कोर्स करने होंगे, जैसे ़- लैन (लोकल एरिया नेटवर्क) और वैन (वाइड एरिया नेटवर्क) से जुड़े कोर्स। नेटवर्किंग से जुड़े कोर्स कराने के लिए कई सरकारी और प्राइवेट संस्थान हैं, जिन्होंने इन कोर्सेज के लिए अपनी अलग पहचान बनाई है। नेटवर्किंग सीखने के लिए तीन तरीके हैं ़- पहला ऑनलाइन स्टडी मटीरियल की मदद से खुद पढ़ाई, दूसरा ऐसे इंस्टिट्यूट्स जो किसी प्रोग्राम से जुड़े नहीं है और तीसरा सर्टिफाइड प्रोग्राम।

जॉब की कमी नहीं

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि नेटवर्किंग में कोर्स करने के बाद कंप्यूटर सपोर्ट स्पेशलिस्ट, हेल्प डेस्क टेक्निशन, नेटवर्क या सिस्टम ऐडमिनिस्ट्रेटर, कंप्यूटर सिक्यॉरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में करियर बना सकते हैं। आज इन एक्सपर्ट्स की जरूरत लगभग हर संस्थान में होती है। फिर चाहे वह कंप्यूटर और डेटा प्रोसेसिंग यूनिट हों, बैंक या अन्य सरकारी कार्यालय, कोई इंडस्ट्री या और कोई छोटी–बड़ी फर्म। जहां भी कामकाज कंप्यूटर आधारित है, वहां इन तकनीकी विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती है। सरकारें जिस तरह ई–गवर्नेंस पर जोर दे रही हैं, उससे यह फील्ड और भी हॉट बनता जा रहा है। इसके चलते स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क और डाटा सेंटर जैसे कई नए फील्ड खुल रहे हैं। कहा जा सकता है कि जब तक कंप्यूटर पर काम होता रहेगा, इन विशेषज्ञों की जरूरत पड़ती रहेगी। ये किसी भी कंपनी के लिए नेटवर्क और कंप्यूटर सिस्टम की देखभाल से लेकर, एंप्लायीज और कस्टमर्स की तकनीकी जिज्ञासाओं को शांत करने तक का काम करते हैं। एंट्री लेवल पर आपकी जिम्मेदारी केवल नेटवर्क और कंप्यूटर मेंटेनेंस की हो सकती है, लेकिन अनुभव के साथ आपको किसी कंपनी के लिए इंट्रानेट आदि डिवेलप करने का जिम्मा भी दिया जा सकता है।

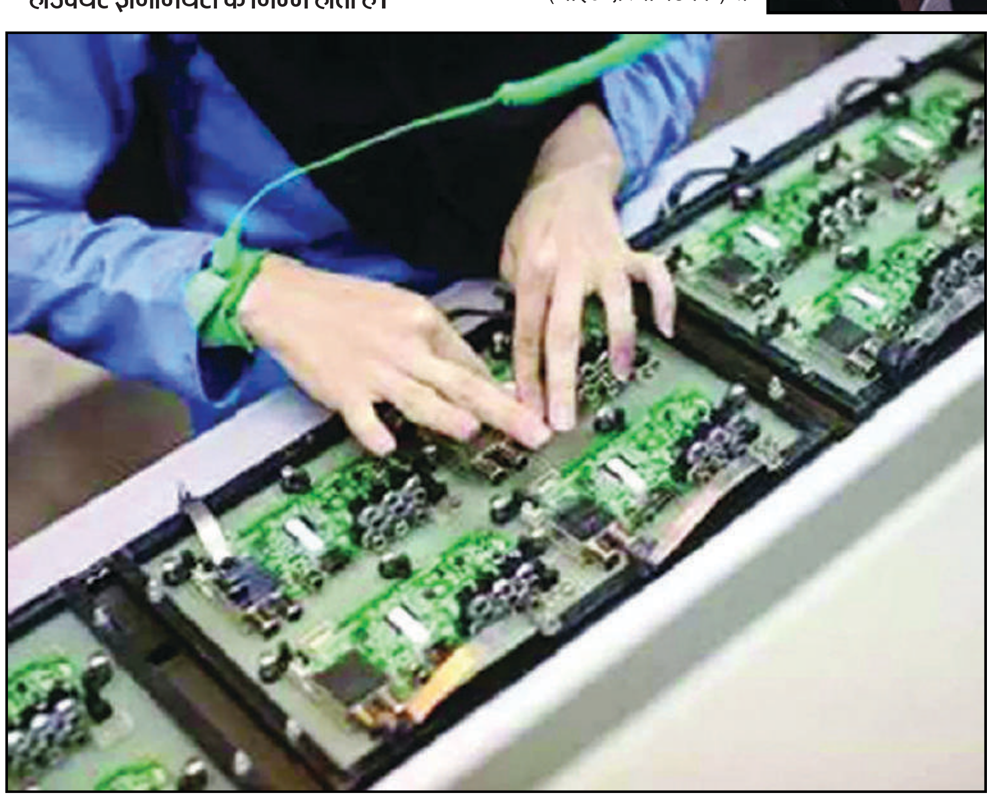

मनी मैटर्स

बरसों से आईटी फील्ड में अच्छी–खासी सैलरी रही है। हार्डवेयर प्रफेशनल्स के लिए सॉफ्टवेयर प्रफेशनल्स की तरह मौकों की कोई कमी नहीं है। एंट्री लेवल पर आप 25 से 35,000 रुपये महीने की जॉब पा सकते हैं। अनुभव और समय के साथ इसमें बढ़ोतरी होगी।

पंजाब में कमजोर पड़ा मानसून, सैटेलाइट तस्वीरों से बढ़ी चिंता

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के कई इलाकों में मानसूनी बादलों का मिजाज बदल गया है, जिससे किसानों और आम जनता की चिंता बढ़ी है। सैटेलाइट तस्वीरों के विश्लेषण से पता चला है कि पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर और हिमाचल से सटे क्षेत्रों में अभी भी घने बादल मौजूद हैं। वहीं, जालंधर, लुधियाना, कपूरथला और नवांशहर में भी बादलों की हल्की पट्टी देखी जा रही है, जबकि मोहाली और जालंधर में सुबह के वक्त कुछ तेज बारिश भी दर्ज की गई। इसके विपरीत, राज्य के दक्षिणी जिले जैसे बठिंडा, मानसा, मुक्तसर और फाजिल्का में बादल लगभग नदारद हैं, जिससे यहां सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। बीते 24 घंटों में पंजाब के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और केवल सीमावर्ती व पहाड़ी क्षेत्रों में ही हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि 13 से 18 जुलाई के बीच मानसून की गतिविधियां कमजोर रहने की संभावना है, जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ेगा। चंडीगढ़ में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कुछ मौकों पर बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं, हालांकि इसके लिए कोई विशेष अलर्ट जारी नहीं किया गया है। एक ओर जहां पंजाब के कई हिस्से बारिश की कमी झेल रहे हैं, वहीं पड़ोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में जुलाई महीने में अब तक सामान्य से 40 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है। 1 से 12 जुलाई के बीच राज्य में 119.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है, जो सामान्य 85.6 मिलीमीटर से काफी ज्यादा है।

सर्पदंश से मासूम की मौत, सपेरे का करते रहे इंतज़ार

गुरुग्राम (एजेंसी)। ,(एएमएस)। बहादुरगढ़ में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ अंधविश्वास के चलते चार वर्षीय मासूम अंशज ने अपनी जान गंवा दी। टीकरी बॉर्डर क्षेत्र में सांप के काटने के बाद उसके परिजन तुरंत अस्पताल ले जाने की बजाय सपेरे का इंतजार करते रहे। जब वे अचेत अवस्था में सिविल अस्पताल पहुंचे, तब चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। हैरानी की बात यह है कि डॉक्टरों द्वारा मृत्यु की पुष्टि के बाद भी स्वजन सपेरे से आने की उम्मीद में काफी देर तक वहीं इंतजार करते रहे। अस्पताल प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने मौके पर पहुँचकर आवश्यक कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया। चिकित्सकों ने समझाया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक या सपेरे के भरोसे रहने की बजाय तुरंत निकटतम अस्पताल पहुंचना चाहिए। एंटी-स्नेक वेनम (एएसवी) समय पर मिलने से कई जानें बचाई जा सकती हैं, जैसा कि बहादुरगढ़ में ही पहले दो मामलों में हुआ। यह घटना अंधविश्वास से बचने और तत्काल चिकित्सा सहायता लेने की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

महाराष्ट्र की लाडकी बहिन योजना में बड़ा फेरबदल: 81 लाख महिलाएं बाहर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिन योजना राज्य में एक बड़े राजनीतिक विवाद का केंद्र बनी है। महीनों तक चले व्यापक ई-केवाईसी सत्यापन अभियान के बाद, महायुति सरकार ने करीब 81 लाख लाभार्थियों को योजना से बाहर किया है, जिससे सत्ताधारी महायुति और विपक्षी महाविकास अघाड़ी के बीच तीखी बयानबाजी शुरू हो गई है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कदम का बचाव कर कहा कि ई-केवाईसी प्रक्रिया का उद्देश्य योजना की पात्रता शर्तों को पूरा न करने वाले अयोग्य लाभार्थियों जैसे आयकर दाता और सरकारी कर्मचारियों के परिवार की पहचान करना और उन्हें हटाना था। उन्होंने बताया कि योजना की शुरुआत में 2.63 करोड़ लोगों ने पंजीकरण कराया था, जिसमें से 2.47 करोड़ महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता मिलनी शुरू हुई थी। मंत्री अदिति ने स्पष्ट किया कि अयोग्य लोगों को हटाने के लिए ई-केवाईसी शुरू होने के बाद लाभार्थियों की संख्या घटकर 1.67 से 1.7 करोड़ रह गई। अदिति तटकरे ने उन रिपोर्टों को भी खारिज किया जिनमें 92-93 लाख लाभार्थियों को हटाए जाने का दावा किया गया था, यह बताकर कि यह आंकड़ा कुल पंजीकरण और वर्तमान लाभार्थियों के बीच का अंतर था, न कि वास्तविक लाभार्थियों की संख्या। हालांकि, विपक्षी दलों ने महायुति सरकार पर 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले योजना का दुरुपयोग एक चुनावी हथियार के रूप में करने का आरोप लगाया है, और इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को सूची से बाहर करने पर गंभीर सवाल उठाए हैं। यह योजना अब राज्य में एक नए सियासी घमासान का रूप ले चुकी है।

दिल्ली में ट्रांसजेंडर भेष में बांग्लादेशी गिरफ्तार, अवैध धंधों का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने जहांगीरपुरी इलाके में अवैध आप्रवासन के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत महत्वपूर्ण कार्रवाई में बांग्लादेश के एक अवैध नागरिक को गिरफ्तार किया है। यह व्यक्ति ट्रांसजेंडर के भेष में रहकर रात के समय अवैध गतिविधियों में शामिल मिला। भलस्वा फ्लाईओवर के नीचे सुबह-सुबह की गई विशेष कार्रवाई में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा। शुरुआती पूछताछ के दौरान, संदिग्ध व्यक्ति अपने भारत में रहने संबंधी कोई वैध यात्रा या पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। विस्तृत जांच और डिजिटल फुटप्रिंट से पुष्टि हुई कि वह बिना दस्तावेजों के गैर-कानूनी रूप से भारत में रह रहा बांग्लादेशी नागरिक है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, पकड़े गए व्यक्ति की पहचान सुकांता चंद्र दास (उर्फ माधुरी), 44 वर्षीय पुरुष के रूप में हुई है। वह बांग्लादेश के ढाका जिले के गाज़ीपुर इलाके का रहने वाला है। उसके पास से मिले एक स्मार्टफोन में प्रतिबंधित आईएमए एप इंस्टॉल मिला और फोन की गैलरी में बांग्लादेशी राष्ट्रीय पहचान पत्र के दस्तावेज़ों की तस्वीरें भी मौजूद थीं, जिससे उसकी पहचान और अवैध स्थिति की पुष्टि हुई। कानूनी कार्रवाई करते हुए, फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) के समक्ष पेश किया गया है। तय प्रक्रियाओं के तहत अब देश से वापस भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह गिरफ्तारी दिल्ली पुलिस की अवैध आप्रवासन और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

कानपुर : थाने में आत्मदाह का प्रयास, बचाने गए पुलिसकर्मी भी झुलसे

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर में मंगलवार को हैरान कर देने वाली घटना सामने आई। पारिवारिक विवाद से परेशान एक युवक ने खुद को आग लगाकर आत्मदाह का प्रयास किया, जिससे न सिर्फ वह गंभीर रूप से झुलस गया, बल्कि युवक को बचाने दौड़े तीन पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। सभी को तत्काल उर्सुला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां बर्न यूनिट में उनका उपचार चल रहा है। चकेरी एसीपी के अनुसार, फुफुवार राजवीर निवासी करीब 35 वर्षीय मजदूर महेश पासवान का अपनी पत्नी पूनम से पिछले कई माह से विवाद चल रहा था।

एसआईआर प्रक्रिया पर चुनाव आयोग संयुक्त राष्ट्र के निशाने पर? भारत ने आरोपों को किया खारिज

60 दिन के अंदर जवाब देने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन एसआईआर) को लेकर संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार तंत्र से जुड़े 3 स्वतंत्र विशेषज्ञों ने भारत सरकार और निर्वाचन आयोग से जवाब तलब किया है। यूनाइटेड नेशन के विशेषज्ञों ने आशंका जताई है. यदि दस्तावेज़ सत्यापन की प्रक्रिया उचित सुरक्षा उपायों के बिना लागू की जाती है. ऐसी स्थिति में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के मतदान अधिकार प्रभावित हुये हैं. इस संबंध में यूनाइटेड नेशन ने भारत से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों,नागरिकों के राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौता (आईसीसीपीआर), के अनुरूप स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

यूनाइटेड नेशन ने पूछा है, मतदाता सूची से नाम हटाने, अपील की व्यवस्था और प्रभावित मतदाताओं के लिए उपलब्ध कानूनी उपाय के संबंध में विस्तृत जानकारी मांगी है। यह टिप्पणियां संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र विशेष प्रतिवेदकों/विशेषज्ञों की हैं. संयुक्त राष्ट्र महासभा या सुरक्षा परिषद दे अभी इस मामले में कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया है।

भारत सरकार और निर्वाचन आयोग ने आरोपों को अस्वीकार किया है। आयोग का कहना है, एसआईआर पूरी तरह संविधान, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम और निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित की जा रही है। आयोग के अनुसार किसी भी पात्र मतदाता का नाम मनमाने ढंग से नहीं हटाया जाएगा. प्रत्येक व्यक्ति को आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने और दावा-आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। आयोग ने कहा है, अंतिम मतदाता सूची जारी होने से पहले सभी वैधानिक प्रक्रियाओं का पालन किए जाने का भरोसा दिलाया है। सरकार का पक्ष है, भारत का चुनावी तंत्र स्वतंत्र और मजबूत है. मतदाता सूची का शुद्धिकरण निर्वाचन आयोग का संवैधानिक दायित्व है। सरकार ने कहा है, भारत अपने संवैधानिक और कानूनी ढांचे के अनुसार चुनाव कराता है. लोकतांत्रिक प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए सरकार और चुनाव आयोग प्रतिबद्ध है।

यह मुद्दा राजनीतिक और कानूनी बहस का विषय बन गया है. बिहार और पश्चिम बंगाल में जिस तरह से मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग किए गए हैं. उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. पश्चिम बंगाल के 27 लाख से ज्यादा मतदाताओं के मतदान अधिकार ट्रिब्यूनल में लंबित थे. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि इस बार मतदान नहीं कर पाए तो अगली बार कर देना. संयुक्त राष्ट्र में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हुई है. अंतिम स्थिति निर्वाचन आयोग की प्रक्रिया और न्यायिक समीक्षा तथा यूनाइटेड नेशन पर निर्भर करेगी।

वांगचुक की भूख हड़ताल : महुआ और उद्धव ठाकरे ने कहा सरकार को आपकी चिंता नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल का मंगलवार को 17वां दिन था, और उनके बिगड़ते स्वास्थ्य को लेकर चिंताएँ बढ़ती जा रही है। प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने उनसे अपना अनशन समाप्त करने की अपील की है, हालांकि वांगचुक केंद्र सरकार से बातचीत की अपनी मांग पर अडिग हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) संस्थापक अभिजीत दिपके ने वांगचुक के स्वास्थ्य की जानकारी देकर बताया कि उनका वज़न 8.5 किलो कम हुआ है, मांसपेशियां कमज़ोर पड़ गई हैं, और उन्हें अत्यधिक दर्द हो रहा है। उनका ब्लड प्रेशर 109/70 है। दिपके के अनशन समाप्त करने के अनुरोध पर, वांगचुक ने शांति से जवाब दिया कि सरकार को बातचीत के लिए आगे आना चाहिए, न कि उन्हें अनशन तोड़ने के लिए कहा जाए। वहीं टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा ने वांगचुक से अपील की कि उनका उद्देश्य पूरा हो चुका है, और केंद्र सरकार को उनकी परवाह नहीं है, लेकिन उनकी जान देश के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उन्हें उपवास खत्म कर लड़ाई जारी रखनी चाहिए। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आंदोलन को अपना समर्थन देकर वांगचुक से अनशन वापस लेने का आग्रह किया। दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी विरोध स्थल का दौरा कर एकजुटता व्यक्त की। यह भूख हड़ताल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ सीजेपी के विरोध-प्रदर्शन के 25वें दिन से चल रही है। दिपके ने सरकार से अहंकार की लड़ाई न बनाने का आग्रह कर कहा कि यहां इंसानी जानें दांव पर लगी हैं, और अपनी गलती मानना परिपक्वता तथा जवाबदेही की निशानी है।

टीईटी पेपर लीक से 6 लाख छात्रों का भविष्य अधर में

–राहुल गांधी का महाराष्ट्र सरकार पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने महाराष्ट्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (टीईटी) 2026 रद्द होने और पेपर लीक के आरोपों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर सवाल उठाए, जिससे करीब छह लाख उम्मीदवार अधर में लटके हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि परीक्षा रद्द होने के दो हफ्ते बाद भी कोई नई तारीख घोषित नहीं की गई है, जो इन छात्रों के भविष्य के लिए चिंता का कारण है।

अपनी पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा कि महाराष्ट्र टीईटी का पेपर लीक हुआ और परीक्षा रद्द कर दी गई। दो हफ्ते बीत चुके हैं, लेकिन नई तारीख का कोई अता-पता नहीं है, इससे 6 लाख उम्मीदवार अनिश्चितता में जी रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक करने वाले आजाद घूम रहे हैं, सिस्टम पर कोई दाग नहीं लगा है, जबकि ईमानदारी से मेहनत करने वाले छात्रों को इसकी सजा भुगतनी पड़ रही है। राहुल गांधी ने कहा कि ये छात्र ही देश के मौजूदा और भविष्य के शिक्षक हैं, जिनके हाथों में भारत का भविष्य है।

राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री फडणवीस को संबोधित कर अपनी 3 सूत्रीय मांगें रखीं। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र टीईटी का नया शेड्यूल तुरंत घोषित करने की अपील की। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया कि पेपर लीक के लिए ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, न कि उम्मीदवारों को सजा दी जाए। तीसरी मांग में उन्होंने कहा कि उन उम्मीदवारों को उम्र सीमा में छूट दी जाए जिनकी पात्रता परीक्षा टलने से प्रभावित हुई हो सकती है। राहुल गांधी ने कहा कि लाखों उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करने के लिए महाराष्ट्र सरकार को तेज़ी से कदम उठाने चाहिए और प्रशासनिक विफलता का बोझ उन मेहनती छात्रों पर नहीं पड़ना चाहिए जिन्होंने सालों तक तैयारी की है।

महिला आरक्षण पर सरकार को विपक्ष की नेता का समर्थन

–प्रियंका चतुर्वेदी ने की सभी दलों से सहमति बनाने की अपील, मानसून सत्र से पहले बढ़ी राजनीतिक हलचल

–महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने पर फिर तेज हुई चर्चा

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के आगामी मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर एक बार फिर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की पूर्व राज्यसभा सांसद और विपक्षी इंडिया गठबंधन की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की पहल का समर्थन करते हुए सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सकारात्मक रुख अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि महिला आरक्षण को वास्तविकता का रूप दिया जाए।

प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए लिखा कि यह ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी राजनीतिक दल अपने-अपने रुख पर पुनर्विचार करेंगे और महिला आरक्षण को लागू करने की दिशा में सहमति बनाएंगे। हाल के महीनों में प्रियंका कई राष्ट्रीय मुद्दों पर पार्टी लाइन से अलग स्वतंत्र राय भी रखती रही हैं।

यहां बताते चलें कि केंद्र सरकार ने संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त 2026 तक बुलाया है। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि सरकार इस दौरान महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने तथा परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को फिर से संसद में पेश करने का प्रयास कर सकती है। माना जा रहा है कि इस बार सरकार पहले पर्याप्त समर्थन सुनिश्चित करने के बाद ही विधेयक आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम कर रही है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र सरकार संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए विपक्षी दलों के साथ भी संवाद कर रही है। खबरों में दावा किया गया है कि सरकार दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित होने के बाद ही विधेयक सदन में लाना चाहती है। इसके लिए कुछ विपक्षी दलों से समर्थन या कम से कम मतदान के दौरान अनुपस्थित रहने की संभावना पर भी चर्चा होने की बात कही गई है। हालांकि, इस संबंध में सरकार की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

गौरतलब है कि इससे पहले विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण और परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं मिल पाने के कारण पारित नहीं कराया जा सका था। प्रस्तावित संशोधन में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के साथ लोकसभा की कुल सीटों में वृद्धि का भी प्रावधान शामिल होने की चर्चा रही है। मानसून सत्र से पहले महिला आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में आ गया है। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विभिन्न राजनीतिक दल इस विषय पर किस प्रकार का रुख अपनाते हैं और क्या व्यापक सहमति के साथ इस लंबे समय से लंबित मुद्दे पर आगे बढ़ा जा सकेगा।

ई-20 पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं? सरकार ने बताई वजह, दूर की उपभोक्ताओं की उलझन

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में ई-20 पेट्रोल लागू होने के बाद आम लोगों के मन में सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है, तो इसकी कीमत शुद्ध पेट्रोल या ई-10 पेट्रोल से कम क्यों नहीं है। इस पर केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि मौजूदा परिस्थितियों में ई-20 पेट्रोल का उत्पादन शुद्ध पेट्रोल से सस्ता नहीं पड़ता। सरकार के अनुसार इथेनॉल की खरीद किसानों को लाभकारी मूल्य पर की जाती है। इसके अलावा इथेनॉल के उत्पादन, परिवहन, भंडारण और आपूर्ति पर भी अतिरिक्त खर्च आता है। दूसरी ओर, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की मौजूदा कीमतों के कारण शुद्ध पेट्रोल की उत्पादन लागत अपेक्षाकृत कम पड़ रही है। यही वजह है कि ई-20 पेट्रोल उपभोक्ताओं को सस्ता उपलब्ध नहीं कराया जा सकता। केंद्र सरकार का कहना है कि इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कीमत कम करना नहीं, बल्कि कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना, विदेशी मुद्रा की बचत करना, किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना भी है। सरकार का दावा है कि इस कार्यक्रम से देश की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और लंबे समय में इसका लाभ अर्थव्यवस्था तथा उपभोक्ताओं दोनों को मिलेगा।

यूपी में कांग्रेस-सपा गठबंधन में दरारें और गहरी: इमरान ने सपा पर गंभीर आरोप

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के इंडिया गठबंधन में तनाव बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता इमरान मसूद ने सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणी के जवाब में समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता मसूद के बयान से दोनों सहयोगियों के बीच दरारें और गहरी हो गई हैं, जिससे 2024 के लोकसभा चुनावों में सफल रही यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक टिक पाएगी या नहीं, इस पर सवाल खड़े हुए हैं।

सपा नेता उदयवीर सिंह की टिप्पणियों का जवाब देकर कांग्रेस नेता इमरान मसूद ने दावा किया कि कांग्रेस के बजाय सपा को गठबंधन की ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी ही गठबंधन के लिए जोर दे रही है और इसी की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके, वरना 2022 में आप 120 का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके थे। सपा पर और कड़ा प्रहार कर मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता या अपनी बात रखने वाले नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती, और ऐसा नेता अब कांग्रेस में है।

अतीत में सपा से जुड़े प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र कर मसूद ने कहा कि उनकी पार्टी में किसका नुकसान हुआ? मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान का। कांग्रेस नेता ने इस बात को खारिज किया कि उनकी चुनावी जीत सपा के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीता हूं। चुनाव के दौरान मैंने गठबंधन में रहते हुए भी समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की।

मसूद के ये बयान उन सार्वजनिक टिप्पणियों की श्रृंखला का हिस्सा हैं, जिनसे दोनों विपक्षी पार्टियों के बीच बढ़ती बेचैनी सामने आई है, क्योंकि वे 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव के लिए खुद को तैयार कर रही हैं। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष राज कुमार सिंह पटेल के सुझाव के बाद तनाव और बढ़ गया था कि विधानसभा चुनावों के लिए सपा के साथ किसी भी संभावित गठबंधन में कांग्रेस सीटों में बराबर हिस्सेदारी की मांग करेगी। मसूद के आरोप और कांग्रेस के अन्य नेताओं की टिप्पणियां दर्शाती हैं कि 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले दोनों पार्टियों के बीच राजनीतिक समीकरण उलझते जा रहे हैं।

रिटायरमेंट की तैयारी अपनी शर्तों पर, आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स से मिलेगी उम्रभर आर्थिक सुरक्षा

रांची/जमशेदपुरः भारत की आबादी में तेजी से बदलाव आ रहा है। आज देश दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में गिना जाता है, लेकिन आने वाले वर्षों में बुजुर्गों की संख्या भी तेजी से बढ़ने वाली है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार, वर्ष 2036 तक देश का हर सातवाँ व्यक्ति वरिष्ठ नागरिक होगा और उनकी संख्या बढ़कर करीब 23 करोड़ तक पहुँच जाएगी।

पहले के मुकाबले लोगों में जीवन की प्रत्याशा काफी बढ़ी है। वहीं, रिटायरमेंट के बाद पूरी तरह परिवार या अगली पीढ़ी पर निर्भर रहने का चलन भी धीरे-धीरे बदल रहा है। ऐसे में, रिटायरमेंट की पहले से योजना बनाना अब सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि समय की जरूरत बन गया है।

इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस ने आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स की पेशकश की है। यह बोनस से जुड़ा पेंशन प्लान है, जिसे सुरक्षा और लचीलेपन दोनों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इस प्लान के जरिए ग्राहक रिटायरमेंट के लिए धीरे-धीरे एक अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। इसमें निवेश की गई पूँजी सुरक्षित रहती है। साथ ही, किसी बड़ी जरूरत, जीवन की महत्वपूर्ण परिस्थितियों या गंभीर बीमारी के समय आंशिक निकासी (पार्शियल विदड्रॉल) की सुविधा भी मिलती है, ताकि जरूरत के समय पैसों की कमी न हो और परिवार की आर्थिक सुरक्षा भी बनी रहे।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर विकास गुप्ता ने कहा, हमारा मानना है कि रिटायरमेंट जिंदगी का ऐसा पड़ाव होना चाहिए, जिसे लोग खुशी के साथ जी सकें, न कि पैसों की चिंता के साथ। आईसीआईसीआई प्रू गोल्ड पेंशन सेविंग्स को इसी सोच के साथ तैयार किया गया है। यह प्लान बोनस के जरिए फंड बढ़ाने का मौका देता है और जरूरत पड़ने पर बड़ी जीवन संबंधी परिस्थितियों या गंभीर बीमारी के दौरान पैसे निकालने की सुविधा भी प्रदान करता है। इसमें ग्राहक जरूरत पड़ने पर जमा राशि का 25% तक निकाल सकते हैं। साथ ही, रिटायरमेंट के लिए एक अच्छा फंड भी तैयार होता है। यही नहीं, इस प्लान के साथ ग्राहकों को बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के हेल्थ चेक-अप जैसी स्वास्थ्य और वेलनेस सेवाएँ भी मिलती हैं, जिससे यह रिटायरमेंट की योजना बनाने वालों के लिए और भी उपयोगी बन जाता है।

किसानों के लिए आफत, मानसून की कमी और अधिकारियों की लापरवाही ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मानसून में कमी के कारण नीति-निर्माताओं को खरीफ की बुवाई की चिंता सता रही है। इसी बीच, सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट में फसल के रकबे और खाद्य उत्पादन पर नजर रखने वाले कृषि डेटा कलेक्शन सिस्टम में भारी कमियां मिली हैं। जमीनी स्तर के डेटा का इस्तेमाल कृषि लागत और मूल्य आयोग उत्पादन लागत का हिसाब लगाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुमान तैयार करने के लिए करता है। सरकार इन अनुमानों के आधार पर खाद्य सुरक्षा से जुड़े अहम फैसले लेती है, जैसे कि महंगाई को काबू करने के लिए निर्यात पर रोक लगाना, आयात शुल्क में बदलाव करना या आपातकालीन बफर स्टॉक जारी करना।

नेशनल लेवल पर रिपोर्ट से पता चलता है कि गिरदावरी जो फसल के आंकड़ों का आधार है और जिसका मतलब है कि गांव के रेवेन्यू अधिकारियों द्वारा फसल की गिनती के लिए की जाने वाली सरकारी जांच, देश के आधे से भी कम हिस्से में समय पर पूरी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में 2023-24 के दौरान गिरदावरी पूरी न होने के मामले चिंताजनक रूप से ज्यादा थे। नतीजतन, शुरुआती खरीफ में सिर्फ 43फीसदी सैंपल गांवों में देर से खरीफ के दौरान 46फीसदी में, रबी के दौरान 48फीसदी में और गर्मी के मौसम में 33फीसदी गांवों में ही यह काम समय पर पूरा हो पाया।

पिछले हफ्ते जारी फसल आंकड़ा प्रणाली की समीक्षा नाम की रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी राज्यों में गिरदावरी का काम समय पर पूरा करने के लिए संबंधित राज्य अधिकारियों को उचित कदम उठाने की जरूरत है। इसके अलावा, रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 63 फीसदी गांव के नक्शे जो बदले हुए प्लॉट और जमीन के इस्तेमाल की सीमाओं का पता लगाने के लिए जरूरी हैं। इससे पता चलता है कि ये नक्शे शायद निर्माण और शहरीकरण की वजह से हुए बदलावों को सही ढंग से नहीं दिखाते होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि पुराने नक्शों के इस्तेमाल से सर्वे नंबरों की पहचान करने में दिक्कतें आती हैं। इसलिए नक्शों को नियमित रूप से अपडेट करना जरूरी है।

रिपोर्ट में यह भी पाया गया कि औसत पैदावार का आकलन करने और अनाज के कुल उत्पादन का हिसाब लगाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले वैज्ञानिक आधार यानी क्रॉप-कटिंग एक्सपेरिमेंट, ऐसे अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे थे जिन्हें राजस्व अधिकारियों ने यह काम सौंपा था। रिपोर्ट के मुताबिक 2023-24 में सीसीई की कुल संख्या करीब 12 लाख होने का अनुमान था। झारखंड और उत्तर प्रदेश में 40फीसदी तक सीसीई अप्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा किए गए, जबकि मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में 10फीसदी से ज्यादा सीसीई कनिष्ठ (जूनियर) कर्मचारियों द्वारा किए गए।

सड़कों पर जमा बारिश का पानी, आवागमन करने में हो रही है परेशानी

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में बीते दिनों लगातार झमाझम बारिश से कच्ची सड़कों का हाल-बेहाल हो गया है। बारिश होने से कच्ची सड़कों पर पानी जमा हो गया है। इससे स्थानीय लोगों व राहगीरों को आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार प्रखंड के उत्तर पलाशगाछी पंचायत अंतर्गत बरकत मोड़ से मध्य विद्यालय पातू टोला के बीच मुख्य सड़क जलमग्न हो गया है। इसके अलावा पंचायत के सीमा शुरू क्षेत्र मध्य विद्यालय पलाशगाछी से हाजी खुशरुद्दीन

टोला से पातू टोला मध्य विद्यालय तक कच्ची सड़क पर बारिश की पानी से जर्जर व कीचड़मय हो गया है। दरअसल यहां हल्की बारिश होते ही पानी जमा हो जाता है। इससे आवागमन करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों को पैदल यात्रा करना काफी मुश्किल हो गया है। छात्रों को विद्यालय आने-जाने एवं अन्य लोगों को रोजमर्रा कार्य के लिए आवागमन करने में काफी दिक्कत हो रही है। दरअसल पातू टोला मध्य विद्यालय से बरकत मोड़ तक मुख्य सड़क किनारे जल निकासी के लिए नाला नहीं होने से घरों का बहता पानी एवं बारिश का पानी सड़क पर जमा हो जाता है।ग्रामीण मोबारक शेख,असराफ अली,मेरजुल हक,रफीक शेख,बरकत शेख,मोफाजुल शेख,हुकमत शेख,सुलतान शेख,साबिर अहमद,जियाउल शेख सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि हल्की बारिश होने से सड़क पर बारिश का पानी जमा हो जाता है। यहां पर्याप्त जल निकासी नहीं होने से कई दिनों तक पानी जमा रहता है। इससे लोगों को काफी पैदल यात्रा परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही छोटे बच्चों को विद्यालय आने-जाने में दिक्कतें आती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से स्थाई समाधान की मांग की है।

दो घंटे थमा सफरः झपाई पुल पर बारिश का पानी चढ़ा, दर्जनों गांवों का संपर्क प्रभावित

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । राजमहल प्रखंड के तीनपहाड़ एवं आसपास के इलाकों में सोमवार रात से जारी मूसलाधार बारिश ने मंगलवार सुबह जनजीवन की रफ्तार थाम दी। तीनपहाड़झराजमहल मुख्य मार्ग पर बभनगामा मोड़ स्थित झपाई पुल पर बारिश का पानी चढ़ जाने से करीब दो घंटे तक आवागमन पूरी तरह ठप रहा। वहीं सुबह छह बजे से आठ बजे तक पुल के दोनों ओर छोटे-बड़े वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। लालबन, परड़िया, कांजीगांव, कल्याणचक समेत आसपास के दर्जनभर गांवों का संपर्क मुख्य मार्ग से प्रभावित हो गया। जरूरी काम से निकलने वाले लोगों और स्कूली विद्यार्थियों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। वहीं जलस्तर घटने के बाद प्रशासन की निगरानी में पुल से

आवागमन दोबारा शुरू कराया गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। लगातार हो रही बारिश से जहां आम लोगों को आवाजाही में परेशानी उठानी पड़ी, वहीं किसानों के चेहरे खिल उठे। उनका कहना है कि धान की खेती के लिए यह बारिश काफी लाभदायक साबित होगी। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बारिश के मौसम में झपाई पुल जैसे संवेदनशील स्थलों की नियमित निगरानी की जाए और जलनिकासी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में लोगों को इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

संक्षिप्त खबरें

मानवाधिकार संगठन ने जय कुमार ठाकुर को सौंपी साहिबगंज की कमान, बने जिला अध्यक्ष

साहेबगंज(बिभा) । राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई जागरूकता संगठन, भारत ने साहेबगंज जिले में अपने संगठनात्मक विस्तार के तहत धनजोरी निवासी जय कुमार ठाकुर को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सांगेश कुमार भाटी द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से उन्हें यह दायित्व सौंपा गया। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष जय कुमार ठाकुर जिले में मानवाधिकार संरक्षण, आरटीआई के प्रति जागरूकता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्हें भ्रष्टाचार, शोषण, भय, मानवाधिकार हनन, आतंकवाद तथा पर्यावरण संबंधी मामलों पर नजर रखते हुए संबंधित घटनाओं की जानकारी शासन- प्रशासन तक पहुंचाने और पीड़ितों को न्याय दिलाने में सहयोग करने की जिम्मेदारी दी गई है। नियुक्ति के बाद जय कुमार ठाकुर ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और मानवाधिकारों की रक्षा तथा जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता के साथ उठाएंगे।

उधवा में आज होगी गुरु गोष्ठी आयोजित

उधवा (बिभा)। उधवा प्रखंड मुख्यालय स्थित उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय गड़ल्ली में आज (बुधवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे सभी सचिवों की गुरु गोष्ठी आयोजित की जाएगी। इसकी जानकारी देते हुए प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अटल बिहारी भगत ने बताया कि बुधवार को पूर्वाह्न 11:00 बजे उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय,प्राथमिक विद्यालय,उत्क्रमित मध्य विद्यालय,मध्य विद्यालय,उत्क्रमित उच्च विद्यालय,मदरसा एवं उच्च विद्यालय के प्रधान शिक्षकों व प्रधान मौलवी के साथ गुरु गोष्ठी का आयोजन किया गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि सभी विद्यालयों के सचिवों को इसकी सूचना दे दी गई है।

जाति प्रमाण-पत्र सत्यापन में अनियमितता, सुतियारपाड़ा की मुखिया से तीन दिनों में मांगा गया स्पष्टीकरण

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड के सुतियारपाड़ा ग्राम पंचायत में जाति प्रमाण-पत्र के सत्यापन में लापरवाही का एक गंभीर मामला सामने आया है। इस संदर्भ में अंचलाधिकारी उधवा आशीष कुमार मंडल ने कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप में सुतियारपाड़ा की मुखिया आरती टुडू से स्पष्टीकरण मांगा है। दरअसल मस्तापुर (मोमिन टोला) निवासी सोफियान अंसारी द्वारा जाति प्रमाण-पत्र के लिए दिए गए एक आवेदन की जांच के दौरान यह पाया गया कि मुखिया ने आवेदन के अलग- अलग पृष्ठों पर दो भिन्न-भिन्न वंशावलियों को प्रमाणित कर दिया था। अंचलाधिकारी ने इसे अत्यंत गंभीर मानते हुए मुखिया को तीन दिनों के भीतर स्पष्टीकरण समर्पित करने का निर्देश दिया है। अन्यथा उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू करने की चेतावनी दी गई है। इस संदर्भ में अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने बताया कि उनके संज्ञान में इस प्रकार की लापरवाही का यह पहला मामला आया है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि मुखिया स्तर पर इतनी लापरवाही और बिना जांच-पड़ताल के वंशावली का सत्यापन किया जाएगा तो अपात्र और गलत लोगों को भी महत्वपूर्ण प्रमाण-पत्र (जाति,आवासीय व आय) निर्गत हो सकते है। ऐसे फजीर्वाड़े की रोकथाम और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अंचल प्रशासन ने कड़े कदम उठाए है।

आंगनबाड़ी केंद्र के रसोईघर का दरवाजा तोड़ चोरी, 14 किलो गैस सिलेंडर और बर्नर गायब

राजमहल(बिभा)। राजमहल थाना क्षेत्र के कासिम बाजार स्थित हिंदी बालक विद्यालय परिसर में संचालित आंगनबाड़ी केंद्र (संख्या 104) के रसोई घर में अज्ञात चोरों ने तोड़फोड़ कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। यह घटना मंगलवार की रात की बताई जा रही है, जब केंद्र बंद था। वही सुबह जब सेविका मीना देवी नियमित समय पर आंगनबाड़ी पहुँचीं तो उन्होंने देखा कि रसोईघर का दरवाजा टूटा हुआ है और अंदर का सामान बिखरा पड़ा है। तुरंत जाँच करने पर पता चला कि 14 किलो क्षमता वाला भरा हुआ गैस सिलेंडर और गैस चूल्हे का बर्नर गायब था। हालाँकि, रसोई में रखा राशन का सामान -जो एक बोरी में पैक किया हुआ था- चोर ले जाना भूल गए या उसे छोड़कर भाग गए। साथ ही सेविका ने घटना की सूचना तुरंत अपने वरीय पदाधिकारी को दे दी है। सूचना मिलने के बाद आंगनबाड़ी केंद्र के प्रशासन ने मामले की गंभीरता को देखते हुए राजमहल थाना को भी अवगत कराया है। पुलिस ने मौका-मुआयना कर लिया है और फिलहाल अज्ञात चोरों की तलाश जारी है।

राजमहल में विद्युत बोर्ड का विशेष शिविर, उपभोक्ताओं की समस्याओं का मौके पर निपटारा

राजमहल(बिभा)। विद्युत उपभोक्ताओं को राहत देने तथा राजस्व संग्रहण को गति देने के उद्देश्य से मंगलवार को स्थानीय सिंधी दलान परिसर में बिजली बोर्ड की ओर से एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। इस शिविर में उपभोक्ताओं से सीधा संवाद कर उनकी बिजली से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान किया गया। वही बिजली बोर्ड के पदाधिकारी नंदलाल माझी ने बताया कि कैंप का मुख्य उद्देश्य लोगों को दूर-दराज कार्यालयों के चक्कर लगाने से बचाना और उनकी शिकायतों को मौके पर ही सुनकर निस्तारण करना है। साथ ही, उपभोक्ताओं को बिजली बिल, नए कनेक्शन, लोड बढ़ाने तथा अन्य तकनीकी मामलों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्रदान की गई। वही शिविर के दौरान विद्युत बोर्ड ने राजस्व वसूली का भी कार्य किया, जिससे क्षेत्र के कई उपभोक्ताओं ने अपने बकाया बिल जमा कर राहत महसूस की।

डिजिटल साक्षरता अभियान से ग्रामीणों को किया जागरूक, एनएसएस विशेष शिविर के छठे दिन चला शिक्षा अभियान

बिभा संवाददाता

राजमहल । मॉडल कॉलेज राजमहल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई-1 एवं इकाई-2 के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन गोद लिए गए ग्राम सालबनी एवं भोटोटोला में डिजिटल साक्षरता एवं शिक्षा जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और विद्यार्थियों को डिजिटल तकनीक के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन सेवाओं और शिक्षा के महत्व की जानकारी दी गई। वहीं स्वयंसेवियों ने ग्रामीणों को स्मार्टफोन के सुरक्षित उपयोग, यूपीआई और ऑनलाइन बैंकिंग, साइबर सुरक्षा, डिजिलॉकर, आधार आधारित सेवाएं, ऑनलाइन छात्रवृत्ति आवेदन, ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म तथा सोशल मीडिया के जिम्मेदार उपयोग के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही बच्चों और अभिभावकों को नियमित विद्यालय जाने तथा डिजिटल माध्यमों से ज्ञान अर्जित

करने के लिए प्रेरित किया। वहीं शिविर के बौद्धिक सत्र में सिदो-कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. धनंजय मिश्रा मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि डिजिटल साक्षरता आज सामाजिक और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बन चुकी है। उन्होंने स्वयंसेवियों से ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल विभाजन कम करने और लोगों को तकनीक के सकारात्मक उपयोग के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने शिविर का निरीक्षण भी किया। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने डॉ. धनंजय मिश्रा का अंगवस्त्र एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवाओं में सेवा, अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करती है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्क्रीन टाइम की बजाय एक्टिविटी टाइम पर अधिक ध्यान देने की अपील करते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वयंसेवियों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया जाता है। वहीं कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेविका लक्ष्मी ने समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण पर आधारित प्रेरणादायक शायरी प्रस्तुत की, जिसने उपस्थित स्वयंसेवियों और ग्रामीणों को भावुक कर दिया। वहीं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. रमजान अली एवं डॉ. अमित कुमार ने शिविर की गतिविधियों का संचालन करते हुए बताया कि विशेष शिविर के माध्यम से स्वयंसेवी शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, नशामुक्ति, मतदाता जागरूकता और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों पर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं कार्यक्रम के समापन पर स्वयंसेवियों ने ग्रामीणों को डिजिटल तकनीक का सुरक्षित उपयोग करने, साइबर अपराधों से सतर्क रहने तथा प्रत्येक परिवार में शिक्षा और डिजिटल ज्ञान को बढ़ावा देने का संकल्प दिलाया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा जताई।

आज साहेबगंज में बजेगा सायरन, होगा ब्लैकआउट ; घबराएं नहीं, यह सिर्फ मॉक ड्रिल है

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। यदि बुधवार 15 जुलाई को साहेबगंज में अचानक सायरन बजे, कुछ देर के लिए ब्लैकआउट हो जाए या पुलिस-प्रशासन राहत एवं बचाव अभ्यास करता दिखाई दे, तो घबराने की जरूरत नहीं है। यह भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित सिविल डिफेंस एयर रेड ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का हिस्सा होगा। जिसको लेकर मंगलवार को विकास भवन सभागार में अपर समाहर्ता विजय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित अंतिम समीक्षा बैठक में मॉक ड्रिल की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। उन्होंने बताया कि अभ्यास का उद्देश्य किसी भी हवाई हमले, आपदा या आपातकालीन स्थिति में प्रशासन की त्वरित प्रतिक्रिया, विभिन्न एजेंसियों के समन्वय और नागरिकों की सुरक्षा तैयारियों का परीक्षण करना है। वहीं मॉक ड्रिल 15 जुलाई को शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक तीन प्रमुख स्थानों पर आयोजित होगी। प्रखंड कार्यालय

साहिबगंज और संध्या कॉलेज साहेबगंज में शाम 4 बजे अभ्यास शुरू होगा, जबकि साहिबगंज रेलवे स्टेशन पर रात 8 बजे विशेष ब्लैकआउट और रेस्क्यू अभ्यास किया जाएगा। वहीं अभ्यास के दौरान हवाई हमले की चेतावनी के संकेत के रूप में सायरन बजाया जाएगा। निर्धारित समय के लिए ब्लैकआउट किया जाएगा, जिसमें लोगों से बिजली, इन्वर्टर और अन्य कृत्रिम प्रकाश स्त्रोत बंद रखने का अनुरोध किया जाएगा। साथ ही सुरक्षित स्थानों तक निकासी, प्राथमिक उपचार, राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। इस मॉक ड्रिल में जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस और विभिन्न स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय भागीदारी रहेगी। पूरे अभ्यास की निगरानी के लिए शैडो कंट्रोल रूम, ड्रोन और वीडियो रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है।

बिरसा कृषि रथ से जागरूक हुए किसान, अच्छी बारिश से 30% खेतों में पूरी हुई धान रोपाई

बिभा संवाददाता

तालझारी । तालझारी प्रखंड में एक ओर बिरसा कृषि रथ ने गांव-गांव पहुंचकर किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया, वहीं अच्छी बारिश ने धान रोपाई के कार्य को नई गति दे दी है। कृषि विभाग के अनुसार प्रखंड के लगभग 30 प्रतिशत खेतों में धान की रोपाई पूरी हो चुकी है और मौसम अनुकूल रहने पर शेष क्षेत्रों में भी जल्द यह कार्य पूरा होने की उम्मीद है। वहीं बिरसा कृषि रथ भ्रमण कार्यक्रम के अंतिम दिन करणपुरातो, मसकलैया, कल्याणी और मोती झरना पंचायतों का दौरा किया गया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि कर्मियों ने किसानों को खरीफ फसलों की वैज्ञानिक खेती, धान रोपाई की उन्नत विधि, पौधा संरक्षण,

संतुलित उर्वरक उपयोग तथा सरकार की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी दी। किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया और उन्हें बेहतर उत्पादन के लिए वैज्ञानिक सलाह दी गई। वहीं कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे समय पर धान रोपाई पूरी करें, आवश्यकतानुसार संतुलित उर्वरकों का उपयोग करें तथा फसलों की नियमित निगरानी करते रहें, ताकि बेहतर उपज प्राप्त हो सके। कार्यक्रम का आयोजन कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा), साहेबगंज के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर बीटीएम राजीव सिन्हा, एटीएम आदर्श कुमार महतो तथा पौधा संरक्षण केंद्र, तालझारी के ओम प्रकाश पंडित मौजूद आदि मौजूद रहे।

'नमस्ते दिवस' पर सफाई मित्रों का सम्मान, स्वास्थ्य जांच और सुरक्षा का मिला संबल

बिभा संवाददाता

राजमहल । नगर पंचायत राजमहल ने बुधवार को नमस्ते दिवस को सफाई मित्रों के सम्मान और उनके कल्याण के नाम समर्पित किया। नगर पंचायत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सफाई कर्मियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यकुशलता को केंद्र में रखते हुए कई महत्वपूर्ण गतिविधियों का आयोजन किया गया। वहीं कार्यक्रम का शुभारंभ नगर अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख और उपाध्यक्ष मो. मारूफ ने दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद नगर पंचायत के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित ऑनलाइन क्षमता संवर्धन सत्र में भाग लिया, जिसमें सफाई मित्रों के अधिकार, व्यावसायिक सुरक्षा और सम्मान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर जानकारी

दी गई। सफाई कर्मियों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण सत्र में कार्यस्थल पर सुरक्षा उपाय, स्वच्छता, स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां, पीपीई किट के सही उपयोग और सुरक्षित कार्य प्रणाली पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाकर सफाई मित्रों के स्वास्थ्य परीक्षण भी किए गए। कार्यक्रम के दौरान स्वच्छता व्यवस्था में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई मित्रों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा सभी सफाई कर्मियों को व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट वितरित की गई, ताकि वे सुरक्षित माहौल में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें। इस अवसर पर नगर पंचायत के वार्ड पार्षद, पदाधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में सफाई मित्र मौजूद रहे। नगर पंचायत ने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में सफाई मित्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा व सम्मान के लिए हर संभव प्रयास जारी रहेंगे।

किशोरियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा का संदेश, विभिन्न योजनाओं की दी गई जानकारी

बिभा संवाददाता

राजमहल। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के मार्गदर्शन में राजमहल प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय मंगलहाट एवं पंचायत भवन तीनपहाड़ में किशोरियों के शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालिकाओं को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। वहीं कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत तथा सखी वन स्टॉप सेंटर की सेवाओं और लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई। वहीं अधिकारियों ने किशोरियों को उनके संवैधानिक

अधिकार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, पोषण, मासिक धर्म स्वच्छता तथा आत्मविश्वास के महत्व से अवगत कराया। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इसके खिलाफ जागरूक रहने का आह्वान किया। वहीं कार्यक्रम में बताया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा, उत्पीड़न या किसी भी संकट की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से चिकित्सा सहायता, कानूनी परामर्श, मनोसामाजिक परामर्श, अस्थायी आश्रय सहित अन्य आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती हैं। वहीं मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया तथा सुरक्षित एवं स्वच्छ मासिक धर्म प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने का संदेश दिया गया। मौके पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (सी-3) मो. खालिद, प्रोटेक्शन ऑफिसर चंदा कुमारी, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। वहीं अधिकारियों ने कहा कि शिक्षित, स्वस्थ, सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बालिका ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने किशोरियों से शिक्षा को प्राथमिकता देने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने और सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का आह्वान किया।

गंगा का बढ़ता जलस्तर, अलर्ट मोड में प्रशासन; बाढ़ से निपटने की तैयारी तेज

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के साथ ही साहेबगंज अंचल प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। संभावित बाढ़ की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियां तेज कर दी हैं, ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावित लोगों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके। अंचल कार्यालय की ओर से जारी निदेर्शों के अनुसार संभावित बाढ़ प्रभावित पंचायतों में राहत शिविरों की व्यवस्था की जा रही है। इन शिविरों में शौचालय, स्वच्छ पेयजल और निर्बाध बिजली जैसी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे जरूरत पड़ने पर विस्थापित परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। मानव जीवन के साथ-साथ पशुधन की सुरक्षा को भी प्राथमिकता दी गई है। अंचल अधिकारी ने प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया और पंचायत समिति सदस्यों को निर्देश दिया है कि पशु राहत शिविरों को भी पूरी तरह तैयार रखें, ताकि बाढ़ की स्थिति बनने पर मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके। वहीं, अंचल निरीक्षकों और राजस्व उप निरीक्षकों को क्षेत्र में लगातार निगरानी रखने और राहत शिविरों की तैयारियों का भौतिक सत्यापन करने का निर्देश दिया गया है। सभी अधिकारियों से विस्तृत प्रतिवेदन शीघ्र अंचल कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया है, जिसे संकलित कर अपर समाहर्ता को भेजा जाएगा। प्रशासन का कहना है कि स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और किसी भी आपात परिस्थिति से निपटने के लिए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रखा गया है।

जोस बटलर ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, 200वां वनडे मैच खेलने वाले इंग्लैंड के दूसरे खिलाड़ी बने

बर्मिंघम। जोस बटलर ने मंगलवार को अपने शानदार इंटरनेशनल करियर में एक और उपलब्धि हासिल की। एजबेस्टन में भारत के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मैदान पर उतरते ही वे इंग्लैंड के लिए 200 वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले दूसरे क्रिकेटर बन गए। यह अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन (225 वनडे) के साथ एक खास क्लब में शामिल हो गए। उन्होंने यह उपलब्धि फरवरी 2012 में दुबई में पाकिस्तान के खिलाफ अपने वनडे डेब्यू के 14 साल बाद हासिल की।

एक रोमांचक युवा फिनिशर से लेकर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में बदलाव लाने वाले मुख्य खिलाड़ियों में से एक बनने तक, बटलर लिमिटेड-ओवर्स क्रिकेट में टीम के एक ग्लोबल ताकत के रूप में उभरने में अहम रहे हैं। 34 वर्षीय खिलाड़ी ने 171 पारियों में 39.11 की औसत और 115.20 के शानदार स्ट्राइक रेट से 5,515 रन बनाए हैं। उन्होंने 11 शतक और 29 अर्धशतक जड़े हैं, जिसमें नाबाद 162 रन उनका सर्वोच्च स्कोर है।

इंग्लैंड के वनडे सेटअप पर बटलर का असर सिर्फ आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है। उनके निडर स्ट्रोकप्ले ने टीम की बल्लेबाजी की सोच को बदलने में मदद की, जबकि 2015 में पाकिस्तान के खिलाफ 46 गेंदों में लगाया गया उनका शतक इस फॉर्मेट में इंग्लैंड का सबसे तेज शतक है। वे एकमात्र ऐसे इंग्लिश बल्लेबाज हैं जिन्होंने 50 या उससे कम गेंदों में तीन वनडे शतक लगाए हैं और नंबर 5 या उससे नीचे बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा (आठ) वनडे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उनके नाम है।

बटलर के करियर का एक यादगार पल लॉर्ड्स में 2019 ICC मेन्स क्रिकेट वर्ल्ड कप फाइनल में आया। मार्टिन गुप्टिल को रन-आउट करके उन्होंने एक यादगार सुपर ओवर के बाद इंग्लैंड को उसका पहला 50-ओवर का वर्ल्ड कप खिताब जिताया, जबकि मैच में पहले लगाई गई उनकी संयमित अर्धशतकीय पारी भी उतनी ही अहम साबित हुई। मॉर्गन के रिटायरमेंट के बाद बटलर इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान बने और ऑस्ट्रेलिया में 2022 ICC पुरुष टी20 वर्ल्ड कप का खिताब टीम को जिताया। इसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी।

उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन और आक्रामक खेलने के तरीके ने उन्हें इस फॉर्मेट के महान खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 5000 वनडे रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सिर्फ पाकिस्तान के दिग्गज शाहिद अफरीदी का स्ट्राइक रेट बटलर के 115.20 से ज़्यादा है। वह 2500 से ज्यादा वनडे रन बनाने वाले इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं जिनका औसत 36 से ज्यादा और स्ट्राइक रेट 110 से ज्यादा है। इसके अलावा उनके 184 ODI छक्के एक्टिव खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं; उनसे आगे सिर्फ भारत के रोहित शर्मा हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए बटलर ने कहा कि इससे उन्हें उस उत्साह की याद आ गई जो उन्होंने पहली बार इंग्लैंड के लिए खेलते समय महसूस किया था। बटलर ने इंस्टाग्राम पर इंग्लैंड क्रिकेट द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में कहा, 'हां, बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट

सिंधू की शानदार शुरुआत

मलेशिया की वोंग लिंग चिंग के खिलाफ आसानी से जीत दर्ज की

डलास, एजेंसी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए महिला एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को खेले गए पहले दौर के मुकाबले में विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने मलेशिया की वोंग लिंग चिंग को 21-14, 21-11 से हराकर आसानी से जीत दर्ज की।

आक्रामक खेल दिखाया, सिंधू ने शुरू से बनाए रखा दबदबा

सिंधू ने मुकाबले की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लंबी रैलियों में नियंत्रण बनाए रखते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की और पहले गेम के इंटरवल तक 11-6 से आगे रहीं। इसके बाद उनके सटीक ड्रॉप शॉट, बैकहैंड और हाफ-स्मैश ने मलेशियाई खिलाड़ी पर लगातार दबाव बनाए रखा। भारतीय स्टार ने पहला गेम 21-14 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी उन्होंने विरोधी खिलाड़ी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सिंधू ने जल्द ही 8-2 की बढ़त बनाई और इंटरवल तक स्कोर 11-3 कर दिया। इसके बाद उन्होंने लगातार अंक जुटाते हुए 21-11 से गेम और मैच जीत लिया।

ध्रुव-तनीशा की जोड़ी भी दूसरे दौर में

मिश्रित युगल में भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो ने भी शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय जोड़ी ने स्कॉटलैंड के एलेक्जेंडर डन और जूली मैकफर्सन को 21-16, 21-14 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।हालांकि भारत को मिश्रित युगल में एक निराशा भी हाथ लगी। रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गद्दे की जोड़ी पहले ही दौर में शीर्ष वरीय चीन के फेंग यान झे और हुआंग डोंग पिंग के खिलाफ टिक नहीं सकी। चीनी जोड़ी ने मुकाबला 21-11, 21-10 से जीतकर भारतीय खिलाड़ियों का अभियान समाप्त कर दिया। अब भारतीय बैडमिंटन प्रेमियों की नजरें दूसरे दौर में पीवी सिंधू और ध्रुव-तनीशा की जोड़ी पर होंगी। सिंधू यदि अपनी मौजूदा लय बरकरार रखती हैं तो जापान ओपन में खिताब की दावेदारों में मजबूती से बनी रह सकती हैं।

खेल मंत्रालय ने जूडो महासंघ को सशर्त मान्यता दी

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल मंत्रालय ने भारतीय जूडो महासंघ (जेएफआई) के अंतरिम निकाय को सशर्त मान्यता दे दी है, जिसका चुनाव दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले महीने हुआ था। मंत्रालय ने इसके साथ ही चेतावनी दी कि अगर वह अदालत के निर्देशों का पालन नहीं करेगा तो उसे निलंबित कर दिया जाएगा।

जेएफआई का संचालन 2022 से अदालत से नियुक्त प्रशासक कर रहे थे। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल फरवरी में अपने फैसले में निकाय को वार्षिक आम बैठक बुलाने और इस साल की शुरुआत में लागू किए गए राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा था। इसके बाद महासंघ ने अंतरिम कार्यकारी समिति का चुनाव किया, जिसके अध्यक्ष मुकेश कुमार हैं जबकि बानी ब्राता दास महासचिव और शैलेश तिलक कोषाध्यक्ष हैं।

मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा, 'यह फैसला किया गया है कि भारतीय जूडो महासंघ की कार्यकारी समिति (अंतरिम निकाय) को तत्काल प्रभाव से मान्यता दी जाए।' इसमें कहा गया है, 'यह मान्यता दिल्ली उच्च न्यायालय तथा अन्य माननीय उच्च न्यायालयों में लंबित जेएफआई की कार्यकारी समिति के चुनावों से संबंधित चल रहे मामलों के परिणाम पर निर्भर करेगी।' मंत्रालय ने कहा कि उच्च न्यायालय के निर्देशों का सख्ती से पालन नहीं कर पाने पर मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

अधिसूचना के अनुसार, 'अंतरिम निकाय की ओर से किसी भी चूक और किसी भी तरह की गंभीर अनियमितता की स्थिति में मान्यता को रद्द किया जा सकता है।' मंत्रालय ने अदालत के निर्देशानुसार जेएफआई को कार्यकारी समिति के अंतिम चुनाव कराने के लिए कहा है।

मंत्रालय ने कहा, 'जेएफआई के अंतरिम निकाय को दिल्ली उच्च न्यायालय के 12 फरवरी के आदेश के अनुसार निर्धारित समय सीमा के भीतर राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम, 2025 और उसके नियमों के अनुरूप अपना संविधान संशोधित करना होगा।' मंत्रालय ने जेएफआई से उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन किए जाने की मौजूदा स्थिति पर मासिक रिपोर्ट देने के लिए भी कहा है।

जेएफआई ने जून में हुए चुनावों में शीर्ष तीन अधिकारियों के अलावा चार उपाध्यक्ष और चार संयुक्त सचिव भी चुने। इनमें से एक पदाधिकारी पूर्व टेनिस खिलाड़ी मनीषा मल्होत्रा हैं, जो खेल प्रबंधन में भी सक्रिय रूप से शामिल रही हैं।

एशियन अंडर-19 बॉक्सिंग चैंपियनशिप: भारत के नौ मुक्केबाज फाइनल में, छह कांस्य पदक भी पक्के

जकार्ता, एजेंसी। एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। सोमवार को खेले गए अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबलों में भारत के नौ मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई, जबकि छह मुक्केबाजों ने कांस्य पदक अपने नाम किए।

महिला वर्ग में भारत का दबदबा

अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठों मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। चाहत (60 किग्रा) ने चीनी ताइपे की पेई-चुन त्साई को 5-0 से हराया। अंशिका (75 किग्रा) ने चीनी ताइपे की आन-ची त्सेंग को पहले राउंड में आरएससी (रेफरी स्टॉप्ड कॉन्टेस्ट) से मात दी। मेघा श्योकंद (80 किग्रा) की प्रतिद्वंद्वी वियतनाम की मुक्केबाज मुकाबला जारी नहीं रख सकीं, जिससे मेघा सीधे फाइनल में पहुंच गईं। प्राची तोकस (+81 किग्रा) ने चीनी ताइपे की शू-शियान वांग को पहले राउंड में आरएससी से हराकर फाइनल का टिकट कटाया। इससे पहले जीत दर्ज करने वाली भारतीय मुक्केबाजों के साथ अब अंडर-19 महिला वर्ग में भारत की सभी आठ खिलाड़ी फाइनल में पहुंच चुकी हैं।

अंडर-19 में दो भारतीय फाइनल में

पुरुष वर्ग में भारत के दो मुक्केबाजों ने फाइनल में जगह बनाई। आदित्य (55 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया के ह्योनमिन ली को दूसरे राउंड में आरएससी से हराया। शुभम राजपूत (90 किग्रा) ने किर्गिस्तान के आइतबेक बेर्दिमुरातोव को 3-2 के करीबी मुकाबले में शिकस्त दी। वहीं, सेमीफाइनल में हारने वाले छह भारतीय मुक्केबाजों को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

अंडर-23 महिला वर्ग

महिला वर्ग में पांच भारतीय मुक्केबाज फाइनल में पहुंचीं। निशा (54 किग्रा) ने दक्षिण कोरिया की ह्योजू ली को हराया। निकिता चंद (60 किग्रा) ने जापान की सारी कोकुफू को मात दी। काजल (65 किग्रा) ने किर्गिस्तान की गुलजीना मेल्सवेक को हराया। इस मुकाबले में रेफरी को भारतीय मुक्केबाज के दबदबे के कारण मुकाबला रोकना पड़ा।

भारतीय टेबल टेनिस ने रचा इतिहास

मानव-मानुष बने दुनिया की नंबर-2 पुरुष युगल जोड़ी

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय टेबल टेनिस को बड़ी उपलब्धि मिली है। स्टार खिलाड़ी मानव ठक्कर और मानुष शाह ने इतिहास रचते हुए इंटरनेशनल टेबल टेनिस फेडरेशन की नवीनतम पुरुष युगल रैंकिंग में दुनिया की नंबर-2 जोड़ी बनने का गौरव हासिल किया है। इसके साथ ही वे सीनियर विश्व रैंकिंग में इतनी ऊंची रैंक हासिल करने वाले भारत के पहले खिलाड़ी या जोड़ी बन गए हैं।मानव ठक्कर और मानुष शाह पिछले सप्ताह पहली बार करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व नंबर-3 रैंकिंग पर पहुंचे थे। अब उन्होंने एक और स्थान की छलांग लगाकर नया इतिहास रच दिया। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड अर्चना कामथ और मनिका बत्रा के नाम था, जिन्होंने 2022 में महिला युगल रैंकिंग में विश्व नंबर-4 स्थान हासिल किया था।

चीन नंबर-1, भारतीय जोड़ी दूसरे स्थान पर

ताजा रैंकिंग में चीन की लिन शिडोंग और हुआंग यूझेंग की जोड़ी 5160 अंकों के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। वहीं मानव ठक्कर और मानुष शाह 3390 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। फ्रांस के स्टार एलेक्सिस और फेलिक्स लेब्रुन की जोड़ी दूसरे से फिसलकर पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जिसका फायदा भारतीय जोड़ी को मिला। मानव और मानुष की यह उपलब्धि पिछले एक साल के लगातार बेहतरीन प्रदर्शन का नतीजा है। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज शरत कमल के मार्गदर्शन में दोनों खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी सर्किट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है।

यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब जापान के आइची-नागोया में होने वाले 2026 एशियन गेम्स में तीन महीने से भी कम समय बचा है।मानव और मानुष से इस बार पुरुष युगल में भारत को पदक की बड़ी उम्मीदें होंगी। 2023 हांगझोऊ एशियन गेम्स में दोनों की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की तत्कालीन विश्व नंबर-1 जोड़ी से हारकर पदक से चूक गई थी। मानव ठक्कर और मानुष शाह की यह उपलब्धि साबित करती है कि भारतीय टेबल टेनिस अब विश्व स्तर पर लगातार अपनी मजबूत पहचान बना रहा है।

सेमीफाइनल में खास जर्सी पहनना चाहता है अर्जेंटीना

फीफा से मांगी खास जर्सी पहनने की अनुमति

लंदन, एजेंसी। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल से पहले अर्जेंटीना ने एक खास अनुरोध कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लियोनेल मेसी की टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में अपनी पारंपरिक आसमानी-सफेद जर्सी की जगह नेवी ब्लू (गहरे नीले रंग) की वैकल्पिक जर्सी पहनने की अनुमति फीफा से मांगी है। माना जा रहा है कि इस फैसले के पीछे इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप में मिली ऐतिहासिक सफलताओं का अंधविश्वास भी जुड़ा हुआ है।रिपोर्ट्स के अनुसार, अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने फीफा से सेमीफाइनल में नेवी ब्लू अवे किट पहनने की अनुमति मांगी है। मौजूदा वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने इस जर्सी का इस्तेमाल केवल ग्रुप स्टेज में जॉर्डन के खिलाफ किया था। इसके बाद टीम सभी मुकाबलों में अपनी पारंपरिक होम जर्सी में उतरी। फीफा हर मुकाबले से पहले दोनों टीमों की जर्सी का अंतिम फैसला करता है ताकि खिलाड़ियों, रेफरी और दर्शकों को रंगों में कोई भ्रम न हो।

इंग्लैंड के खिलाफ इस जर्सी का खास इतिहास

नेवी ब्लू जर्सी का इंग्लैंड के खिलाफ अर्जेंटीना के लिए खास इतिहास रहा है। 1986 वर्ल्ड कप क्वार्टरफाइनल में डिएगो माराडोना ने इसी जर्सी में 'हैंड ऑफ गॉड' और 'गोल ऑफ द सेंचुरी' की मदद से टीम को 2-1 की यादगार जीत दिलाई थी। इसके बाद 1998 वर्ल्ड कप के राउंड ऑफ-16 में भी अर्जेंटीना ने इसी जर्सी में इंग्लैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया था। हालांकि 2002 वर्ल्ड कप में अर्जेंटीना ने अपनी पारंपरिक होम जर्सी पहनी और इंग्लैंड से 0-1 से हार गया था। इसी वजह से स्थानीय मीडिया इसे टीम का 'लकी किट' भी बता रहा है।

इंग्लैंड पारंपरिक सफेद जर्सी में उतरेगा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इंग्लैंड सेमीफाइनल में अपनी पारंपरिक ऑल-व्हाइट होम किट में मैदान पर उतरेगा। वहीं अर्जेंटीना की नेवी ब्लू जर्सी पहनने की मांग पर अंतिम फैसला फीफा के किट नियमों के अनुसार लिया जाएगा।

फाइनल का टिकट दांव पर

सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के सामने फाइनल में जगह बनाने का बड़ा मौका होगा। अर्जेंटीना लगातार दूसरी बार वर्ल्ड कप फाइनल में पहुंचकर खिताब बचाने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड 1966 के बाद पहली बार विश्व कप जीतने के सपने को पूरा करने के इरादे से मैदान में उतरेगा। अब सभी की नजर इस बात पर होगी कि क्या फीफा अर्जेंटीना को उसकी 'लकी' नेवी ब्लू जर्सी पहनने की अनुमति देता है।

जेपीएससी 14 वीं परीक्षा के रिजल्ट में धांधली को लेकर युवा आजसू ने निकाला विरोध मार्च

बिभा संवाददाता

रांची। युवा आजसू की ओर से जेपीएससी रिजल्ट में गड़बड़ी के विरोध में मंगलवार को मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका से जेपीएससी कार्यालय तक रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव के नेतृत्व में निकाला गया। साथ ही आयोग को ओर से नियुक्त मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा गया।

इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जेपीएससी मुख्यालय के मुख्य द्वार पर जम कर नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं की पुलिस के साथ झड़प भी हुई। वहीं कुछ कार्यकर्ता गेट पर चढ़कर तिरंगा लहराने लगे और नारेबाजी भी की। मौके पर युवा आजसू के नेताओं ने रिजल्ट्स में विसंगतियों की जांच और परिणाम स्थगित करने जैसे मुख्य मांग के साथ बैकलॉग परीक्षाओं के परिणामों में विसंगतिया, परीक्षा में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता बरतने की मांग की।

पार्टी की ओर से सौंपे गए ज्ञापन में रिजल्ट की स्वतंत्र जांच कर रोक लगाने, परीक्षा परिणाम को तत्काल स्थगित कर इसकी जांच सीबीआई या उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने की मांग की गई।

साथ ही कहा गया कि परिणाम के बाद श्रेणीवार कट-ऑफ जारी हो और मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए कम से कम 90 दिनों का समय दिया जाए।

इसके अलावा परिणाम पर आयोग के सदस्यों के हस्ताक्षर न होने के आरोपों पर आयोग की ओर से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। पार्टी के नेताओं ने सोशल मीडिया पर वायरल कम अंक वाले अभ्यर्थी की ओएमआर शीट का हवाला देते हुए, सभी संदिग्ध चयनित अभ्यर्थियों के उत्तर-पत्रकों की फॉरेंसिक जांच की मांग की।

मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता संजय मेहता, रांची जिला उपाध्यक्ष अमित साहू, युवा आजसू के प्रदेश संयोजक प्रताप सिंह, चेतन प्रकाश, अजीत सिंह, युवा आजसू रांची महानगर अध्यक्ष अमित यादव, छात्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष ओम वर्मा, वरीय उपाध्यक्ष ऋतुराज शाहदेव, छात्र संघ के रांची महानगर अध्यक्ष अमन साहू सहित सैकड़ों अभ्यर्थी और पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरमू रोड पर नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, 12 प्रतिष्ठानों को नोटिस

बिभा संवाददाता

रांची। रांची नगर निगम ने शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने और यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के उद्देश्य से मंगलवार को हरमू रोड क्षेत्र में सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सेटबैक एरिया और गिफ्ट डीड की भूमि पर अतिक्रमण पाए जाने पर 12 संस्थानों, दुकानों और भवनों को नोटिस जारी किया गया। हरमू रोड स्थित पेंटागोन भवन की गिफ्ट डीड भूमि पर संचालित एक टी-स्टॉल को भी हटाने के लिए नोटिस चस्पा किया गया। नगर निगम की इंफोर्समेंट टीम ने लगभग 20 दुकानों के सामने सड़क और नालियों पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान नालियों पर बनी टाइल्स, सीढ़ियां और अन्य अवैध संरचनाएं हटाकर आवागमन सुगम बनाया गया। नाली के ऊपर अवैध निर्माण करने पर एक दुकान पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया। अभियान के दौरान ट्रेड लाइसेंस की जांच में हरमू रोड स्थित अन्ना फास्टफूड और पायल कलेक्शन बिना वैध लाइसेंस के संचालित पाए गए, जिसके बाद दोनों प्रतिष्ठानों को तत्काल बंद करा दिया गया। वहीं, डमरो फर्नीचर भवन के बेसमेंट में पार्किंग स्थल का उपयोग गोदाम के रूप में किए जाने पर भवन प्रबंधन को नोटिस जारी कर गोदाम हटाने का निर्देश दिया गया।

नगर निगम ने कहा कि सार्वजनिक भूमि, सड़क, नाली, सेटबैक और गिफ्ट डीड की जमीन पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। अतिक्रमण हटाओ अभियान में निगम के कई पदाधिकारी कर्मी मौजूद थे।

बिजली खम्भे से टकराकर ट्रक हुआ दुर्घटनाग्रस्त, बड़ा हादसा टला

बिभा संवाददाता

खूंटी। जिले के रनिया थाना क्षेत्र अंतर्गत कोलेबिरा रोड पर मंगलवार तड़के सुबह मरचा में घुमावदार मार्ग में चालक को झपकी लगने के कारण एक ट्रक दुर्घटना ग्रस्त हो गयी। जिससे मुख्य पथ के किनारे लगे साइन बोर्ड और विद्युत के पोल क्षतिग्रस्त हो गया और कई गाँव के लिए विद्युत आपूर्ति बाधित हो गयी। दुर्घटना इतना जोरदार हुआ कि साईन बोर्ड और बिजली का खम्भा क्षतिग्रस्त हो गये, विद्युत तार टूट गये औश्र साईन बोर्ड टक्कर मारते हुए ट्रक झाड़ी में घुस गई। टक्कर के बाद विद्युत का पोल और तार टूटकर जमीन पर बिखर गया। टक्कर की घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने भीड मौके पर जुटी और विद्युत विभाग को मामले की जानकारी दिया गया। जमीन में तार बिखरने के कारण विद्युत संचालित तार जमीन में बिखर गये। इससे खतरा और बढ़ गया। इसके बाद बिजली का कनेक्शन काटा गया। वहीं विद्युत विभाग के सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। टक्कर की घटना की जानकारी पर रनिया थाना पुलिस घटनास्थल पहुँची और ट्रक के चालक मेराज खान से घटना की पूरी जानकारी लिया। ट्रक के ड्राइवर के द्वारा बताया गया कि झपकी आने के कारण वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क के किनारे लगे विद्युत के पोल को टक्कर मारकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। घटना के बाद वाहन का चालक पूरी तरह से सुरक्षित है और वाहन को मामूली नुकसान पहुंचा है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। विद्युत विभाग के कर्मी घटनास्थल पहुँचकर क्षतिग्रस्त तार की मरम्मती और टूटे हुए पोल को नया लगाने का तैयारी शुरू कर दिया है। विद्युत पोल और तार के टूटने से लगभग पांच गांवों तक बिजली का सप्लाई बाधित हो गया है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बता दें कि जिस जगह पर ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हुई है, उस स्थान पर पूर्व में कई सड़क दुर्घटनाएँ हो चुकी है। जिसमें लगभग आधा दर्जन लोगों की जान जा चुकी है।

संक्षिप्त खबरें

आदमी हाथी को छेड़ रहे हैं तो दूसरी ओर हाथियों का दहशत

खूंटी(बिभा) । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र के में हाथी प्रभावित क्षेत्र रनिया व तोरपा प्रखंड में जंगली क्षेत्र हाथियों का बसेरा बन गया है। जहाँ हाथी शांत तो रह रहे हैं लेकिन आदमियों के द्वारा हाथियों पर पथराव और छेड़खानी भयभीत वातावरण पैदा करने लगा है। कुलडा जंगल राजकीय राजमार्ग-3 हाथी अपना आश्रय स्थल बना लिया है। जहाँ पहले सड़कों पर एक हाथी दिखाई देता थी लेकिन अब हाथियों का समूह सड़कों पर विचरण करने लगे हैं। वहीं क्षेत्र के लोग हाथियों पर पथराव करने से बाज नहीं आ रहे हैं। इससे पथिकों और आमजनों को खतरा महसूस होने लगा है। वहीं जंगली क्षेत्र विरल होने से हाथी भूख मिटाने के लिए आहार की तलाश में निकल जाता है। वहीं उड़िकेल गांव में देर रात दो जंगली हाथियों ने एक घर को निभाना बनाया और मकान के दीवार और एस्बेस्टस को तोड़ दिया। जिसके भय से पूरा परिवार घर छोड़ भाग निकले। इससे उनके उपर मंडरा रहा खतरा टल गया। लेकिन अभी से बारिश के मौसम में गरीब किसान का भारी नुकसान हो गया। वहीं एक तरफ प्रशासन हाथियों को परेशान न करने की अपील कर रहे हैं तो हाथियों से परेशान पीड़ित परिवार सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं। यही कारण है कि हाथी आक्रामक न हो इसके लिए लोगों को सोचना होगा। उन जंगली हाथियों को जो व्यवहार पसंद है वही काम करने से समस्या उत्पन्न नहीं होगा।

प्रवासी मजदूर फिलीप का शव पहुंचा बोतलो गांव

तोरपा(बिभा) । खूंटी जिले के फिर एक प्रवासी मजदूर का मौत मजदूरी करने के क्रम में मौत हो गया। इस बार तोरपा प्रखंड क्षेत्र के बोतलो गाँव निवासी 35 वर्षीय प्रवासी मजदूर फिलिप भेंगरा का महाराष्ट्र में मृत्यु हो गया। बताया गया कि फिलीप 6 महीने पहले रोजगार के तलाश में महाराष्ट्र गया था और मजदूरी का काम करता था। रविवार 12 जुलाई को काम करते वक्त फिलिप के सिर पर सरिया गिरा और घटनास्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई। घटना के दो दिन बाद मंगलवार को एम्बुलेंस द्वारा महाराष्ट्र से मृतक फिलिप का शव उसके पैतृक गाँव बोतलो पहुँचा। जहां विधि विधान से अंतिम संस्कार की गई। बता दे की दो भाइयों में फिलीप बड़ा भाई था छोटा भाई विकलांग है। और मां-बाप बुजुर्ग हैं। परिवार में अकेले कमाने वाला सदस्य फिलीप था जिसकी मृत्यु के बाद बुजुर्ग माता-पिता बेसहारा हो गए हैं। बुजुर्ग माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी पर तोरपा प्रखंड के उपप्रमुख संतोष कर पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की जानकारी लिया और मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया।

उच्च शिक्षा की विसंगतियों पर अभाविप का राजभवन मार्च, राज्यपाल को सौंपा आठ सूत्रीय ज्ञापन

खूंटी(बिभा) । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लोकभवन में राज्यपाल सह कुलाधिपति से मुलाकात कर झारखंड के उच्च शिक्षा क्षेत्र में व्याप्त विसंगतियों के खिलाफ आठ सूत्रीय मांगपत्र सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने स्नातक सीटों में कटौती, कई विषयों की पढ़ाई बंद होने, ग्रामीण क्षेत्रों में स्नातकोत्तर शिक्षा समाप्त करने, व्यावसायिक पाठ्यक्रम बंद किए जाने तथा परीक्षा प्रणाली में अनियमितताओं पर चिंता जताई। अभाविप ने कहा कि विश्वविद्यालयों की नई व्यवस्था से शिक्षा का केंद्रीकरण बढ़ रहा है, जिससे ग्रामीण, जनजातीय और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं, के लिए उच्च शिक्षा प्राप्त करना कठिन हो जाएगा। संगठन ने बीबीए, बीसीए, बायोटेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस सहित रोजगारपरक पाठ्यक्रमों को पुनः शुरू करने तथा बी.एड. को स्ववित्तपोषित श्रेणी से हटाकर सामान्य शुल्क संरचना में लाने की मांग की। ज्ञापन में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणामों पर भी सवाल उठाए गए। अभाविप ने आरोप लगाया कि आयोग ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और परिणामों में पारदर्शिता का अभाव रहा। संगठन ने पूरे मामले की सीबीआई जांच कराए जाने तथा मुख्य परीक्षा स्थगित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने छात्रसंघ की स्वायत्तता, जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं की पढ़ाई, लंबित छात्रवृत्ति भुगतान और परीक्षा व्यवस्था में सुधार की भी मांग की। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मौसमी पाल, प्रदेश संगठन मंत्री पशुपति उपमन्यु, डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आनंद ठाकुर, दिशा दित्या, बाबूलाल मेहता, बमभोला उपाध्याय, संतोषी कुमारी एवं अंजली सिंह सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने नितिन गडकरी से मुलाकात कर खूँटी बाईपास मामले पर की चर्चा

खूंटी बाइपास क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा : अर्जुन मुण्डा

बिभा संवाददाता

खूंटी / नई दिल्ली । झारखंड की राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क अवसंरचना परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान झारखंड की विभिन्न महत्वपूर्ण राष्ट्रीय राजमार्ग एवं सड़क अवसंरचना परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान खूंटी बाइपास के शीघ्र निर्माण की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। मुंडा ने कहा कि इस परियोजना के पूरा होने से खूंटी शहर में यातायात का दबाव कम होगा, सड़क सुरक्षा बेहतर होगी तथा आम लोगों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

बैठक में यह भी रेखांकित किया गया कि खूंटी बाइपास क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे खूंटी सहित आसपास के आदिवासी क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी, व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा और विकास की नई संभावनाएं खुलेंगी। इसके अलावा झारखंड में सड़क अवसंरचना के समग्र विकास तथा लंबित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं को शीघ्र गति देने के संबंध में भी सकारात्मक और सार्थक चर्चा हुई।

हालांकि, परियोजना के क्रियान्वयन में अभी भी प्रशासनिक बाधाएं बनी हुई हैं। एनएचएआई के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार खूंटी बाइपास परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण और वन स्वीकृति (फॉरेस्ट क्लियरेंस) की प्रक्रिया अभी लंबित है, जिसे राज्य सरकार को पूरा करना है। शिलान्यास हुए करीब दो वर्ष बीत जाने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है।

अधिकारियों के अनुसार परियोजना में लगातार हो रही देरी से इसकी अनुमानित लागत बढ़ रही है। यही कारण है कि भूमि अधिग्रहण और वन स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी होने तक परियोजना का पुनः टेंडर जारी नहीं किया जा सकता।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को लेकर सभी मतदान केंद्रों पर हुई चुनाव पाठशाला, उपायुक्त ने लिया जायजा

बिभा संवाददाता

खूंटी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देश पर मंगलवार को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान के तहत बीएलओ एवं बीएलए-2 की संयुक्त बैठक तथा 'चुनाव पाठशाला' का आयोजन किया गया। बैठक में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 ने भाग लेकर मतदाता सूची के अद्यतन से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मो. जावेद हुसैन ने खूंटी विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र संख्या 96, 97 एवं 98 का निरीक्षण कर बैठक की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बीएलओ और संबंधित अधिकारियों को प्रगणना प्रपत्र समय पर जमा कराने तथा डिजिटाइजेशन कार्य निर्धारित अवधि में पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक में मतदाता सूची में दर्ज अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत, डुप्लीकेट एवं अन्य श्रेणी के मतदाताओं की सूची सार्वजनिक रूप से पढ़ी गई तथा अनमैप्ड मतदाताओं पर भी चर्चा हुई। उपायुक्त ने कहा कि एसआईआर पूरी तरह पारदर्शी और सहभागी प्रक्रिया है। उन्होंने मतदाताओं से प्रगणना प्रपत्र सावधानीपूर्वक भरने तथा केवल पात्र भारतीय नागरिकों से ही इसमें भाग लेने की अपील की।

नमस्ते दिवस पर सफाई मित्रों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, नगर पंचायत ने बढ़ाया उत्साह

बिभा संवाददाता

खूंटी । नगर पंचायत खूंटी में मंगलवार को 'नमस्ते दिवस कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत में कार्यरत सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की जाँच कराई गई तथा उनके कार्यों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।

कार्यपालक पदाधिकारी सृष्टि दीप्तिया मिंज के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्व नगर प्रबंधक मोनिस सलाम ने किया। इस दौरान नगर पंचायत क्षेत्र में कार्यरत सभी सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया, ताकि उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

वहीं नगर पंचायत अध्यक्षा रानी टूटी ने सफाई मित्रों से संवाद कर उनके कार्यों की सराहना की और उन्हें पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। मौके पर, उन्होंने कहा कि सफाईकर्मी समाज का बहुत ही महत्वपूर्ण अंग हैं। जिनके कारण से ही नगर साफ रहता है और समाज के लोगों को स्वच्छ वातावरण देने और निरोग रखने में भूमिका स्वयं कूड़े के बीच रहकर निभाते हैं। इनकी स्वास्थ्य सुरक्षा हम सभी की जिम्मेवारी भी है। सफाईकर्मी रहेंगे तभी नगर साफ सुथरा रहेगा।

मौके पर, मोनिस ने कहा कि सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और सम्मान को प्राथमिकता देते हुए समय-समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। उक्त कार्यक्रम में नगर पंचायत कार्यालय के पदाधिकारी, सुपरवाइजर, व सफाईकर्मी उपस्थित थे।

आषाढ़ी पूजा में उमड़ी आस्था, दतिया गांव में महिलाओं ने निभाई रोग निवारण की परंपरा

बिभा संवाददाता

खूंटी । नगर पंचायत क्षेत्र के दतिया गाँव में मंगलवार को पारंपरिक आषाढ़ी पूजा श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। पूजा में बड़ी संख्या में महिलाओं और पुरुषों ने भाग लेकर गाँव की सुख-समृद्धि, रोगों से मुक्ति तथा अच्छी कृषि उपज की कामना की।

सुबह महिलाओं ने स्नान कर कलश में जल भरकर गाँव के मध्य स्थित पीपल वृक्ष पर अर्पित किया और ईश्वर से परिवार एवं पूरे गाँव की खुशहाली की प्रार्थना की। इसके बाद महिलाओं ने परंपरा के अनुसार गाँव की सीमा पर जाकर पुराने घड़े, झाड़ू एवं अन्य अनुपयोगी वस्तुओं का विसर्जन किया। मान्यता है कि इससे गाँव से रोग, दुःख और नकारात्मक शक्तियाँ दूर होती हैं।

वहीं गाँव के पाहन नारायण पाहन के नेतृत्व में पीपल वृक्ष के समीप तथा ग्राम देवी मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। ग्राम देवी माँ और ग्राम चण्डी माँ की विशेष पूजा कर गाँव की रक्षा एवं समृद्धि की मंगलकामना की गई। धार्मिक परंपरा के अनुसार बकरा एवं रंगुआ की बलि भी दी गई।

पूरे अनुष्ठान में महिला और पुरुषों की सक्रिय भागीदारी रही। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि आषाढ़ी पूजा उनकी सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण पर्व है, जिसे हर वर्ष पूरे श्रद्धाभाव और सामूहिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है।

शिक्षकों को आधार, अपार आईडी व छात्रवृत्ति कार्य शीघ्र पूरा करने के गुरु गोष्ठी में दिए गये निर्देश

बिभा संवाददाता

खूंटी। नगर पंचायत क्षेत्र के डाक-बंगला रोड स्थित कन्या विद्यालय सभागार में मंगलवार को आयोजित मासिक गुरु गोष्ठी में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं विद्यालयी गतिविधियों की समीक्षा करते हुए प्रधान शिक्षकों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। बैठक में आधार, बैंक खाता एवं अपार आईडी से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन तत्काल उपलब्ध कराने तथा शेष बच्चों का आधार, खाता और अपार आईडी शीघ्र बनवाने को कहा गया। साथ ही प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए ई-कल्याण पोर्टल पर प्रविष्टि सुनिश्चित करने और विद्यालयी पोशाक से संबंधित आँकड़े दो दिनों के भीतर बीआरसी में जमा करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में 3 से 18 वर्ष आयु वर्ग के विद्यालय से बाहर रह गए दिव्यांग बच्चों का विशेष नामांकन अभियान के तहत दो दिनों में नामांकन सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। शिक्षकों को ई-विद्यावाहिनी में प्रतिदिन छात्र एवं शिक्षक उपस्थिति तथा मासिक मूल्यांकन से जुड़े आँकड़े दर्ज करने के निर्देश भी दिए गए। मध्याह्न भोजन योजना में बच्चों की उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम नहीं होने देने की चेतावनी दी गई।

इसके अलावा सभी विद्यालयों में इको क्लब गठन, एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण, आयरन-फोलिक एसिड (आईएफए) की गोलियों का नियमित वितरण तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन पर भी चर्चा हुई। गोष्ठी में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी अनीता लकड़ा, प्रखंड साधन सेवी विजय शर्मा, लेखापाल जूलियाना कच्छप, शिक्षिका प्रेमिना बोदरा एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधान शिक्षक उपस्थित रहे।

नवनियुक्त प्रभारी प्राचार्या डॉ. पुष्पा सुरीन का एबीवीपी ने किया स्वागत, छात्रहित के मुद्दों पर सौंपा आग्रह

बिभा संवाददाता

खूंटी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की खूंटी इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जिला संयोजक हिरंजली हेमरोम के नेतृत्व में बिरसा महाविद्यालय की नवनियुक्त प्रभारी प्राचार्या डॉ. पुष्पा सुरीन से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एबीवीपी झारखंड के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी भी उपस्थित रहे।

भेंट के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने महाविद्यालय में विद्यार्थियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं एवं शैक्षणिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने की मांग रखी। परिषद ने पेयजल, स्वच्छ शौचालय, परिसर की साफ-सफाई, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल सामग्री, नियमित कक्षाओं के संचालन तथा अन्य छात्र सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने का आग्रह किया।

प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि एबीवीपी सदैव छात्रहित और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए कार्य करती रही है। उन्होंने कहा कि बिरसा महाविद्यालय जिले का प्रमुख शिक्षण संस्थान है, इसलिए विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

प्रभारी प्राचार्या डॉ. पुष्पा सुरीन ने प्रतिनिधिमंडल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कॉलेज प्रशासन विद्यार्थियों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देगा। उन्होंने छात्रहित से जुड़े सकारात्मक सुझावों का स्वागत करते हुए समस्याओं के समाधान का भरोसा दिलाया। मौके पर सुखराम हेमरोम, दीपक लोहरा, राहुल सहित परिषद के अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

रेलवे की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस': 8 नए बड़े सुधारों के साथ कंटेनर आधारित माल ढुलाई पर रहेगा फोकस

बिहान भारत

नई दिल्ली। रेलवे ने माल ढुलाई व्यवस्था को तेज, सस्ती, पर्यावरण अनुकूल और कारोबार के लिए अधिक आसान बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। फोकस कंटेनर आधारित माल ढुलाई पर है। फ्लाई ऐश, उर्वरक, खाद्यान्न, आटा और दाल जैसे सामान भी अब कंटेनरों में भेजे जा सकेंगे। इससे सामान वर्षा और धूल से सुरक्षित रहेगा।

जरूरत के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर उतारा जा सकेगा। पहले पूरा रैक एक साथ खाली होने तक रुका रहता था, मगर कंटेनर प्रणाली से रैक जल्दी खाली होंगे। रेलवे की क्षमता भी बढ़ेगी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आठ नए सुधारों की घोषणा की, जिसके बाद "रिफॉर्म एक्सप्रेस" के तहत लागू सुधारों की संख्या 17 हो गई है। सरकार का लक्ष्य 52 सप्ताह में 52 सुधार लागू करना है।

इन सुधारों का उद्देश्य सड़क से रेल की ओर माल ढुलाई बढ़ाना है। सड़क परिवहन की तुलना में रेल से माल ढुलाई में लगभग 90 प्रतिशत कम कार्बन उत्सर्जन होता है। कंटेनर आधारित व्यवस्था से माल अधिक सुरक्षित रहेगा, ढुलाई तेज होगी और देश की लॉजिस्टिक्स लागत कम करने में भी मदद मिलेगी।

निजी कंपनियां अपनी जरूरत के अनुसार विशेष माल वैगन डिजाइन कर सकेंगी, जिन्हें परीक्षण के बाद रेलवे नेटवर्क पर चलाया जाएगा। तेल कंपनियां भी विशेष टैंक वैगन खरीद या लीज पर ले सकेंगी। रेल परियोजनाओं में काम करने वाले वेल्डर, फिटर और अन्य कारीगरों के लिए पहली बार प्रमाणन व्यवस्था लागू की गई है, ताकि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और सुरक्षा दोनों को मजबूत किया जा सके।

देश में हर वर्ष लगभग 34 करोड़ टन फ्लाई ऐश निकलती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी उपयोग में नहीं आ पाता। अब रेलवे बंद कंटेनरों में इसकी ढुलाई की व्यवस्था करेगा। इससे धूल प्रदूषण कम होगा और फ्लाई ऐश सीमेंट उद्योग तक आसानी से पहुंच सकेगी। सड़कों पर दबाव घटेगा और पर्यावरण को लाभ मिलेगा।

रेलवे ने कंटेनर ट्रेन आपरेटरों की लाइसेंस व्यवस्था भी सरल कर दी है। पहले अलग-अलग श्रेणियां और शुल्क थे, लेकिन अब पूरे देश के लिए एक समान लाइसेंस मिलेगा। इससे कंपनियां रेल नेटवर्क पर कंटेनर ट्रेन चला सकेंगी। निजी निवेश बढ़ेगा, प्रतिस्पर्धा आएगी और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र अधिक सक्षम बनेगा।

रेलवे से देश के लगभग 85 प्रतिशत उर्वरक की ढुलाई होती है, जिसकी किराया प्रणाली को प्रति टन प्रति किलोमीटर के आधार पर सरल बनाया गया है। यही व्यवस्था खाद्यान्न, आटा और दालों पर भी लागू होगी। कंटेनर आधारित परिवहन से गोदामों तक चरणबद्ध आपूर्ति संभव होगी, जिससे किसानों, वितरकों और उपभोक्ताओं को समय पर सामान उपलब्ध कराने में सुविधा होगी।

निर्माण कार्यों में भी कई बदलाव किए गए हैं। ठेकेदारों को शुरूआत में 10 प्रतिशत परफार्मेंस सिक्योरिटी जमा करनी होगी। जिन ठेकेदारों पर उनकी शुद्ध संपत्ति के 50 प्रतिशत से अधिक मूल्य के मुकदमे लंबित होंगे, वे रेलवे टेंडर में भाग नहीं ले सकेंगे। भूमि अधिग्रहण में तेजी के लिए "रेल भूमि" डिजिटल प्लेटफॉर्म शुरू किया गया है।

अमृत स्टेशन विशेष : विकास के नए स्वरूप के साथ तैयार है फतेहपुर रेलवे स्टेशन

बिहान भारत

प्रयागराज : गंगा और यमुना जैसी पावन नदियों के मध्य स्थित फतेहपुर, प्रयागराज और कानपुर के बीच अपनी महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थिति के कारण लंबे समय से यात्रियों और व्यापारिक गतिविधियों का एक प्रमुख केंद्र रहा है।

यह स्टेशन उत्तर भारत के सबसे पुराने रेल खंड एवं प्रयागराज एवं कानपुर शहरों के मध्य स्थित प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक है, जिसका इतिहास वर्ष 1859 में इस रेलखंड के प्रारंभ होने से जुड़ा है। यह स्टेशन ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्षेत्र की प्रारंभिक रेल सेवाओं में से एक के प्रस्थान स्थल के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

दिल्ली-हावड़ा मुख्य रेलमार्ग, जो भारत के सबसे व्यस्त एवं महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोरों में से एक है, पर स्थित यह स्टेशन आज भी लाखों यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहा है।

इसी ऐतिहासिक और सामाजिक महत्व को नई पहचान देते हुए अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत फतेहपुर रेलवे स्टेशन का लगभग 32 करोड़ की लागत से व्यापक पुनर्विकास किया गया है।

पुनर्विकसित स्टेशन अब केवल ट्रेनों के ठहरने का स्थान नहीं, बल्कि आधुनिक, सुरक्षित और यात्री-केंद्रित रेल यात्रा का नया अनुभव प्रस्तुत करता है। आकर्षक स्टेशन भवन, नया जी+1 द्वितीय प्रवेश, विशाल कॉन्कोर्स, आधुनिक प्रतीक्षालय, उन्नत टिकटिंग व्यवस्था, विकसित सकुर्लेटिंग एरिया, सुव्यवस्थित पार्किंग और पृथक प्रवेश-निकास मार्ग यात्रियों की आवाजाही को पहले से अधिक सहज और व्यवस्थित बनाते हैं। यात्री सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिए उच्च स्तरीय प्लेटफॉर्म संख्या-4 का निर्माण, प्लेटफॉर्मों का आधुनिकीकरण, नए शेल्टर, 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज, अतिरिक्त एफओबी तथा दिव्यांगजन एवं वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए सुगम अवसंरचना विकसित की गई है। आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली, बेहतर प्रकाश व्यवस्था और सुव्यवस्थित परिसर स्टेशन को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं।

फतेहपुर रेलवे स्टेशन का यह नया स्वरूप केवल अवसंरचना का विस्तार नहीं, बल्कि यात्रियों की सुविधा, सुरक्षा और सम्मान को केंद्र में रखकर विकसित की गई एक नई सोच का प्रतीक है। यह स्टेशन क्षेत्र की बेहतर रेल संपर्क व्यवस्था को मजबूत करते हुए पर्यटन, व्यापार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति देगा। जब यात्री इस नए स्टेशन से अपनी यात्रा शुरू करेंगे, तो उन्हें केवल आधुनिक सुविधाएँ ही नहीं, बल्कि बदलते भारतीय रेल की नई पहचान का भी अनुभव होगा।

संक्षिप्त खबरें

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24.95 करोड़ रुपये से हुआ शामली रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल अंतर्गत शामली रेलवे स्टेशन का अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 24.95 करोड़ रुपये की लागत से व्यापक पुनर्विकास किया गया है। स्टेशन को आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित करते हुए इसे अधिक सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया गया है। अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों का चरणबद्ध आधुनिकीकरण कर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा स्टेशनों को आसपास के क्षेत्रों से बेहतर संपर्क प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत स्टेशन परिसरों का समग्र विकास, सड़क संपर्क, फुटपाथ और अन्य आधारभूत संरचनाओं का भी विस्तार किया जा रहा है। शामली रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के तहत स्टेशन भवन का नवीनीकरण किया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए 12 मीटर चौड़ा फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) बनाया गया है। इसके अलावा नया पार्किंग क्षेत्र, सकुर्लेटिंग एरिया, आधुनिक प्रतीक्षालय तथा शौचालय ब्लॉक विकसित किए गए हैं। प्लेटफॉर्म शेल्टर और प्लेटफॉर्म सतह का भी उन्नयन किया गया है, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। स्टेशन को दिव्यांगजन-अनुकूल बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसके तहत प्रवेश रैंप, टैक्टाइल पाथवे, सुगम्य शौचालय, पेयजल बूथ, आरक्षित पार्किंग सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की गई हैं। साथ ही दो लिफ्ट भी स्थापित की गई हैं, जिससे बुजुर्गों, दिव्यांगजनों तथा अन्य यात्रियों की आवाजाही अधिक सुगम हो सकेगी। भारतीय रेलवे का मानना है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के माध्यम से रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण न केवल यात्रियों के यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएगा बल्कि स्थानीय क्षेत्र के समग्र विकास और बेहतर कनेक्टिविटी को भी नई गति प्रदान करेगा।

नारी वंदन बिल को लेकर कांग्रेस 21 को करेगी संसद का घेराव : सुधा प्रसाद

रांची। नारी वंदन बिल को संसद से पास करने की मांग को लेकर कांग्रेस पार्टी की महिला इकाई 21 जुलाई को संसद का घेराव करेगी। यह जानकारी रांची कांग्रेस मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित झारखंड महिला कांग्रेस की सह प्रभारी सुधा प्रसाद ने प्रेस वार्ता में कही। इस मौके पर सुधा प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार नारी वंदन बिल की आड़ में परिसीमन लाना चाहती है। इस बिल को सरकार ने अप्रैल माह में ही संसद में लाया था,लेकिन उस समय में बिल गतिरोध के कारण यह पास नहीं हो सका था। उन्होंने कहा कि भाजपा दुष्प्रचार कर रही है कि कांग्रेस इस बिल का विरोध कर रही है,जबकि यदि केंद्र सरकार की मंशा साफ होती तो इस बिल में एससी और एसटी समुदाय से जुड़ी महिलाओं को दरकिनार नहीं करती। उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी की महिला इकाई ने प्रधानमंत्री को बिल को लेकर 'आज करो अभी करो' अभियान के तहत पोस्टाकार्ड भी भेजा था, लेकिन बावजूद इसके बिल पारित नहीं हो सका। सह प्रभारी ने कहा कि सरकार ने जब अप्रैल 2023 में नारी वंदन बिल को लायी थी तो उसी समय इसे पारित क्यों ने कराया। मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्य क्ष रमा खलखो, सुंदरी तिर्की सहित पार्टी की अन्य नेत्रियां मौजूद थीं।

प्रधान सचिव पहुंचे धनबाद, बीआईटी सिंदरी को रिसर्च संस्थान बनाने पर की चर्चा

बिभा संवाददाता

धनबाद। झारखंड के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार मंगलवार को धनबाद पहुंचे। इस दौरान उन्होंने उपायुक्त आदित्य रंजन, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, बीआईटी सिंदरी के फैकल्टी और बीबीएमकेयू प्रबंधन के साथ बैठक की। बैठक में राज्य के उच्च शिक्षा तंत्र को मजबूत बनाने, बीआईटी सिंदरी को रिसर्च संस्थान के रूप में विकसित करने और शिक्षकों की कमी को दूर करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रधान सचिव राहुल कुमार पुरवार ने कहा कि बीआईटी सिंदरी राज्य का एक प्रतिष्ठित और पुराना तकनीकी संस्थान है, जबकि बीबीएमकेयू एक नई यूनिवर्सिटी है। ऐसे में धनबाद के उच्च शिक्षा इकोसिस्टम को बेहतर बनाने के उद्देश्य से यह दौरा किया गया है। उन्होंने बताया कि बीआईटी सिंदरी को रिसर्च आधारित संस्थान के रूप में विकसित करने की दिशा में आवश्यक संसाधनों और कमियों की समीक्षा की गई है।

उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के सामने सबसे बड़ी चुनौती फैकल्टी की कमी है। राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम लागू होने के बाद अब यूनिवर्सिटी सर्विस कमीशन का गठन किया जाएगा, जिससे शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया तेज होगी। उम्मीद है कि अगले एक वर्ष के भीतर नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

प्रधान सचिव ने कहा कि सरकार शिक्षण संस्थानों में नियमित शैक्षणिक सत्र, समय पर नामांकन और बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नए सिस्टम लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी संस्थानों की तुलना करने के बजाय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है।

झारखंड में राज्य स्तरीय विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम जारी

सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता 17 जुलाई से

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद (जेईपीसी) ने सत्र 2026-27 के विद्यालयी खेल कैलेंडर के तहत आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का कार्यक्रम मंगलवार को जारी कर दिया। इसके तहत 65वीं राज्य स्तरीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 17 से 21 जुलाई तक रांची के खेलगांव स्थित बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में किया जाएगा।

परिषद ने सभी प्रमंडलों की विजेता टीमों को 16 जुलाई अपराह्न तीन बजे तक स्टेडियम के रजिस्ट्रेशन हॉल में अनिवार्य रूप से रिपोर्ट करने का निर्देश दिया है। इस दौरान खिलाड़ियों का पंजीकरण, दस्तावेजों का सत्यापन तथा अन्य आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी।

प्रतियोगिता में राज्य के सभी प्रमंडलों की विजेता टीमें भाग लेंगी। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में झारखंड का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं के अगले चरण में द्वितीय राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 23 से 25 जुलाई तथा राज्य स्तरीय जवाहरलाल नेहरू हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 29 से 31 जुलाई तक किया जाएगा।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला शिक्षा अधीक्षकों, जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए हैं। परिषद ने खिलाड़ियों की सुरक्षित भागीदारी, समयबद्ध पंजीकरण तथा प्रतियोगिताओं के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है।

रेल भूमि पोर्टल से 30-40 प्रतिशत तेज होगा भूमि अधिग्रहण, रेलवे परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

बिहान भारत

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए ह्यरेल भूमिह्ल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के लागू होने से राज्यों के आधार पर भूमि अधिग्रहण की समय-सीमा में 30 से 40 प्रतिशत तक कमी आने की उम्मीद है, जिससे रेल परियोजनाओं को नई गति मिलेगी।

वैष्णव ने यहां रेलवे सुधारों पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अभी तक भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया काफी हद तक कागजी कार्यवाही पर आधारित रही है, जिसके कारण कई परियोजनाओं में अनावश्यक विलंब होता था। रेल भूमि पोर्टल इस पूरी प्रक्रिया को डिजिटल बनाकर भूमि अधिग्रहण के प्रत्येक चरण की ऑनलाइन निगरानी करेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे में व्यापक संरचनात्मक सुधार किए जा रहे हैं

और रेल भूमि पोर्टल उन प्रमुख पहलों में शामिल है, जो भारतीय रेलवे की परियोजनाओं को समयबद्ध ढंग से पूरा करने और देश में तेज गति से आधारभूत ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वैष्णव ने बताया कि रेलवे ने भूमि हस्तांतरण के लिए स्पष्ट एवं चरणबद्ध व्यवस्था लागू की है, जिससे विवादों की संभावना कम होगी और परियोजनाओं का काम समय पर शुरू किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि ह्यरेल भूमिह्ल पोर्टल को सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स (क्रिस) ने विकसित किया है। यह वेब-आधारित प्लेटफॉर्म आईआरपीएसएम, आईपीएएस और एचआरएमएस सहित रेलवे की विभिन्न डिजिटल प्रणालियों को एकीकृत करेगा। इसके माध्यम से भूमि अधिग्रहण के प्रमुख चरणों का ऑनलाइन निष्पादन, विभागों के बीच सूचनाओं का त्वरित आदान-प्रदान, कार्यप्रवाह का प्रभावी प्रबंधन तथा डैशबोर्ड और एमआईएस के जरिए रीयल-टाइम निगरानी संभव होगी। अनुमान है कि इससे भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया 30 से 40 प्रतिशत तक तेज होगी, परियोजनाओं की बेहतर योजना बन सकेगी और रेलवे अवसंरचना कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने में मदद मिलेगी।

रेलवे अधिकारियों का मानना है कि भूमि अधिग्रहण किसी भी रेल परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण और समय लेने वाला चरण होता है। नई डिजिटल व्यवस्था से नई रेल लाइन, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग, माल गलियारे और हाई-स्पीड रेल जैसी परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी तथा समय और लागत दोनों में कमी आएगी।

रेल मंत्रालय का यह कदम ऐसे समय आया है जब कई बड़ी आधारभूत ढांचा परियोजनाएं भूमि अधिग्रहण में देरी के कारण प्रभावित होती रही हैं। मंत्रालय का मानना है कि डिजिटल निगरानी, ऑनलाइन कार्यप्रवाह और समयबद्ध ट्रैकिंग से राज्यों और जिला प्रशासन के साथ समन्वय अधिक प्रभावी होगा तथा लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण संभव हो सकेगा। हालांकि, भूमि अधिग्रहण की कानूनी प्रक्रिया संबंधित राज्य सरकारों और सक्षम प्राधिकारियों के माध्यम से ही पूरी होगी।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पिस्का एवं मुरी स्टेशनों का पुनर्विकास

बिहान भारत

कोलकाता: अमृत भारत स्टेशन योजना भारतीय रेल द्वारा अपनी आधारभूत संरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य लाखों यात्रियों के यात्रा अनुभव को और अधिक बेहतर बनाना है। इस योजना का लक्ष्य रेलवे स्टेशनों को अधिक स्वच्छ, सुविधाजनक, आरामदायक तथा यात्री-अनुकूल बनाना है। दक्षिण पूर्व रेलवे के पिस्का एवं मुरी स्टेशनों का भी इस योजना के अंतर्गत पुनर्विकास किया गया है। इन उन्नत स्टेशनों पर आधुनिक यात्री सुविधाएं, बेहतर सुगमता तथा उन्नत अवसंरचना विकसित की गई है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक एवं सुगम यात्रा अनुभव उपलब्ध हो सके।

पिस्का एवं मुरी स्टेशनों पर विकसित प्रमुख यात्री सुविधाएं

- नवनिर्मित एवं आधुनिकीकृत स्टेशन भवन
- नया सकुर्लेटिंग एरिया
- नया पार्किंग क्षेत्र
- नई लिफ्ट सुविधाएं
- नया फुट ओवर ब्रिज
- दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं, जैसे झ रैंप, बुकिंग काउंटर, पेयजल बूथ, पार्किंग क्षेत्र, शौचालय तथा टैक्टाइल टाइल्स आदि
- नए प्लेटफॉर्म शेल्टर
- प्लेटफॉर्म का उन्नयन
- पेयजल बूथ
- नया बुकिंग काउंटर
- प्रतीक्षालय
- स्थानीय कला एवं संस्कृति की थीम पर आकर्षक सज्जा
- बैठने की व्यवस्था
- ट्रेन इंडिकेटर एवं कोच इंडिकेटर बोर्ड

पिस्का अमृत स्टेशन

पिस्का अमृत स्टेशन, झारखंड के रांची जिले में स्थित तथा दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला रेलवे स्टेशन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित किए गए प्रमुख स्टेशनों में शामिल है। पिस्का स्टेशन के पुनर्विकास का उद्देश्य इसे आधुनिक एवं यात्री-केंद्रित सुविधाओं से सुसज्जित कर एक बेहतर रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित करना है। पिस्का रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास से रांची तथा आसपास के क्षेत्रों के हजारों दैनिक यात्रियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की अपेक्षा है। साथ ही, उन्नत यात्री सुविधाएं एवं बेहतर रेल संपर्क क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति प्रदान करेंगे, निवेश को आकर्षित करेंगे तथा झारखंड में पर्यटन को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मुरी अमृत स्टेशन

झारखंड के रांची मंडल में स्थित मुरी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण क्षेत्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक एवं औद्योगिक विरासत के संरक्षण के साथ-साथ आधुनिक विकास को भी सुनिश्चित करता है। मुरी रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास यात्रियों की अपेक्षाओं के अनुरूप आधुनिक रेलवे अवसंरचना विकसित करने तथा झारखंड के आर्थिक विकास में योगदान देने की भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। प्रमुख औद्योगिक केंद्रों, सांस्कृतिक धरोहरों एवं धार्मिक स्थलों तक बेहतर संपर्क उपलब्ध कराते हुए यह पुनर्विकसित स्टेशन सतत क्षेत्रीय विकास एवं बेहतर आवागमन का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा।

सरकारी जमीन के अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करें: प्रमंडलीय आयुक्त

बिभा संवाददाता

धनबाद। उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने मंगलवार को अपने दो दिवसीय धनबाद दौरे के अंतिम दिन गोविंदपुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लंबित दाखिल-खारिज मामलों, जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण पत्रों के निष्पादन, कार्यालय पंजी, सेवा पुस्तिका सहित विभिन्न प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा की।

आयुक्त ने अधिकारियों को सरकारी भूमि की हर हाल में सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दाखिल-खारिज और विभिन्न प्रमाण पत्रों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि आम लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो।

निरीक्षण के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य की भी समीक्षा की। उन्होंने बीएलओ एवं संबंधित अधिकारियों को अनुपस्थित, स्थानांतरित, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं की त्रुटिरहित सूची तैयार करने तथा डिजिटाइजेशन का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी बीएलओ या वालंटियर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com